CMYK

ख़बरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 24°C
न्यूनतम : 13°C

देहरादून, सोमवार 16 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 217 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2082 26 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

आदतन गलती दोहराने वाले पेपर केंद्रों को प्रतिबंधित करने की जरूरत : योगी पेज 2

आईसीसी ने आगा सलमान को लगाई फटकार और एक डिमेरिट अंक दिया खेल टाइम्स

डाटा, सहमति और संविधान : डिजिटल शक्ति पर भारत को पुनर्विचार करना होगा सम्पादकीय

ईरान में सत्ता परिवर्तन की उम्मीदें धूमिल, नेतन्याहू के सामने नई सियासी चुनौती पेज 12

ईरान का इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला, अमेरिकी दूतावास नष्ट

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका- इजरायल और ईरान जंग का रविवार को 16वां दिन था। ईरान ने रविवार को इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल के टुकड़े गिरने से उस इमारत को नुकसान पहुंचा है, जहां अमेरिकी डिप्लोमेट काम करते हैं।

हालांकि रिपोर्ट्स में ये नहीं बताया गया कि यह इमारत किस शहर में है। इजरायल में अमेरिका का दूतावास यरुशलम में है और राजधानी तेल अवीव में भी उसका एक बड़ा दफ्तर है। वहीं ईरान के खार्ग द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद भी तेल टैंकरों में ऑयल लोडिंग का काम जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक वहां 5 टैंकर पहले ही फ्यूल ऑयल भर चुके हैं और 2 टैंकर अभी तेल लोड होने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टैंकर किस देश या कंपनी के हैं। ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

- खार्ग द्वीप पर अमेरिकी हमले के बावजूद भी ऑयल लोडिंग जारी
- ईरान बोला: सुप्रीम लीडर मुजतबा पूरी तरह ठीक

इजरायली पीएम जिंदा है, तो ढूंढकर मारेंगे: ईरान

तेहरान। आईआरजीसी ने कहा है कि अगर इजरायली प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू जिंदा हैं, तो वो उनका पीछा कर उन्हें मार डालेगा। आईआरजीसी ने नेतन्याहू को 'बच्चों का हत्यारा' बताया है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। वहीं दक्षिण अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि इससे बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता कि नेतन्याहू जिंदा हैं या मर चुके हैं। एक मिनाबी लड़की के बाल का एक भी रेशा, उनके पूरे वजूद से कहीं ज्यादा कीमती है। इस मामले में सवाल यह भी उठता है कि अगर बेन्जामिन नेतन्याहू जिंदा हैं, ऐसा आईआरजीसी ने क्यों कहा है और यह दावा या अफवाह कहां से शुरू हुआ है कि बेन्जामिन नेतन्याहू जिंदा हैं या नहीं, हालांकि कई खबरों के मुताबिक, इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने नेतन्याहू की मौत की बात को फेक न्यूज बताया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग की शुरुआत में ही ईरानी अधिकारियों ने बताया था कि दक्षिणी ईरान के शहर मीनाब में लड़कियों के एक स्कूल पर हमला हुआ, जिसमें 160 से ज्यादा लोग मारे गए।

यूएई में भारतीय जहाज में तेल भरते वक्त हमला, स्टाफ सुरक्षित, शिप भी रवाना

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग की वजह से जहाजों को खाड़ी देशों से ऑयल लाने में दिक्कत हो रही है। भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक शनिवार को यूएई के फुजैराह ऑयल टर्मिनल पर हमला हुआ था। इस दौरान भारतीय झंडे वाला जहाज जग लाड़की वहां तेल भर रहा था। जहाज पर मौजूद सभी भारतीय स्टाफ सुरक्षित हैं। जहाज ने लगभग 80,800 मीट्रिक टन क्रूड ऑयल लोड किया और अब सुरक्षित रूप से भारत की ओर रवाना हो गया है।

26वां रोज़ा

रमज़ान की 27वीं रात ही शब-ए-कद्र!

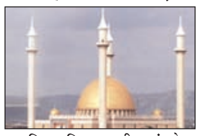

जिस दिन छब्बीसवां रोज़ा होता है, उस तारीख को माहे-रमज़ान की सत्ताईसवीं रात होती है। इस रात को ही अमूमन शबे-कद्र में शुमार किया जाता है। हालांकि हदीसे-नबवी में ज़िक्र है कि शबे-कद्र को रमज़ान के आखिरी अशरे की ताक रातों जैसे 21वीं, 23वीं, 25वीं, 27वीं, 29वीं रात में तलाश करो, लेकिन हज़रत उमर और हज़रत हुजैफा और असहाबे-रसूल में से बहुत से लोगों को यकीन था कि रमज़ान की सत्ताईसवीं रात ही शबे-कद्र है। सवाल यह उठता है कि शबे-कद्र क्या है? शब के माश्नी है रात, कद्र के माश्नी है इज़्ज़त। शबे-कद्र यानी ऐसी शब जो कद्र वाली है। माहे-रमज़ान के आखिरी अशरे में ही शबे-कद्र यानी इज़्ज़त और अज़्मत वाली ये रात आती है।

बंगाल व असम समेत पांच राज्यों में चुनाव का ऐलान

असम, केरल व पुड्डुचेरी में 9 अप्रैल, तमिलनाडु में 23 अप्रैल व प. बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग

नतीजे 4 मई को आएंगे, चुनावों की घोषणा के साथ ही 5 राज्यों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी में विधानसभा की कुल 824 सीटों के लिए आम चुनाव नौ अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच कराने की घोषणा की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को यहां एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि असम की 126 सीटों, केरल की 140 और पुड्डुचेरी की 30 सीटों के लिए एक चरण में चुनाव नौ अप्रैल को कराया जाएगा। तमिलनाडु की 234 सीटों पर मतदान एक चरण में 23 अप्रैल को होगा। पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को कराए जाएंगे। राज्य की कुल 294 सीटों में से पहले चरण में 152 सीटों के लिए और दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए चुनाव होगा। इन सभी राज्यों और पुड्डुचेरी विधानसभा चुनाव की मतगणना चार मई को कराई जाएगी। चुनावों की घोषणा के साथ ही इन राज्यों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में 17.4 करोड़ मतदाताओं के लिए करीब 2.19 लाख मतदान केंद्र बनाए जा रहे हैं। चुनाव कार्य के लिए आयोग ने लगभग 25 लाख चुनाव कर्मियों को लगाने की घोषणा की है ताकि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से कराए जा सकें। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा आयोग ने इन राज्यों का दौरा कर वहां के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों, राज्यों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद की है। संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डा. एसएस संधु और विवेक जोशी भी उपस्थित थे। श्री कुमार ने कहा कि आयोग प्रत्येक मतदाता का मतदान केंद्र पर स्वागत करने के लिए तैयार है। हम खासकर पहली बार वोट डालने वाले और युवा मतदाताओं से अपील करते हैं कि वे अपने मताधिकार का उत्साह, आत्म सम्मान और विवेक के साथ प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

- सीईसी ज्ञानेश कुमार ने विशेष संवाददाता सम्मेलन में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने ओडिशा से 82 विधायक पारादीप भेजे

भुवनेश्वर। ओडिशा में 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने 82 विधायकों को पारादीप भेज दिया है। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, सांसद सुजीत कुमार और निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के समर्थन में रणनीति बनाने के लिए यह कदम उठाया है। शनिवार शाम भुवनेश्वर स्थित भाजपा मुख्यालय में बैठक के बाद मंत्री और विधायक दो लग्जरी बसों से पारादीप के लिए रवाना हुए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक सभी विधायक पारादीप में दिलीप राय के होटल में ठहरेंगे। इससे पहले कांग्रेस ने भी अपने आठ विधायकों को बेंगलुरु के वंडरला -शेष पृष्ठ दो पर

- कांग्रेस के 8 एमएलए बेंगलुरु में रुके, राज्य की चार सीटों पर 16 मार्च को वोटिंग

दरोगा भर्ती परीक्षा के विवादित प्रश्न पर योगी के मंत्री को ऐतराज

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है।

इस मामले में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे बेहद आपत्तिजनक बताया है। इस बाबत रविवार को एक बयान जारी कर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि परीक्षा में पूछे गए प्रश्न अवसर के अनुसार बदलने वाला के लिए दिए गए विकल्पों में 'पंडित' शब्द को शामिल करना न तो उचित है -शेष पृष्ठ दो पर

विवादित प्रश्न को लेकर जांच के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने दरोगा भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बीच अपना पक्ष रखते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। बोर्ड ने कहा है कि 14 मार्च को सम्पन्न हुई उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की लिखित परीक्षा की पहली पाली में पूछे गए एक प्रश्न के संबंध में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भर्ती परीक्षा में पंडित को 'अवसरवादी' बताने के खिलाफ दी तहरीर

लखनऊ। यूपी पुलिस प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित यूपी एसआई भर्ती परीक्षा में पंडित को 'अवसरवादी' बताने वाले प्रश्न के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर लखनऊ के हजरतगंज थाने में तहरीर दी गई है।

एयर इंडिया की अबु धाबी, रस अल खैमा, शारजाह की उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की रविवार 15 मार्च की अपनी कई विशेष उड़ानें रद्द कर दी हैं। टाटा समूह की कंपनियों ने रविवार को बताया कि यूएई हवाई अड्डा प्राधिकरण के निर्देश पर ये उड़ानें रद्द की गई हैं।

उत्तर भारत में यकायक बदला मौसम का मिजाज

उत्तराखंड: केदारनाथ-पिथौरागढ़ में बर्फबारी, नैनीताल में ओले गिरे

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में कई तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड के केदारनाथ-पिथौरागढ़ में बर्फबारी हो रही है, वहीं नैनीताल में ओले गिरे हैं। मौसम विभाग ने 12 जिलों में आंधी-बारिश और बर्फबारी का अलर्ट किया है।

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से आंधी और बारिश का असर है। आज यूपी के 35 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। वहीं, राजस्थान के 10 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है। मध्य प्रदेश के भी 12 जिलों में बारिश की संभावना है। नर्मदापुरम जिले का तापमान पिछले तीन दिन से लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बना हुआ है। शनिवार को भी 40.4 डिग्री सेल्सियस रहा। ऐसे में हीट स्ट्रोक खतरा है। वहीं दिल्ली में रविवार सुबह हुई हल्की बारिश से पिछले एक सप्ताह की गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिन भर हल्की बारिश की संभावना है। इस कारण शहर के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

- मप्र में तापमान 40 डिग्री पार, यूपी के 35, राजस्थान के 10 जिलों में आंधी-बारिश संभव

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक को मिली सचिव, सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारी

लखनऊ। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अभिषेक प्रकाश की बहाली के बाद सरकार ने रविवार को उन्हें सचिव, सामान्य प्रशासन के पद पर तैनाती दे दी है। इस संबंध में नियुक्ति विभाग ने शनिवार को बहाली के आदेश दिए थे, जिसके अनुसार 15 मार्च से पुनः कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया था। नियुक्ति अनुभाग-5 द्वारा जारी आदेश में कहा गया था कि आईएएस अभिषेक प्रकाश की निलंबन अवधि 14 मार्च तक मानी जाएगी। इसके बाद 15 मार्च से उन्हें सेवा में बहाल करने का निर्णय लिया गया है। शासन ने यह आदेश राज्यपाल की अनुमति से जारी किया था। साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बहाली के बावजूद उनके खिलाफ चल रही विभागीय कार्रवाई यथावत जारी रहेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार में 11.68 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में 06 मार्च को समाप्त सप्ताह 11.683 अरब डॉलर की गिरावट रही और सप्ताहांत पर यह 716.81 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.88 अरब डॉलर बढ़कर 563.245 अरब रुपये रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी एन, ब्रितानी पाउंड और यूरो शामिल हैं, जिनके मूल्य का निर्धारण डॉलर के मुकाबले उनके संदर्भ दर से होता है। स्वर्ण भंडार में 1.612 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई और यह 6 मार्च को 130.017 अरब डॉलर रहा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 4.5 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 14.6 करोड़ डॉलर घटकर क्रमशः 4.828 अरब डॉलर और 18.72 अरब डॉलर पर रहे।

बुलडोजर का ड्राइवर बदलेगा, हम बनेंगे सीएम

मुंबई/लखनऊ, वार्ता

■ मायावती की नाराजगी के सवाल पर अखिलेश यादव बोले

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मायावती को लेकर पूछे गए सवाल पर नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि वो सारे दलितों और पिछड़ों का सम्मान करते हैं, किसी बात को लेकर नाराजगी होगी लेकिन उनका सम्मान करते हैं। पिछली बार जो गठबंधन टूटा था, उसका ठीकरा अखिलेश यादव ने बीजेपी पर फोड़ा।

2027 में चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि बुलडोजर पर दिमाग नहीं होता, बस उसका ड्राइवर बदल जाएगा, बदलाव आप यही देखेंगे, हम सीएम बन जाएंगे। आने वाले 5 राज्यों के चुनाव में हम इंडिया अलायंस को समर्थन देंगे। असम में एक सीट मांगी है, नहीं हुआ, तो समर्थन करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में तो आज गैस सिलेंडर ऑनलाइन बुक कीजिए एरर दिखाता है। एसआईआर के मुद्दे पर पूर्व सीएम ने कहा कि बीजेपी एसआईआर नहीं लाई, एनआरसी लाई थी। यूपी के लोग यह समझ गए थे, कभी नंदलाल और कभी दशरथ की बात कर रहे थे। मैने देखा कि यूपी उपचुनाव में जैसे बीजेपी वालों ने लूट किया और चुनाव आयोग आंख बंद करके बैठा था। यूपी पुलिस एसआई परीक्षा के प्रश्न को लेकर उन्होंने कहा कि ये अंडरग्राउंड लोग कर क्या रहे हैं? अंडरग्राउंड लोग कैसा पेपर बना रहे हैं?

पांच राज्यों में हों निष्पक्ष चुनावः अखिलेश

लखनऊ। चुनाव आयोग की तरफ से रविवार को पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, पुड्डुचेरी और केरल में होने वाले विधानसभा की तारीखों की घोषणा किए जाने से पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए हैं। अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को कई बार सवालों का सामना करना पड़ा है। चाहे वह एसआईआर को लेकर भेदभाव हो या उपचुनाव में सरकार द्वारा वोटों की हेराफेरी, कई सवाल उठे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग जब आज कई राज्यों में चुनाव की घोषणा करने जा रहा है, तो चुनाव आयोग यह भरोसा दिलाए कि निष्पक्ष चुनाव होगा और कहीं किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा, यह संवैधानिक संस्था है, उनकी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी विश्वसनीयता पर कोई सवाल न खड़े हो।

सामाजिक परिवर्तन के महानायक थे कांशीराम

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और बहुजन नेता कांशीराम की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी है। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा कि सामाजिक परिवर्तन के महानायक मान्यवर श्री कांशीराम जी की जयंती पर शत शत नमन। अखिलेश यादव अपने पास आए अब दलित वोट को छिटकने नहीं देना चाहते, लिहाजा वे दलित महापुरुषों को लेकर लगातार गंभीर हैं और उनके विचारों पर चलने का आह्वान करते हैं।

बसपा आंदोलन से जुड़कर बहुजन समाज बने ईमानदार व मिशनरी अम्बेडकरवादीः मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संस्थापक कांशीराम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजिल अर्पित देते हुए बहुजन समाज से अपील की है कि वे बसपा आंदोलन से जुड़कर ईमानदार और मिशनरी अम्बेडकर वादी बनें।

बहुजन समाज अपने वोट की ताकत से सत्ता की 'मास्टर चाबी' हासिल कर सकता है, जिससे संविधान में दिए गए अधिकारों को जमीन पर लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि यही कांशीराम का मिशन और उनके जीवन का संदेश भी है। सुश्री मायावती ने रविवार को एक्स पर जारी संदेश में कहा कि मान्यवर कांशीराम ने अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने डा. आंबेडकर की सोच और आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए देशभर में बहुजन समाज को संगठित किया। उन्होंने जाति के आधार पर उपेक्षित और पिछड़े लोगों को एकजुट कर उन्हें सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने का काम किया। उनके नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी ने 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' के मिशन को आगे बढ़ाया। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि कांशीराम के ऐतिहासिक प्रयासों के कारण बहुजन समाज में राजनीतिक जागरूकता आई और समाज के लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा मिली।

कांशीराम को 'भारत रत्न' देने की मांग, राहुल गांधी ने लिखा पीएम मोदी को पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सामाजिक न्याय आंदोलन के महान नेता कांशीराम को मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने की मांग की है। गांधी ने रविवार को अपने पत्र में कहा कि मान्यवर कांशीराम ने भारतीय राजनीति की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बहुजन समाज तथा गरीब वर्गों में राजनीतिक चेतना जगाई थी। उनका कहना था कि उनके इन प्रयासों से भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनी।

हम चमड़ी उतारकर बना देते हैं जूताः आजाद

लखनऊ, वार्ता

■ करणी सेना की धमकी पर चंद्रशेखर आजाद का पलटवार

करणी सेना ने आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को बाराबंकी की जमीन पर पैर नहीं रखने देने की धमकी दी है, जिस पर आसपा सांसद ने पलटवार किया और कहा कि हम ऐसी धमकियों ने नहीं डरते हैं। हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और उसका जूता बनाना भी जानते हैं।

भीम आर्मी के मुखिया और आसपा सांसद चंद्रशेखर आजाद रविवार को कांशीराम जयंती के मौके पर बाराबंकी में भीम आर्मी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह लखनऊ पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए करणी सेना के नेता अभिनव सिंह की धमकी पर तीखा हमला किया। चंद्रशेखर ने कहा कि हम संघर्ष करने वाले लोग हैं, हम धमकियों से नहीं डरते। मैं तो संवैधानिक व्यक्ति हूं, हम बड़े सज्जन लोग है, संविधान को मानने वाले लोग है, डरते किसी से नहीं है। डरते तो भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ नहीं जाएंगे। इस दौरान जब उनसे अलग- अलग सियासी दलों द्वारा कांशीराम जयंती पर कार्यक्रमों को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि कांशीराम व्यक्ति नहीं विचार है, जो उनके विचारों पर चल रहा है कांशीराम तो उन्हीं के हैं।

आदतन गलती दोहराने वाले पेपर केंद्रों को प्रतिबंधित करने की जरूरतः योगी

आस्था पर अमर्यादित टिप्पणी न हो

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ एसआई भर्ती परीक्षा में हुए बवाल पर बोले सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (यूपी एसआई) भर्ती परीक्षा में हिंदी अनुभाग के एक प्रश्न के पूछे जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी भर्ती बोर्डों के चेयरपर्सन्स से कहा है कि सभी पेपर सेटर्स को स्पष्ट रूप से निर्देश दें कि हैबिचुअल ऑफेंडर्स (बार-बार गलती करने वाले) को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में किसी व्यक्ति, जाति, पंथ या सम्प्रदाय की मर्यादा और आस्था के संबंध में अमर्यादित टिप्पणी या संदर्भ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में पेपर सेटर्स के साथ किए जाने वाले एमओयू (समझौता ज्ञापन) में भी इस विषय को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हो रही बारिश को देखते हुए भी प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों से कहा है कि वे फील्ड में जाकर फसलों को हुए नुकसान का तत्काल आकलन कराएं। साथ ही राहत आयुक्त को अधिकारियों के साथ सीधा समन्वय बनाकर किसानों को समय पर मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि 14 मार्च को आयोजित यूपी एसआई भर्ती परीक्षा के हिंदी अनुभाग में एक प्रश्न में 'पंडित' शब्द को 'अवसरवादी' के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इस प्रश्न को लेकर ब्राह्मण समुदाय की भावनाएं आहत होने की बात सामने आई, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

दिल्ली जेल से बंदी लखनऊ आया उपनिरीक्षक की परीक्षा देने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दरोगा) भर्ती परीक्षा के दौरान लखनऊ के परीक्षा केंद्रों पर रविवार को दिलचस्प और अनोखे दृश्य देखने को मिले। एक ओर जहां साइबर फ्रॉड के मामले में दिल्ली की सेंट्रल जेल में निरुद्ध एक कैदी पुलिस की निगरानी में परीक्षा देने लखनऊ पहुंचा, वहीं दूसरी ओर दो महिला सिपाही नवजात बच्चों को गोद में लेकर परीक्षा ड्यूटी करती नजर आईं। जानकारी के अनुसार प्रयागराज निवासी अंकित त्रिपाठी साइबर फ्राड के आरोप में दिल्ली सेंट्रल जेल में बंद है। अदालत की अनुमति के बाद दिल्ली पुलिस उसे लखनऊ लेकर आई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना पर स्थिति स्पष्ट करे सरकारः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह इस दौरान परिदृश्य में नहीं है और इसका अदृश्य होना सरकार की कूटनीति के लिए और बड़ा झटका है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को लिखा कि सरकार को चाबहार परियोजना को लेकर स्थिति स्पष्ट कर बताना चाहिए कि क्या भारत अब भी इस परियोजना में शामिल है। उनका उनका कहना था कि अगर ऐसा नहीं है तो यह भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका है। उन्होंने सवाल करते हुए पूछा कि इस परियोजना में स्थिति क्या है।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 74563.92
निफ्टी 23151.10

सोना 159810
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 275000
प्रति किलो

ईरान युद्ध की स्थिति से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह से जारी भारी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में भी ईरान युद्ध की स्थिति ही निवेश धारणा को तय करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक होगा। ईरान युद्ध जिस तरह से लंबा खिच रहा है उससे दुनिया भर के शेयर बाजारों के साथ भारतीय शेयर बाजार भी दबाव में हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो आने वाले सप्ताह में भी बिकवाली जारी रह सकती है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और उसके बयान पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। यह बैठक 17.18 मार्च को होने वाली है।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को छोड़कर बाकी के चार दिन गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स कुल मिलाकर 4,354.98 अंक (5.52 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 74,563.92 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 सूचकांक भी 1,299.35 अंक यानी 5.61 फीसदी गिरकर 23,151.10 अंक पर आ गया। दोनों सूचकांकों का यह 11 महीने का निचला स्तर है। इस साल 26 फरवरी के बाद से सेंसेक्स 7,685 अंक (9.34 प्रतिशत) और निफ्टी.50 सूचकांक 2,345.45 अंक (9.20 प्रतिशत) टूट चुका है। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में भी बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.77 प्रतिशत और

स्मॉलकैप-100 सूचकांक 3.66 प्रतिशत लुढ़क गया। सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों में साप्ताहिक गिरावट रही। एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 12.86 प्रतिशत गिरा। अल्ट्राटेक सीमेंट में 11.51 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 11.47, मारुति सुजुकी में 11.03, बजाज फाइनेंस में 9.99, एक्सिस बैंक में 9.02, भारतीय स्टेट बैंक में 8.46, कोटक महिंद्रा बैंक में 8.33, अडानी पोर्ट्स में 7.67 और टाटा स्टील में 7.61 प्रतिशत की गिरावट रही। सप्ताह के दौरान बजाज फिनसर्व का शेयर 6.98 प्रतिशत, इटरनल का 6.96, ट्रेंट का 6.24, बीईएल का 6.14, टीसीएस का 5.76, इंडिगो का 5.61, एचडीएफसी बैंक का 4.68, इंफोसिस का 4.57 और आईसीआईसीआई बैंक का 4.50 प्रतिशत टूट गया।

सोना एक हफ्ते में 2990 सस्ता, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से मिडिल ईस्ट में छाए संकट के बावजूद देश में सोने की कीमत में वीकली बेसिस पर गिरावट आई है। एक सप्ताह में 24 कैरेट गोल्ड 2990 रुपये सस्ता हुआ है। वहीं 22 कैरेट गोल्ड का भाव 3650 रुपये नीचे आया है। रविवार को कीमत की बात करें, तो राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड 159810 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। मुंबई में कीमत 159660 रुपये प्रति 10 ग्राम है। दूसरी कीमती धातु चांदी की कीमत में भी वीकली बेसिस पर गिरावट है और भाव 10000 रुपये नीचे आया है। 15 मार्च की सुबह चांदी की कीमत 275000 रुपये प्रति किलोग्राम पर है। शुक्रवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 11,000 रुपये या 3.97 प्रतिशत गिरकर 2,65,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी का हाजिर भाव 83.14 डॉलर प्रति औंस है। इस साल जनवरी महीने में चांदी की कीमत 4 लाख रुपये के आंकड़े को क्रॉस कर गई थी।13 मार्च को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 2,000 रुपये या 1.21 प्रतिशत गिरकर 1,65,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका कारण डॉलर का मजबूत होना और वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता है।

चावल, गेहूं नरम, चीनी में साप्ताहिक तेजी, खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देख गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 50 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,782 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं 25 रुपये सस्ता होकर 2,794 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।

आटे का भाव 10 रुपये गिरकर 3,301 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दालों की कीमत में घट-बढ़ रही। सप्ताह के दौरान चना दाल औसतन 24 रुपये और मसूर दाल 16 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं उड़द दाल की कीमत 36 रुपये और तुअर दाल की 11 रुपये बढ़ गई। मूंग दाल आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। सरसों तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। सूरजमुखी तेल 360 रुपये और पाम ऑयल 332 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 267 रुपये और सोया तेल की 119 रुपये बढ़ गई। वनस्पति भी 26 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में सप्ताह गुड़ के औसत भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल घट गए। दूसरी तरफ चीनी 22 रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे-दाल चना 7693.81 रुपये, मसूर काली 8040.21 रुपये, मूंग दाल 10142.29 रुपये, उड़द दाल 10759.19 रुपये, तुअर दाल 11134.55 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाजः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2793.78 रुपये और चावल 3782.38 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3300.85 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

ईरान का... रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका- इजरायल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भी कहा था कि मुजतबा घायल हो गए हैं। हालांकि अराघची ने इन दावों को खारिज कर दिया है। ईरान ने रविवार को मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजरायल के कई ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन अटैक किया। ईरान के खार्ग द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद भी तेल टैंकरों में तेल भरने का काम जारी है। अल जजीरा के मुताबिक वहां एक टैंकर को तेल लोड करते हुए देखा गया है। जहाजों की गतिविधि पर नजर रखने वाले प्लेटफॉर्म टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक इलाके में और भी कई टैंकर खड़े हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा है कि 5 टैंकर पहले ही फ्यूल ऑयल भर चुके हैं और 2 टैंकर अभी तेल भरने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टैंकर किस देश या कंपनी के हैं। इराक में ऑयल एक्सपोर्ट दोबारा शुरू करने को लेकर सरकार के अलग-अलग विभागों में मतभेद सामने आए हैं। इराक के तेल मंत्रालय ने कहा है कि ऑयल एक्सपोर्ट फिर से शुरू करने के लिए तैयार है, लेकिन कुर्द क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने फिलहाल इससे इनकार कर दिया है। तेल मंत्रालय के मुताबिक, क्षेत्र से तुर्किये के बंदरगाह जेहान तक जाने वाली पाइपलाइन के जरिये रोज करीब 3 लाख बैरल तेल भेजा जा सकता है। इसके अलावा पहले से चल रहे तेल क्षेत्रों से करीब 2 लाख बैरल तेल रोजाना एक्सपोर्ट किया जा सकता है। हालांकि प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने कुछ शर्तें रखते हुए अभी निर्यात शुरू करने से मना कर दिया है। इस पर तेल मंत्रालय ने कहा कि शर्तों पर बाद में बात की जा सकती है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान से बचाने के लिए निर्यात जल्द शुरू होना जरूरी है।

बंगाल, असम... रिजार्ट भेजा था। ओडिशा की चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहा है, जिसमें भाजपा को दो और बीजेडी को एक सीट मिलने की संभावना है। चौथी सीट के भाजपा और बीजेडी प्रत्याशी के बीच मुकाबला होगा। राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 10 राज्यों में चुनाव 16 मार्च को होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना होगी। खाद्य आपूर्ति मंत्री केसी पात्रा और कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि 16 मार्च के राज्यसभा चुनाव में भाजपा को चार में से तीन सीटें जीतने का भरोसा है और वोट अमान्य न हों, इसके लिए विधायकों को पारादीप में प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा ने डिप्टी चीफ व्हिप पीके देब को मतदान के लिए अधिकृत एजेंट बनाया है। वहीं ओडिशा विधानसभा में शनिवार को माक ड्रिल भी हुई, क्योंकि 147 सदस्यीय सदन में 84 विधायक पहली बार चुने गए हैं, इसलिए प्रशिक्षण जरूरी माना गया।

दरोगा भर्ती... और न ही इसका प्रश्न से कोई तालमेल है। ऐसा कृत्य किसी मानसिक विकृति से ग्रसित पेपर सेटर द्वारा जानबूझकर किया गया प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य समाज में समरसता को बिगाड़ना है। मंत्री ने कहा कि इस तरह की हरकतें न केवल सामाजिक समरसता को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज के एक वर्ग की भावनाओं को भी आहत करती हैं। किसी भी जाति, वर्ग या परंपरा के प्रतीक शब्दों का अपमानजनक संदर्भ में उपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। पेपर सेटिंग की प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय होती है, ऐसे असामाजिक तत्वों को चिन्हित करना कठिन नहीं होना चाहिए। दोषी पेपर सेटर की पहचान कर उसके खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी समाज या वर्ग के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने से पहले सौ बार सोचे। योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि हाल ही में एक फिल्म के नाम को लेकर भी इसी तरह की आपत्तिजनक स्थिति सामने आई थी।

यूपी एसआई परीक्षा में 'पंडित' शब्द के चित्रण पर ब्राह्मणों और बटुकों का प्रदर्शन

वाराणसी, वार्ता

■ प्रश्न पत्र तैयार करने वाली कमेटी के विरुद्ध तत्काल कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा के एक प्रश्न और उसके विकल्पों को लेकर विवाद गहरा गया है।

रविवार को वाराणसी के अहिल्याबाई घाट पर काशी के विप्र समाज और बटुकों ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विप्र समाज का आरोप है कि परीक्षा के हिंदी खंड में एक 'अत्यंत आपत्तिजनक व असंवेदनशील' प्रश्न पूछा गया। प्रश्न था- अवसर के अनुसार बदल जाने वाले के लिए एक शब्द चुनें। इसके विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी को रखा गया था। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विप्र समाज के संयोजक डा. पवन शुक्ला ने कहा कि प्रश्न का ढांचा पूरी तरह त्रुटिपूर्ण है। अवसर के अनुसार बदल जाने वाला व्यक्ति 'अवसरवादी' कहलाता है, लेकिन विकल्पों में 'पंडित' शब्द को शामिल करना एक विशेष समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। उन्होंने कहा कि पंडित शब्द विद्वान, ज्ञानी और धार्मिक मर्यादा का प्रतीक है।

इसे अवसरवादिता जैसे नकारात्मक भाव से जोड़ना अनुचित और संवेदनहीन है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह जानबूझकर किया गया प्रयास है। वक्ताओं ने कहा कि यह न केवल परीक्षा की शुचिंता पर सवाल उठाता है, बल्कि सरकार की छवि को धूमिल करने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने की भी कोशिश है।

प्रश्न पत्र तैयार करने वाली कमेटी और जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल विभागीय जांच कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इस विवादित प्रश्न को आधिकारिक रूप से निरस्त कर सुधार किया जाए। साथ भविष्य में परीक्षाओं में सामाजिक संवेदनशीलता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु सरकार 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाए। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथों में तख्तियां लिए 'पुलिस भर्ती बोर्ड होश में आओ' और 'विप्र समाज का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' जैसे नारे लगा रहे थे।

सोने की तस्करी में शामिल छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने विदेश से सोने की तस्करी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस अभियान में 14.13 करोड़ रुपये से अधिक की सोना, चांदी और भारतीय मुद्रा जब्त की गई है।

गिरफ्तार आरोपियों पर विदेशों से सोने की तस्करी, रेल मार्ग से परिवहन, अवैध संयंत्रों में उसे पिघलाने और उसमें मिलावट करने तथा घरेलू बाजार में गुपचुप तरीके से बिक्री करने के आरोप हैं। उनके पास से कुल मिलाकर, 13.41 करोड़ रुपये मूल्य का 8,286.81 ग्राम सोना, 19.67 लाख रुपये मूल्य की 7,350.4 ग्राम चांदी और 51,74,100 रुपये की भारतीय मुद्रा जब्त की गई है। मंत्रालय ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने कोलकाता से ट्रेन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आए एक यात्री को रोका, जिसके पास विदेशी निशान वाला सोना था। वह यह सोना स्टेशन के बाहर एक व्यक्ति को सौंपने वाला था। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्राप्त जानकारियों के आधार पर दिल्ली में तलाशी अभियान चलाया गया। इसमें दिल्ली में सोना पिघलाने के एक अवैध स्थान का पता चला। इस स्थान का उपयोग विदेशी मूल के सोने को स्थानीय बाजार में बेचने से पहले उसमें मिलावट करने के लिए किया जाता था। परिसर से अतिरिक्त सोना, चांदी और भारतीय मुद्रा बरामद की गई। उस स्थान का संचालन करने वाले प्रबंधक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

बूथ जीता, चुनाव जीता के मूलमंत्र पर चुनाव तैयारी में जुटें कार्यकर्ताः चुग

■ भाजपा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित, प्रदेश प्रभारी ,मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही मंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी पदाधिकारी रहे मौजूद

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने बूथ जीता, चुनाव जीता के मूलमंत्र पर चुनाव तैयारी का आह्वान किया। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 4 वर्ष पूरे करने वाले पार्टी के पहले सीएम बनने पर बधाई देते हुए कहा कि वह आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य निर्माण कर रहे हैं।

धामी जनता के मन को भी जीत रहे हैं और पीएम मोदी के कथनानुसार उत्तराखंड का दशक बनाने में भी जुटे हैं।देहरादून में कुआंवाला स्थित एक निजी संस्थान में हुई आयोजित बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री चुघ की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंहावलोकन धामी, प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यन्त गौतम, प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट समेत सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधन में तरुण चुघ ने कहा कि देशभर की तरह प्रदेश में भी पार्टी का प्रशिक्षण अभियान जारी है जिसमें हमें सर्वाधिक जोर बूथ क्षमता मजबूत करने पर देना है। क्योंकि हमारे राज्य में 27 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं जिसको लेकर हम सबका एक ही मूल मंत्र होना चाहिए ष्बूथ जीता चुनाव जीताष। पार्टी को राजनीतिक क्षेत्र में अजर अमर बनाने की जिम्मेदारी भी हम सभी कार्यकर्ताओं की है, जिसके क्रम में मजबूत संगठन के साथ चुनावी दृष्टि से सक्रिय एवं सक्षम बीएलए 1, बीएलए 2 की जिम्मेदारी हमने सौंपी है। ये बहुत संतुष्टि जताई कि उत्तराखंड में हम शत प्रतिशत बीएलए 1 के साथ शीघ्र सभी बीएलए 2 बनाने वाले हैं।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अजेय कुमार ने संगठन की सभी गतिविधियों और कार्ययोजनाओं की बारीकी से समीक्षा ली। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से हमें सहयोगात्मक भूमिका में संवैधानिक प्रक्रियाओं में जनता की प्रतिभागिता को बढ़ाना है। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों से शीघ्र संगठनात्मक ढांचा सौ फीसदी गठन के निर्देश दिए।

जनता को केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के कामों पर पूरा भरोसा : धामी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जनता भाजपा की राष्ट्रवादी सांस्कृतिक विचारधारा के साथ है। उन्हें केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के कामों पर पूरा भरोसा है। उन्होंने विपक्ष की पोल खोलते हुए कहा, जो लोग आपातकाल लगाने के साथ साथ अनेकों लोकतांत्रिक हत्या की घटनाओं के दोषी हैं, वहीं आज सभी संवैधानिक संस्थाओं और प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। कभी ये सनातन निर्णय के खिलाफ न्यायधीशों पर महाभियोग लाते हैं, कभी लोकसभा अध्यक्ष और अब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाते हैं। इसी तरह जो अपने ऊपर सीबीआई जांच का विरोध करते हैं वहीं राज्य में बार बार राजनीति के लिए सीबीआई जांच की मांग करते हैं। देश भर के आए चुनावी परिणामों में दिखा है कि जनता झूठ और भ्रम की राजनीति करने वालों को बुरी तरह नकार रही है। हम सब कार्यकर्ताओं को हमेशा की तरह सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं में खुलकर सहयोग करना है, ताकि मजबूत और स्वास्थ्य लोकतंत्र का निर्माण हो।

आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य का निर्माण कर रहे धामी: गौतम

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त गौतम ने मुख्यमंत्री धामी को 4 वर्ष पूरे करने वाले पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी। उनके कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा, वे आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य का निर्माण कर रहे हैं। वे जनता के मन जीतने का तो काम कर ही रहे हैं, साथ ही पीएम मोदी के कहे अनुशार उत्तराखंड का दशक लाने के लिए जी जान से जुटे हैं। उनके नेतृत्व में आपदा का भी समाधान निकालकर, राज्य आज विकसित भारत के मिशन में सर्वोपरि नामों में शुमार है। वहीं उन्होंने वर्तमान सत्र में पार्टी के विधायकों की कार्यशैली की जबरदस्त प्रशंसा करते हुए, उनका जोश और तैयारी बताती है कि नए उत्तराखंड का निर्माण हो रहा है।

कार्यकर्ताओं के दम पर हम तीसरी बार बनाने जा रहे सरकार : भट्ट

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि लोकतंत्र में जनादेश का बड़ा महत्व होता है, जिसके लिए कार्यकर्ता निर्माण से लेकर चुनावी रणनीति बेहद अहम होती है। आज प्रदेश में संगठन उस स्थिति में है कि में आप सब कार्यकर्ताओं के सामर्थ्य के आधार पर विश्वासपूर्वक कह सकता हूं कि हम तीसरी बार लगातार सरकार बनाने जा रहे हैं।जिसके लिए हमें कमल चुनाव चिन्ह और भारत माता की जय के लिए काम करते हुए आगे बढ़ना है।

संगठनात्मक बैठक में इनकी रही मौजूदगी

संगठनात्मक बैठक में राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, पूर्व सीएम एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व सीएम डा रमेश पोखरियाल निशंक, सांसद अजय भट्ट, सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल महराज, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, रेखा आर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बंशीधर भगत, मदन कौशिक, राजकुमार पोरी, राम सिंह कैड़ा, सरिता आर्य, सविता कपूर, विनोद चमोली, प्रदीप बत्रा, विनोद कंडारी,महंत दिलीप रावत, दुर्गेश्वर लाल आदि विधायक शामिल हुए। इसके अतिरिक्त प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल, कुंदन परिहार, दीप्ति रावत, प्रदेश कार्यालय सचिव जगमोहन रावत, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान समेत प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, सह प्रभारी एवं सभी नवनियुक्त बीएलओ भी मौजूद रहे।

दून में अंतर्राष्ट्रीय जूनियर टेनिस टूर्नामेंट शुरू

■ खेल मंत्री रेखा आर्या ने किया उद्घाटन,प्रतियोगिता में आठ से अधिक देशों के 100 से ज्यादा खिलाड़ी ले रहे भाग

खेल संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राजधानी देहरादून में रविवार को अंतरराष्ट्रीय जूनियर टेनिस टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। उत्तरांचल टेनिस एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ से अधिक देशों के 100 से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

डालनवाला स्थित शांति टेनिस अकेडमी में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास की भावना विकसित करता है तथा युवाओं को नई दिशा देता है।

रेखा आर्या ने कहा कि देवभूमि में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन होना प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित हुए 38जी नेशनल गेम्स ने साबित किया है कि राज्य बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है।

उन्होंने कहा कि भारत आने वाले समय में कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 के ओलंपिक गेम्स की मेजबानी की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उत्तराखंड भी खेल अवसंरचना को मजबूत कर अंत. रराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा को निखारकर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

कार्यक्रम में अकादमी के अध्यक्ष पूर्व डीजीपी अशोक कुमार, संरक्षक प्रदीप कुमार वालिया, महासचिव सुमित गोयल व अंत. रराष्ट्रीय अंपायर और खिलाड़ी उपस्थित रहे।

शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की होगी अल्ट्रासोनोग्राफी जांचः डॉ. रावत

■ प्रथम चरण में प्रदेश के छह जनपदों में चलाया जाएगा विशेष अभियान, कहा, पात्र गर्भवती महिलाओं को मिलेगी निःशुल्क परिवहन सुविधा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।सूबे की शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी जांच की जायेगी, ताकि उनका मातृत्व सुरक्षित रह सके। प्रथम चरण में प्रदेश के छह जनपदों में अल्ट्रासाउण्ड कवरेज को विशेष अभियान चलाया जायेगा। आगामी 15 अप्रैल तक संचालित इस अभियान के तहत पात्र गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी ताकि कोई भी महिला अल्ट्रासाउण्ड जांच से वंचित न रहे पाये। चयनित जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को माइक्रोप्लान बनाकर अभियान को संचालित करने के निर्देश दे दिये गये हैं, साथ ही अभियान की नियमित मॉनिटिंग करने को भी कहा गया है।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान समय पर अल्ट्रासोनोग्राफी जांच करना गर्भवती महिलाओं के लिये बेहद आवश्यक है, साथ ही गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की निगरानी के लिये भी जरूरी है। डॉ. रावत ने बताया कि प्रदेश की शत-प्रतिशत गर्भवती

महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी के लिये विशेष अभियान चलाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं, ताकि गर्भवती महिलओं को शत-प्रतिशत अल्ट्रासोनोग्राफी कवरेज से अच्छादित किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में यह अभियान अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चम्पावत, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी व रूद्रप्रयाग जनपद में चलाया जायेगा। आगामी 15 अप्रैल तक संचालित इस विशेष अभियान के तहत उन सभी गर्भवती महिलाओं को लाया जायेगा जो 18 सप्ताह या उससे अधिक गर्भकाल में है, साथ उन महिलाओं को जिन्होंने वर्तमान गर्भावस्था में अभीतक अल्ट्रासाउण्ड नहीं कराया है। इसके अलावा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं तथा ऐसी महिलाएं जिन्हें चिकित्सकों द्वारा दोबारा यूएसजी कराने की सलाह दी गई है उन्हें भी इस अभियान में शामिल किया जायेगा।

डॉ. रावत ने शत-प्रतिशत अल्ट्रासोनोग्राफी कवरेज को लेकर विभागीय अधिकारियों को माइक्रोप्लान बनाकर पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला व ब्लॉक स्तर पर सभी यूएसजी केन्द्रों, उपलब्ध रेडियोलॉजिस्ट व स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम तैयार करने व ड्यूटी रोस्टर तैयार कर समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने पात्र गर्भवती महिला को निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने को भी कहा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पात्र गर्भवती महिलाओं की एलएमपी व ईडीडी सत्यापन करने, एएनएम, आशा व स्वास्थ्य कार्मियों के माध्यम से लाभार्थियों को समय पर सूचित कर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि परिवहन सुविधा के आभाव में कोई भी पात्र महिला जांच से वंचित रहे। उन्होंने 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं सहित अन्य उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग करने के भी निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने लोहियाहेड में जनप्रतिनिधियों व जनता से मुलाकात कर सुनी जनसमस्याएं

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा भ्रमण के दौरान रविवार को नगला तराई व हेलीपैड, लोहियाहेड में जनप्रतिनिधियों व जनता से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनी तथा समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा जनसमस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता है इसलिए अधिकारी जन समस्याओं का त्वरित समाधान करें।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, अध्यक्ष नगर पालिका खटीमा रमेश चंद्र जोशी, नानकमत्ता प्रेम सिंह टूरना, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू,सतीश भट्ट , जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, व अन्य लोग उपस्थित थे।

यूपीएससी में रैंक हासिल कर बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान : सीएम

■ कहा -बेटियों की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक व उनके समर्पण, अनुशासन व मेहनत का परिणाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

खटीमा:मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित शांभवी तिवारी निवासी किच्छा,प्रिया चौहान काशीपुर, सौम्या गर्ब्याल निवासी भीमताल से अपने निजी आवास नगला तराई में संवाद कर बधाईयां दी। मुख्यमंत्री ने कहा बेटियों ने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों बेटियों की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और उनके समर्पण, अनुशासन व मेहनत का परिणाम है।मुख्यमंत्री ने सिविल सेवा में चयनित तीनों बेटियों को पुस्तक,उपहार व शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा इस सफलता के लिए बधाईयां दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने उनके परिजनों से भी वार्ता की व बधाईयां दी ।

मुख्यमंत्री धामी ने जनपद की जिला पर्यटन विकास अधिकारी लता बिष्ट को भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित माउंट चंद्रभागा -13 (6264)मीटर व माउंट चंद्रभागा - 14 (6074)मीटर के पर्वतारोहण अभियान का टीम लीडर के रूप में नेतृत्व कर सफलता पूर्वक आरोहण करने के लिए बधाईयां दी व उन्हें शाल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति,मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एएसपी डॉ उत्तम सिंह नेगी, उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन आदि मौजूद थे।

लोक पर्व फूलदेई प्रकृति, खुशहाली और नई ऊर्जा का प्रतीक : जोशी

■ कृषि मंत्री ने शासकीय आवास पर परिवार के साथ उत्तराखंड के लोक पर्व फूलदेई को हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों से मनाया

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को अपने शासकीय आवास पर परिवार के साथ उत्तराखंड के लोक पर्व फूलदेई को हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया।

इस दौरान पारंपरिक परिधान पहनकर पहुंचे पर्वतीय संस्कृति संरक्षण समिति और कुर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद के बच्चों ने कृषि मंत्री गणेश जोशी के आवास की देहरी पर फूल और चावल अर्पित कर घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। बच्चों ने "फूल देई-छम्मा देई, जतुके दियाला-उतुके सई" जैसे पारंपरिक लोकगीत गाकर पर्व की खुशियों को और भी बढ़ाया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बच्चों का स्नेह स्वागत करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कृषि मंत्री जोशी ने प्रदेश वासियों को लोक पर्व फूलदेई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का यह पर्व प्रकृति, खुशहाली और नई ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे समाज में प्रेम, सौहार्द और समृद्धि का संदेश देता है।

मंत्री जोशी ने कहा कि जब छोटे-छोटे बच्चे घर-घर जाकर देहरी पर फूल अर्पित करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं, तो यह हमारी संस्कृति की जीवंतता और आपसी भाईचारे की भावना को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोक पर्व हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव सिखाते हैं।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि सभी लोग अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन अमूल्य विरासतों से जुड़ी रहें। मंत्री गणेश जोशी ने सभी प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोशी की धर्मपत्नी निर्मला जोशी, सचिव चंद्रशेखर जोशी, उपाध्यक्ष मोनिका रावत, पूनम पंवार, राकेश प्रियंका प्रधान, केंद्रीय सांस्कृतिक सचिव बबीता साह लोहनी,पुष्पा बिष्ट, सीमा बिष्ट, गणेश कांडपाल, विनोद कांडपाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

यमुनोत्री यात्रा मार्ग का डीएम ने लिया जायजा, जरूरी निर्देश

■ यमुनोत्री धाम में स्नान घाटों को सुरक्षित बनाने के ईई सिंचाई को दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी : जिला प्रशासन ने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर कमर कस ली। रविवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने यमुनोत्री धाम की यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पालीगाड़ से जानकी. चट्टी तक निर्माणाधीन सड़क चौड़ीकरण कार्यों के साथ ही स्यानाचट्टी में चेनेलाइजेशन कार्यों, यमुनोत्री पैदल मार्ग तथा यात्रा मार्ग पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी 19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू होने से पूर्व सड़क चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाई जाए तथा मार्ग पर पड़े मलबे और बोल्डरों को तत्काल हटाया जाए, ताकि यात्रा के दौरान जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारू बनी रहे। उन्होंने स्यानाचट्टी, फूलचट्टी और कृष्णाचट्टी में चल रहे कार्यों का निरीक्षण करते हुए कार्यों में गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। यमुनोत्री धाम में स्नान घाटों को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के निर्देश ईई सिंचाई को दिए।

उन्होंने कहा कि स्नान घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाए, साथ ही रेलिंग, फिसलन रोकने के उपाय तथा साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से स्नान कर सके। डीएम ने यात्रा मार्गों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पर्किंग और आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया जाए तथा नियमित निरीक्षण के माध्यम से व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

इससे पूर्व जिलाधिकारी ने जानकीचट्टी में लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह में अधिकारियों, मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण कार्य के कारण यात्रा मार्ग के पड़ावों पर क्षतिग्रस्त हुई पेयजल लाइनों को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय लोगों और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने जानकीचट्टी में घोड़े-खच्चरों के व्यवस्थित संच. ालन के लिए मार्ग को वन-वे करने तथा घोड़े-खच्चरों का शीघ्र पंजीकरण कराने के निर्देश जिला पंचायत और पशुपालन विभाग को दिए। जिलाधिकारी ने जानकीचट्टी से यमुनोत्री पैदल मार्ग तक बृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाने के निर्देश जिला पंचायत और वन विभाग को दिए। उन्होंने पैदल मार्ग पर क्षतिग्रस्त रेलिंग की मरम्मत, आवश्यक स्थानों पर, रेन शैल्टर स्थापित करने, जाली लगाने तथा साइनेज स्थापित करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिए।

बैठक में एसडीएम बृजेश तिवारी, सीवीओ एचएस बिष्ट, एसडीओ साधुलाल पयाल, ईई तनुज काम्बोज, ईई विनोद पांडेय, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दूल गुसाईं सहित मंदिर समिति के पुरोषतम उनियाल, सचिव, ग्राम प्रधान खरसाली विपिन उनियाल, नारायणपुरी प्रदीप रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य रणबीर राणा, अभिषेक उनियाल, जसपाल परमार आदि उपस्थित रहे।

बंसंत का आगाज, प्रकृति का त्योहार है फूलदेई: कण्डारी

शाह टाइम्स संवाददाता

कीर्तिनगर। चौत्रमास फूलदेई संग्राद पर चौरास क्षेत्र के राणीहाट और नैथाणा में ग्रामीण महिलाओं एवं नौनिहालों ने वीना शंकर वैडिंग प्वाइंट से राजराजेश्वरी मंदिर राणीहाट तक शोभायात्रा निकाली। मौके पर सैकड़ों की संख्या में फुलारी मौजूद थे।

फुलारी नौनिहालों ने बंसत के आगाज देने वाली फ्यूली फूलों के साथ-साथ तमाम तरह के फूलों से सजी टोकरियों थालों के साथ रंगयात्रा में बंसत के गीतों की मधूर आवाज से राही, बटोईयों आनन्द लिया रंग यात्रा में सम्मिलित हुए। मौके पर गढ़वाल विवि छात्र संघ के पूर्व महासचिव एवं अखिल भारती विद्यार्थी परिषद के नेता ऋतांशु कण्डारी ने कहा कि हमारी परंपरा संस्कृति संस्कार और रीति रिवाज जितने भी हैं, सभी प्राकृतिक प्रकृत से नियत हैं। उन्ही में से फूलदेई जो बाल त्यौहार है वह अपने आप में अनोखा अद्बुत है। जिसमें हमारे नौनिहाल प्रकृति से रूबरू होते हैं। कहा कि वरिष्ठ पत्रकार देवेन्द्र गौड़ जिन्होने उत्तराखंड की कंदराओं में तीन दशक पहले माध्यमिक बालिका, महिला क्रिकेट की नींव रखी, इसके साथ ही महिलाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक सरोकारों में आगे लाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्हीं की वजह से चौरास क्षेत्र में फूलदेई रंग यात्रा की पहल की गई है। क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज जोशी ने कहा कि यह शानदार पहल है।

इसके लिए रंगयात्रा में सम्मलित सभी धन्यवाद के पात्र हैं। मौके पर फुलारी मिष्टी रावत ने अपने ओजस्वी भाषण से कार्यक्रम मौजूद सभी को चकित किया। मात्र 9 साल की उम्र में इतना साहस, ज्ञान और ठहराव से समां बांधा। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान नैथाणा यशपाल चौहान, मुकेश भट्ट, सीमा कपरूवाण, अमृता बहुगुणा, चंदा बर्तवाल, शिल्पा देवी सुषमा राणा, कस्तूरी देवी, दुर्गा रावत, मनिषा देवी सहित होली ऐंजल पब्लिक स्कूल एवं राजकीय जूनियर प्राथमिक विद्यालय राणीहाट की छात्र-छात्राऐं मौजूद रहीं।

व्यक्तिगत संसाधनों से कमलेश उनियाल की पहल

■ जंगली जानवरों से बचाव को गांवों में शुरू की सोलर फेंसिंग, फड़किया भरदार गांव में सोलर फेंसिंग का सफल परीक्षण व उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में जंगली जानवरों से ग्रामीणों और उनकी फसलों की सुरक्षा के लिए समाजसेवी कमलेश उनियाल ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। उन्होंने बिना किसी सरकारी या संस्थागत सहयोग के अपने व्यक्तिगत संसाधनों से गांवों में सोलर फेंसिंग लगाने का कार्य प्रारंभ किया है, जो किसानों और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इसी क्रम में ग्राम फड़किया, भरदार में कमलेश उनियाल द्वारा स्थापित सोलर फेंसिंग का सफल परीक्षण किया गया तथा ग्रामीणों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया गया। इस पहल का उद्देश्य जंगली जानवरों जैसे बंदर, सूअर, भालू और बाघ से किसानों की फसलों और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

कमलेश उनियाल ने बताया कि रुद्रप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के करीब 350 गांवों में जनसंपर्क के दौरान यह समस्या बार-बार सामने आई कि जंगली जानवरों के कारण किसानों की फसलें लगातार नष्ट हो रही हैं, जिससे ग्रामीणों की आजी. विका पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने व्यक्तिगत संसाधनों से सोलर फेंसिंग लगाने का निर्णय लिया।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक चरण में विधानसभा क्षेत्र के 32 ऐसे गांवों का चयन किया गया है, जहां जंगली जानवरों का खतरा अधिक है और किसानों की फसलों को लगातार नुकसान हो रहा है। इन गांवों में चरणबद्ध तरीके से सोलर फेंसिंग लगाने का कार्य किया जाएगा।

कमलेश उनियाल ने इस अभियान में विशेष रूप से उन किसानों और ग्रामीणों को शामिल किया है, जो कृषि और उद्यान को आजीविका का माध्यम बनाकर गांव में ही रोजगार के अवसर विक. सित कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि किसानों की फसल सुरक्षित होगी तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पलायन जैसी समस्या को भी कम किया जा सकेगा।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा लंबे समय से एक बड़ी समस्या बनी हुई थी। यदि इसी प्रकार के प्रयास लगातार होते रहे तो खेती को मजबूती मिलेगी और गांवों की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सकेगी।

क्षेत्र की मातृशक्ति और किसान वर्ग भी इस पहल को अपनी सुरक्षा और सम्मान से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि किसानों और महिलाओं की समस्याओं को समझते हुए कमलेश उनियाल द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है। कमलेश उनियाल ने कहा कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और जहां-जहां जरूरत होगी वहां अपने व्यक्तिगत संसाधनों से सोलर फेंसिंग लगाने का प्रयास किया जाएगा

दशज्युला पट्टी के महड गांव में शराब पर पूर्ण रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। दशज्युला पट्टी के ग्राम पंचायत महड में ग्रामीणों ने सामूहिक निर्णय लेते हुए गांव में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का महत्वपूर्ण फैसला किया है। यह निर्णय महिला मंगल दल की अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। ग्रामीणों ने एक स्वर में महिला मंगल दल की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे समाज सुधार की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

बैठक में तय किया गया कि सार्वजनिक कार्यों में शराब पीकर आने वाले व्यक्ति पर 11,000 रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। वहीं, शराब पीकर गांव में हल्ला-गुल्ला या अशांति फैलाने वाले व्यक्ति पर 21,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और उसका सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। इसके अलावा यदि कोई परिवार सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परा. ेसता पाया गया तो उस परिवार पर 51,000 रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा तथा उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा।

क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य जयवर्धन काण्डपाल ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि दशज्युला क्षेत्र धीरे-धीरे शराब मुक्त होने की दिशा में सराहनीय कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में क्यूडी दशज्युला की महिलाओं ने सबसे पहले शराब प्रतिबंध की मुहिम शुरू की थी, जिसके बाद अब अन्य गांव भी इस अभियान से जुड़ते जा रहे हैं।

क्षेत्र के युवा प्रवीन सिंह रावत ने कहा कि दशज्युला क्षेत्र में विकास की गति भले अपेक्षाकृत धीमी रही हो, लेकिन सामाजिक कार्यों में यह क्षेत्र आज भी अग्रणी स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र के विकास को गति देने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने महड गांव की महिलाओं द्वारा लिए गए शराब बंदी के निर्णय का स्वागत किया।

एक नजर ....

लंबे समय बाद मौसम ने बदली करवट, जंगलों की आग भी बुझाई

उत्तरकाशी: जनपद में करीब डेढ़ माह बाद बरसात देखने को मिली। रविवार को सुबह से बादलों की गर्जना के साथ रुक-रुककर बरसात हुई। मौसम विज्ञानियों के अनुसार बरसात की ऐसी बूंदाबांदी इस सप्ताह आते रहेंगी और गर्मी से शेष मार्च तक राहत रहेगी।बता दें कि मानसून सीजन के बाद इस बार बरसात सामान्य से कम रही है। फरवरी में केवल दो बार और मार्च में अब तक बरसात नहीं हुई है। जिससे जंगलों की आग वन विभाग के लिए अभी से चुनौती बनी हुई थी। बारिश आने से उत्तरकाशी के जंगलों में भड़की आग बुझ गई है।अब एक के बाद एक मजबूत पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने का संकेत विज्ञानियों ने जताया है। जिससे पहाड़ों के साथ मैदानों में भी बरसात देखने को मिलेगी। जिससे मौसम में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा।स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मौसम अचानक गर्म हो गया था, जिससे लग रहा था कि मार्च महीने में ही गर्मी तेज होने लगी है। हालांकि रविवार को हुई बारिश और ठंडी हवाओं के कारण मौसम काफी सुहावना हो गया है। लोगों का कहना है कि मार्च के महीने में इतनी जल्दी गर्मी का बढ़ना भी सही नहीं था। ऐसे में अचानक आई बारिश और ठंडक ने मौसम को संतुलित कर दिया है। फिलहाल जिले के कई इलाकों में बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। मौसम के इस बदले मिजाज ने एक बार फिर लोगों को सर्दियों की याद दिला दी है।

बंसी लाल राणा का होटल एसोसिएशन ने किया स्वागत

उत्तरकाशी : होटल एसोसिएशन ने बगोरी, डुंडा निवासी बंसी लाल राणा को आईएएस कैडर में पदोन्नति होने पर जिला मुख्यालय में गर्म जोश से स्वागत किया है। रविवार को होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उत्तरकाशी के गढ़वाल मंडल विकास निगम हाउस में स्वागत समारोह का आयोजन किया है। इस दौरान अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह मटूडा, सचिव सुभाष कुमाई, अशोक सेमवाल, खुशहाल नेगी ने शॉल, स्मृति, चिन्ह, माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। बहुत सरल, इमानदार छवि के बंसी लाल राणा ने डुंडा से इंटरमीडिएट परीक्षा पास कर, मेरठ यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर किया। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन आयोग में नायब तहस. ीलदार में चयन हुआ। 21 वर्षो की विभिन्न विभागो में सेवा के उपरान्त आई ए एस कैडर मिला है। इस अवसर पर रावल हरीश सेमवाल, मेजर राजेंद्र जमनाल, खुशपाल नेगी, शूरवीर चौहान, सूबेदार वीरेंद्र सिंह, जय भगवान् पंवार, सूर्य बल्लभ नौटियाल सहित अन्य शामिल रहे।

चैत संक्रांति के साथ शुरू हुआ फूलदेई त्योहार

नई टिहरी। उत्तराखंड के पारंपरिक लोक पर्व फूलदेई का उत्साह बुधवार को चौत संक्रांति के साथ शुरू हो गया। बसंत ऋतु के आगमन का संदेश देने वाले इस पर्व पर बच्चों ने घरों की देहरियों को फ्योंली और बुरांश के साथ अन्य रंग-बिरंगे फूलों से सजाया।जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सुबह-सवेरे बच्चे टोकरी में खेतों व पेड़ों से फूल चुनकर लाए और गांव-शहर के घरों की देहरी पर रखकर मंगलकामनाएं कीं। इस दौरान बच्चे पारंपरिक लोकगीत फूल देई, छम्मा देई, देणी द्वार, भर भकार गाकर घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। मान्यता है कि घर की देहरी पर फूल रखने से ईश्वर प्रसन्न होते हैं और परिवार में खुशहाली आती है। खासतौर पर फ्योंली के पीले फूल बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माने जाते हैं। भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के सहसंयोजक सीए राज. ेश्वर पैन्यूली ने कहा कि फूलदेई केवल त्योहार ही नहीं, बल्कि बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और उसके संरक्षण का संदेश देने वाला पर्व है। यह उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपरा की पहचान है।

सोंदकोटी में शादी विवाह के अवसर पर नहीं परोसी जाएगी शराब

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। विकासखंड चंबा क्षेत्र की सोदंकोटी ग्राम पंचायत में आयोजित सामूहिक बैठक में शराब बंदी के खिलाफ महत्वपूर्ण निर्णय लिया। बैठक में शादी-समारोहों व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान मंगल सिंह नेगी ने की। इसमें वार्ड सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।बैठक में समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और उससे उत्पन्न हो रही सामाजिक समस्याओं पर गंभीर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने इसे सामा. जिक वातावरण और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए हानिकारक बताते हुए ऐसे आयोजनों में शराब पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्णय लिया। बैठक में ग्राम पंचायत क्षेत्र में शादी-विवाह, मुंडन और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। विवाह समारोह में डीजे रात 12 बजे तक ही बजाया जा सकेगा। यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर गांव में शोर-शराबा या गाली-गलौज करता पाया गया तो उसके खिलाफ सामाजिक कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर सामाजिक बहिष्कार के साथ 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया जाएगा। अध्यक्ष सुनीता देवी, उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह, सचिव उत्तम सिंह, उप सचिव संगीता देवी और कोषाध्यक्ष मनोज सिंह को चुना गया। इसके अतिरिक्त समिति में सुजान सिंह, वीणा देवी, बीना देवी, ममता देवी, सुनील नेगी, बबलू सिंह और भगत लाल को सदस्य बनाया गया। ग्रामीणों ने शराब नहीं, संस्कार दो मुहिम के प्रणेता सुशील बहुगुणा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक निर्णय गांवों में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एसपी ने किया गंगोत्री यात्रा रुट का स्थलीय निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी : आगामी चारधाम यात्रा- प्रारम्भ होने में महज एक माह का समय शेष रह गया है, यात्रा के सुरक्षित, सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर उत्तरकाशी पुलिस ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं।

रविवार को पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमलेश उपाध्याय ने गंगोत्री धाम यात्रा रुट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने यात्रा मार्ग के प्रमुख पड़ावों, पुलिस चौकियों, दुर्घटना संभावित एवं संवेदनशील स्थलों का जायजा लेकर यात्रा तथा सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं की समीक्षा की ।

यात्रा मार्ग एवं धाम में स्थित पुलिस चौकियों, बैरियर्स, ड्यूटी प्वाइंट्स, पार्किंग्स तथा हीना यात्री पंजीकरण केन्द्र का भौतिक निरीक्षण करते हुए वहां तैनात होने वाले पुलिस जवानों के ठहरने, रहने-खाने की समुचित व्यवस्था तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

स्नान घाटों, दुर्घटना प्रभावित व संवेदनशील स्थलों पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने, आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल, फायर, एसडीआरएफ व क्यूआरटी की तैनाती के निर्देश के साथ यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ करने एवं यात्रा से संबंधित अन्य तैयारियों को समय पर पूर्ण करने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया।

गंगोत्री धाम पर पहुंचकर पुलिस अधीक्षक ने गंगोत्री पुलिस चौकी का निरीक्षण किया गया तथा यात्रा के दौरान विषम परिस्थितियों में ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर आवास एवं भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यात्रा के दौरान आप. राधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु मंदिर परिसर, यात्रा मार्ग एवं प्रमुख पड़ावों पर समय से सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। गंगोत्री धाम पर एसपी ने आर्मी के अधिकारी एवं जापान के टूरिस्ट से बातचीत कर यात्रा व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया गया। निरीक्षण के उपरांत उनके द्वारा माँ गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखवा में गंगा जी दर्शन एवं पूजा-अर्चना की गयी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं के लिए सरल व सुगम बनाना उत्तरकाशी पुलिस की प्राथमिकता है।

प्रभारी यातायात लक्ष्मण सिंह चुफाल, अ0उ0नि0 सुनील तोमर सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

रुद्रप्रयाग में विलुप्त हो रही पारंपरिक पठाल के मकानों की पहचान

■ कभी पहाड़ की शान रहे पत्थर की स्लेट वाले घर अब बनते जा रहे अतीत की कहानी

प्रवीन रावत

रुद्रप्रयाग। पहाड़ों की पहचान और पारंपरिक वास्तुकला की अनमोल धरोहर माने जाने वाले पठाल से बने मकान अब धीरे-धीरे इतिहास के पन्नों में सिमटते जा रहे हैं। कभी गांव-गांव में नजर आने वाले ये खूबसूरत और मजबूत मकान आज आधुनिक निर्माण सामग्री और बदलती जीवनशैली के बीच अपनी पहचान खोते जा रहे हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में सदियों से प्रचलित इस निर्माण शैली में स्थानीय पत्थरों, लकड़ी और पठाल का उपयोग किया जाता था। इन मकानों की छतों पर बिछाए गए पठाल न केवल बेहद मजबूत होते थे, बल्कि बरसात, बर्फबारी और तेज हवाओं से घरों को सुरक्षित भी रखते थे। खास बात यह थी कि ये मकान प्राकृतिक रूप से तापमान को संतु. लित रखते थे। सर्दियों में अंदर गर्माहट और गर्मियों में ठंडक का अहसास इनकी सबसे बड़ी विशेषता मानी जाती थी।

स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि एक समय ऐसा था जब पहाड़ों के लगभग हर गांव में इसी शैली के मकान देखने को मिलते थे।

इन घरों की मजबूती और प्राकृतिक अनुकूलता के कारण ये दशकों तक बिना किसी बड़े नुकसान के खड़े रहते थे। साथ ही इनका रखरखाव भी अपेक्षाकृत आसान माना जाता था।

लेकिन बदलते समय के साथ अब सीमेंट, सरिया और कंक्रीट से बने आधुनिक मकानों का चलन तेजी से बढ़ गया है।

तेज निर्माण प्रक्रिया, कम समय में तैयार होने वाले भवन और आधुनिक सुविधाओं के आकर्षण ने लोगों को पारंपरिक शैली से दूर कर दिया है। इसका परिणाम यह हुआ कि पठाल के मकान बनाने वाले कुशल कारीगरों की संख्या भी लगातार घटती जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक निर्माण तकनीक नहीं, बल्कि पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक ज्ञान का जीवंत उदाहरण है। यदि समय रहते इस कला के संरक्षण, प्रोत्साहन और नई पीढ़ी को इसके महत्व से परिचित कराने के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में यह अनमोल विरासत पूरी तरह विलुप्त होने का खतरा पैदा हो सकता है। पठाल के ये मकान केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि पहाड़ की संस्कृति, प्रकृति और पारंपरिक जीवनशैली का प्रतीक हैं, जिन्हें बचाना आज समय की बड़ी जरूरत बन गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र में गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर की विस्तार से चर्चा

कोटद्वार। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कोटद्वार के उपजिलाधिकारी संदीप कुमार से अपने निम्बूचौड़ स्थित आवास पर मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र में गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई ।विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गैस एक आवश्यक कमोडिटी है और इसकी उपलब्धता आम जनता के लिए सुचारु रूप से बनी रहनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध डायवर्जन जैसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएं तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएं ।उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी निवेदन किया कि किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराएं नहीं।

बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बीच डटे सुरक्षा प्रहरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के निचले इलाकों में झमाझम हल्की बारिश और बाबा केदार के पावन धाम में ताजा बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो गया है। कड़ाके की ठंड और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच भी सुरक्षा का संकल्प अटूट बना हुआ है।

केदारनाथ धाम में शून्य से नीचे गिरते तापमान और लगातार हो रही बर्फबारी के बीच रुद्रप्रयाग पुलिस एवं आईटीबीपी के जवान पूरी मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

धाम क्षेत्र में तैनात जवान प्रतिकूल मौसम के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दिन-रात चौकसी कर रहे हैं। बर्फबारी और ठंड के बीच भी जवानों का उत्साह

और सेवा भावना किसी भी तरह कम नहीं हो रही है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने कहा कि केदारनाथ धाम जैसे दुर्गम और अत्यधिक ठंडे क्षेत्र में तैनात पुलिस और आईटीबीपी के जवानों का समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय है। उन्होंने कहा कि कठिन मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद जवान पूरी सतर्कता और समर्पण के साथ ड्यूटी कर रहे हैं, जो सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में भी धाम क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है और जवान हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

जोशी ने किया नारी शक्ति सम्मान से मातृशक्ति को सम्मानित

■ कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन से लेकर आज तक महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी, आशा कार्यकत्रियों तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपने अनुभव भी साझा किए।

कार्यक्रम में मंत्री जोशी ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन से लेकर आज तक महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज भी प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही समाज और राज्य की आर्थिकी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं आज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं और सरकार उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देशभर में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है, वहीं राज्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने 5 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 2.55 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से सहस्त्रधारा क्षेत्र के अंतर्गत एक समूह की महिलाओं द्वारा उनके आउटलेट के लिए एक फ्रीजर की मांग की। जिसपर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने समूह की महिलाओं को शीघ्र फ्रीजर उपलब्ध कराने का समूह की महिलाओं को भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी ने भी महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान, महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता कमली भट्ट, ग्राम प्रधान सोनिया थापा सहित सागर पंवार, संजय राणा, श्याम सिंह पायल, सुनील चमोली, राकेश जवाडी, सुंदर पयाल समेत बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

एशिया की दो बड़ी शक्तियां: सहयोग के नए दौर की ओर भारत-चीन संबंध

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। भारत और चीन के बीच संबंध एशिया की राजनीति, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हाल के समय में दोनों देशों के बीच संवाद और कूटनीतिक संपर्कों में बढ़ती सक्रियता को संबंधों के सुधार की दिशा में एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इसी विषय पर सीजीटीन हिन्दी की पत्रकार दिव्या पाण्डेय ने शाह टाइम्स के साथ विशेष बातचीत में भारत-चीन संबंधों के बदलते परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

बातचीत के दौरान दिव्या पाण्डेय ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही प्राचीन सभ्यताएँ हैं और इनके संबंध केवल कूटनीतिक या आर्थिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जुड़ाव भी इन रिश्तों की एक महत्वपूर्ण नींव है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर दोनों देशों के बीच चुनौतियाँ सामने आई हैं, लेकिन संवाद की प्रक्रिया कभी पूरी तरह बंद नहीं हुई। यही संवाद आज संबंधों को पुनः संतुलित और स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय संपर्क और वार्ताओं में सकारात्मकता दिखाई दी है। यह संकेत देता है कि भारत और चीन दोनों ही मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने और सहयोग के क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं।

उनके अनुसार आर्थिक सहयोग दोनों देशों के संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू है। व्यापार, तकनीक, हरित ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और डिजिटल क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यदि इन क्षेत्रों में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ काम किया जाए तो इससे दोनों देशों की आर्थिक प्रगति को नई गति मिल सकती है। उन्होंने युवाओं और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भूमिका पर भी विशेष जोर दिया। उनके अनुसार भारत और चीन के युवाओं के बीच शिक्षा, संस्कृति, मीडिया और तकनीक के क्षेत्र में संवाद बढ़ने से दोनों समाजों के बीच बेहतर समझ विकसित हो सकती है। इससे भविष्य में संबंधों को अधिक स्थायी और सकारात्मक आधार मिल सकता है।

बातचीत के दौरान उन्होंने मीडिया की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि मीडिया केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग ही नहीं करता, बल्कि वह देशों के बीच संवाद और समझ का एक माध्यम भी बन सकता है। यदि मीडिया संतुलित और रचनात्मक दृष्टिकोण से दोनों देशों के सहयोग और सकारात्मक पहलुओं को सामने लाए, तो इससे पारस्परिक विश्वास को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

चार गांवों की महापंचायत में सामा. जिक परंपराओं को लेकर अहम निर्णय

चकराता। विकासखंड चकराता के अंतर्गत रविवार को मेफावटा, कोटुवा, कोल्हा और बेहमू गांवों की संयुक्त महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत की अध्यक्षता खाग स्याणा मिल्की राम जोशी ने की, जिसमें चारों गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक में सर्वसम्मति से कई सामाजिक निर्णय लिए गए। तय किया गया कि विवाह समारोह में मामा पक्ष की ओर से केवल एक बकरा ही लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त मिठाई तथा सगुन के रूप में महिलाओं को दिए जाने वाले उपहारों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। साथ ही बुआ, बहन और बेटी की ओर से दिए जाने वाले बकरे को भी प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया। महापंचायत में यह भी तय किया गया कि किसी रिश्तेदारी में शोक की घटना होने पर महिलाओं के शामिल होने पर भी प्रतिबंध रहेगा।

एक यूनिट रक्त से बच सकती है तीन लोगों की जान: भट्ट

■ देहरादून में 15वें विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 210 यूनिट रक्त हुआ एकत्र

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। देहरादून में मानव सेवा और सामाजिक सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब लाईफ केयर पैथोलॉजी सेंटर द्वारा 15वें विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं और विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 210 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे आयोजन लोगों को जागरूक करते हैं और जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि देहरादून नगर निगम के महापौर सौरभ थपलियाल ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

विशिष्ट अतिथि एसपी सिटी देहरादून प्रमोद कुमार ने कहा कि रक्तदान न केवल दूसरों के लिए जीवनदायी है बल्कि यह स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग भी समय-समय पर ऐसे सामाजिक अभियानों में भाग लेता है और आगे भी सहयोग करता रहेगा।

कार्यक्रम में अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं एमएस मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉ. रविंद्र बिष्ट ने कहा कि अस्पतालों में कई बार रक्त की कमी के कारण मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने लोगों से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया।

शिविर के आयोजक राजेश रावत ने कहा कि फाउंडेशन विगत 15 वर्षों से मेडिकल कैंप और रक्तदान शि. विर का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि शिविर का उदेश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। आयोजकों ने रक्तदाताओं का स्वागत कर उन्हें प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए।

इस अवसर पर वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी व पूर्व दर्जाधारी रविंद्र जुगरान, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एसडी जोशी, उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजय राणा, सीआईएमएस- यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन ललित जोशी, कमली भट्ट (पार्षद नगर निगम देहरादून) और राजबीर सिंह बिष्ट (मेम्बर बार काउंसिल उत्तराखंड), जनसंपर्क अधिकारी दून मेडिकल कॉलेज सन्दीप राणा सहित कई गणमान्य लोग, पत्रकार व समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 31 पत्रकारों एवं समाजसेवियों को "स्वास्थ्य प्रहरी सम्मानख्र2026" से सम्मानित किया गया।

। कार्यक्रम के अंत में पवन नौटियाल दुआरा सभी अतिथियों, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी सुनील सजवाण ने किया।

एक नजर ....

कांग्रेसियों ने स्व. कांशीराम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

देहरादून। महान समाज सुधारक एवं बहुजन आंदोलन के प्रणेता स्व. काशीराम की जयंती के अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुस. ूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मदन लाल ने उन्हें प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।मदन लाल ने कहा कि कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के वंचित, शोषित और दलित वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी देश के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।उन्होंने कहा कि कांशीराम एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों को संगठित कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि सामाजिक समानता और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष करते रहना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने सभी लोगों से कांशीराम के बताए मार्ग पर चलने और समाज में समानता, भाईचारे तथा न्याय की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश महासचिव धर्मपाल घाघट, संजय गौतम प्रदेश उपाध्यक्ष नोहर सिंह प्रदेश सचिव अशोक कुमार, प्रवेश सिंघानिया प्रदेश महामंत्री राजेंद्र भंडारी, प्रदेश प्रवक्ता शीशपाल बिष्ट, पंकज राणा, गीता, सविता, सुरेश कुमार, अमित कुमार, सचिन कुमार व सुदेश आदि उपस्थित रहे।

अजेंद्र अजय के बयानों से भाजपा में तानाशाही का भांडा फूटा: धीरेंद्र प्रताप

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि जिस तरह से अजेंद्र अजय के भाजपा में बयान आए हैं उससे पता लग गया है कि भाजपा में तानाशाही अपने चरम पर है । धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि यह भाजपा के भीतर पनप रहे असंतोष की पराकाष्ठा है कि आजेंद्र अजय जैसे निष्ठावान कार्यकर्ता को यह कहना पड़ा है कि उन्हें अब संयास ले लेना चाहिए। धीरेंद प्रताप ने भाजपा के ऐसे तमाम कार्यकर्ताओं से जो भाजपा की तानाशाही नीतियों से पीड़ित है पार्टी से बाहर निकाल कर विद्रोह करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा इनमें से जो कार्यकर्ता कांग्रेस की नीतियों में विश्वास रखेंगे उनका निश्चित तौर पर कांग्रेस स्वागत करेगी।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

चकराता। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय चकराता में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः योग अभ्यास से हुई। डॉ. सुदीप्ता कंडारी ने सुबह 6 बजे छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास कराया और उन्हें स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसके बाद स्वयंसेवियों ने ग्राम पंचायत डूंगरा में सघन स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पंचायत भवन के आसपास तथा गांव में झाड़ी कटान कर प्लास्टिक कचरे और अन्य गंदगी को साफ किया तथा ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक मनोज जोशी, अर्जुन सिंह सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

चार दिन बाद चकराता पहुंची गैस की गाड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चार दिन बाद गैस की गाड़ी चकराता पहुँचने पर स्थानीय लोग गैस लेने के लिए बड़ी संख्या में उमड़ पड़े। हालांकि वाहन में पर्याप्त सिलेंडर न होने के कारण कई उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल सकी, जिससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली। बाद में एजेंसी संचालक द्वारा सोमवार को दोबारा गैस भेजने का आश्वासन देने पर लोग शांत हुए।

चकराता क्षेत्र में गैस एजेंसी न होने के कारण यहां गैस वितरण की जिम्मेदारी सहसपुर के शेरपुर स्थित श्री लक्ष्मी बालाजी ग्रामीण गैस वितरक एजेंसी के पास है। इसी एजेंसी से सप्ताह में दो से तीन बार गैस की गाड़ी चकराता क्षेत्र में भेजी जाती है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से गैस की कमी की खबरों के चलते उपभोक्ताओं में गैस मिलने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। रविवार को जैसे ही गैस का वाहन चकराता पहुँचा, गैस लेने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। इस दौरान वाहन में मात्र 30 सिलेंडर ही बचे थे, जिससे कई उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल पाई। इससे नाराज लोगों ने वाहन के साथ आए एजेंसी कर्मियों का घेराव कर अपनी नारा. जगी जताई।एजेंसी कर्मी नीरज ने बताया कि शनिवार को पुरोड़ी क्षेत्र में गैस का वितरण किया गया था, जबकि रविवार को सहिया और चकराता में वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सहिया में लगभग 40 सिलेंडर वितरित किए गए और चकराता में बचे हुए 30 सिलेंडर उपभोक्ताओं को दिए गए।

भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने स्व. कांशीराम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। महान समाज सुधारक एवं बहुजन आंदोलन के प्रणेता स्व. काशीराम की जयंती के अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष भीम आर्मी अंबरीश कपिल एवं आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने जीएमएस रोड स्थित अम्बेडकर भवन सेवलाकलां में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष अंबरीश कपिल ने कहा कि कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के समर्पित किया उन्होंने समाज को दिशा व दशा देने के लिए साईकिल से दूर दराज क्षेत्रों का भ्रमण किया । समाज के लिए उनके संघर्ष को भुलाया नहीं जा सकता । यदि काशीराम न होते तो बाबा का मिशन अधूरा रह जाता और आज बहुजन समाज संसाधनो, अधिकारों से वंचित रह जाते कहा कि आज देश के हर वर्ग को सांसद चन्द्रशेखर जैसी शख्सियत की जरूरत है हम सभी को संकल्प लेना है कि हम उनके हाथ को मजबूत करें । उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मेंआने वाले 2027 में आजाद समाज पार्टी के बिना सरकार नहीं बनेगी। इस अवसर पर राव इमरान ने कहा कि काशीराम महान समाजसुधारक थे जिन्होंने हमेशा कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोडने का काम किया है। इस अवसर पर उन्होंने सभी लोगों से कांशीराम के बताए मार्ग पर चलने और समाज में समानता, भाईचारे तथा न्याय की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर प्रदेश अध्यक्ष अंबरीश कपिल, प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश कुमार, सीएल भारती पूर्व जज, प्रीतम कुलवंशी, कपिल कुमार जिला अध्यक्ष देहरादून, बंटी, पूरण, जावेद, योगेन्द्र चौहान आदि उपस्थित थे।

विस में सरकार की घेरेबंदी नहीं कांग्रेस हुई बेनकाब, जनता पूछेगी सवाल: चमोली

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्से

देहरादून। भाजपा धर्मपुर विधायक व प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कांग्रेस के आरोपों को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि गैरसैंण विधान सभा सत्र मे विपक्षी कांग्रेस ने सरकार की घेरेबंदी नही की, बल्कि कांग्रेस खुद ही बेनकाब हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अब जनता के सवालों का भी सामना करना पड़ेगा।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए विना. ेद चमोली ने कहा कि गैरसैंण मे जनता के सवालों को लेकर मंथन और विपक्ष के सकारात्मक रुख की जो उम्मीद थी उसमे विपक्ष बेहद असंवेदंशील और जनता के प्रति गैर जिम्मेदार रवैये को नही छोड़ पाया। कांग्रेस सड़क और सदन मे एक समान व्यवहार करती दिखी और कई बार सदन की गंभीरता को भी तार तार कर गयी। राज्यपाल के अभिभाषण मे भी कांग्रेस ने विकास पर चर्चा के बजाय विरोध को तरजीह दी।उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस सदन की अवधि को लेकर तमाम तरह की आशंकाए और आरोप लगाती रही, लेकिन उसकी सभी आशंकाएं न केवल निर्मूल साबित हुई, बल्कि वह बेनकाब हुई और सदन की कार्यवाही ऐतिहा. सिक रही। कांग्रेस के पास सवालों का टोटा हो गया और सरकार सदन को और भी चलाने की पक्षधर थी, लेकिन सदन बिजनेस के आधार पर ही चलता है।चमोली ने कहा की सीएम धामी के नेतृत्व में प्रदेश का चतुर्दिक विकास हो रहा है।सब नियमों के अनुरूप हो रहा।कांग्रेस के जमाने के नीतिगत अपंगता अब खत्म हो चुकी है।सरकार नई नीतियाँ बना रही है और उसका सीधा असर आम जन को मिल रहा है।वो चाहें प्रतियोगी परीक्षाएं हो या पर्यटन सहित चालीस से ज्यादा नई नीतियाँ और कानून बनाये गए हैं।भ्रष्टाचारियों को खघ्लिाफ लगातार कठोर कार्यवाही की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के बजट का आकार भी बढ़ा है और निश्चित रूप से राज्य मे तमाम विकास योजनाएं आगे बढ़ेगी। बजट मे सभी वर्गों की जरूरतों का ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर राग अलापने वाली कांग्रेस के दुष्प्रचार की हवा कई बार निकल चुकी है। अब राज्य मे होनहार अधिकारी बन रहे है तो सरकारी सेवाओं मे आ रहे हैं और यह सब नकल विहीन परीक्षा की बदौलत हुआ है, क्योकि सीएम पुष्कर सिंह धामी के कठोर नकल विरोधी कानून से स्थिति पटरी पर लौटी है।

एनएसएस शिविर में दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

■ छात्रों को सिखाए गए रेस्क्यू के गुर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। रायपुर रोड स्थित बाल भवन में चल रहे डीबीएस (पीजी) कॉलेज के सात दिवसीय एनएसएस शिविर में यूथ रेडक्रास की ओर से आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान यूथ रेडक्रास कमेटी के चीफ मास्टर ट्रेनर डॉ. अनिल वर्मा ने छात्र-छात्राओं को आपदा के समय बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी दी।

डॉ. वर्मा ने कहा कि उत्तराखंड आपदाओं के प्रति अत्यंत संवे. दनशील क्षेत्र है, जहां भूकंप, भूस्खलन, बादल फटना, बाढ़ और जंगल की आग जैसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। ऐसे में प्रशिक्षित युवा आपदा के समय लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन, फायरमैन लिफ्ट, टो-ड्रैग, रोप रेस्क्यू और इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर जैसी तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। साथ ही सीपीआर, रक्तस्राव रोकने, हड्डी टूटने, जलने और अन्य प्राथमिक उपचार की जानकारी भी दी गई।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिद्युत बोस के निर्देशन में छात्रों ने रेस्क्यू तकनीकों और सीपीआर का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में अग्निशमन के तरीके, आग के प्रकार और आग बुझाने वाले उपकरणों के उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनिल वर्मा ने रक्तदान, नेत्रदान और देहदान के प्रति जागरूक करते हुए युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्रों ने नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ रक्तदान, नेत्रदान और देहदान का संकल्प भी लिया।

फूलदेई पर्व पर बच्चों संग रेखा आर्या ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

■ राजकीय आवास पर कुर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद के कार्यकर्ताओं और नन्हे बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया पर्व

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड के पारंपरिक लोक पर्व फूलदेई के अवसर पर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने अपने राजकीय आवास पर कुर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद के कार्यकर्ताओं और नन्हे बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक पर्व मनाया। इस दौरान बच्चों ने फूल अर्पित कर लोक परंपरा को जीवंत किया और पर्व की खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि फूलदेई उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति का प्रतीक है। यह पर्व "सर्वे भवंतु सुखिनः" की भावना के साथ सभी के सुख-समृद्धि और खुशहाली का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व देवभूमि के लोगों की प्रकृति, पर्यावरण तथा फूल-पौधों के प्रति विशेष श्रद्धा और जागरूकता का भी प्रतीक है।

मंत्री ने कहा कि आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट का सामना कर रही है, ऐसे समय में फूलदेई जैसे पर्व हमें प्रकृति से जुड़ने और उसके संरक्षण का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की यह परंपरा पूरे विश्व को प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है।

कार्यक्रम में कुर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद की केंद्रीय सांस्कृतिक सचिव बबीता साह लो. हनी सहित कई बच्चे मौजूद रहे। इनमें गुनगुन, नायरा, समृद्धि, दिव्यांशी, शिवन्या, पीहु, आराध्या, प्राची, नेहा, गीतेश, राघव, शानवी और आरण्या प्रमुख रूप से शामिल थे।

महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरी ने जूना अखाड़े के श्रीमहंतों पर लगाए गंभीर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत साधु समाज के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि महाराज ने जूना अखाड़े के चार श्रीमहंतों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए स्वामी प्रबोधानंद गिरी ने अखाड़े के चार श्रीमहंतों पर अखाड़े और सनातन परम्परा को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 30 नवंबर को जूना अखाड़े ने एक पत्र जारी कर उन्हें और उनके गुरु को अखाड़े से निष्कासित कर दिया था। सोशल मीडिया से इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने निष्कासन के आरोपों का जवाब एक करोड़ की मानहानि के साथ अधिवक्ता के माध्यम से अखाड़े के पदाधिकारियों को भेजा था। लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अखाड़े द्वारा उन पर लगाए गए सभी आरोप झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कभी जूना अखाड़े में नागा दीक्षा और अखाड़े की सदस्यता नहीं ली। वर्ष 2007 में प्रयागराज में संतों द्वारा उन्हें महामंडलेश्वर के रूप में सम्मानित किया गया था। वर्ष 2021 में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी द्वारा उनका अभिषेक किया गया था और इस प्रक्रिया को किसी अन्य पदाधिकारी द्वारा निरस्त नहीं किया जा सकता। ना ही किसी को उन्हें निष्कासित करने का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखाड़े में महामंडलेश्वर बनाने के नाम पर लाखों रूपए की धनराशि ली जाती है। स्वामी प्रबोधानंद गिरि ने यह आरोप भी लगाया कि कुंभ मेले में कुछ लोगों को अस्थायी रूप से नागा साधु बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, जिसका उन्होंने

विरोध किया है। फर्जी नागा के रूप में उन्होंने अपनी ही संस्था हिन्दू रक्षा सेना के लोगों को पकड़ा है। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने जूना अखाड़े के श्रीमहंत हरि गिरी, श्रीमहंत मोहन भारती, श्रीमहंत प्रेम गिरी और श्रीमहंत नारायण गिरी पर आरोप लगाते हुए उनका पंक्ति पत्तल वहिष्कार किए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि वह इन चारों को अपने यहां पंक्ति में नहीं बुलाएंगे और न ही उनके यहां जाएंगे। स्वामी प्रबोधानंद गिरि ने श्रीमहंत हरि गिरी से अखाड़े की आय-व्यय का ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग करते हुए जिस व्यक्ति को फर्जी संत और कालनेमि बताकर पूर्व में जिसका निष्कासन किया गया था। अखाड़े के पदाधिकारी आज उसी को जगद्गुरु बना रहे हैं। जबकि उन्हें जगद्गुरु बनाने का कोई अधिकार ही नहीं है। उन्होंने अखाड़े के पदाधिकारियों पर इस्लामिक जेहादियों से सांठगांठ का आरोप भी लगाया और कहा कि उनकी हत्या करायी जा सकती है। केंद्र सरकार से संबंधित लोगों की संपत्ति और गतिविधियों की विशेष जांच एजेंसी से जांच कराने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित मांग करते हुए स्वामी प्रबोधानंद गिरि ने कहा कि वह जीवन भर सनातन धर्म, गौसेवा और संतों की सेवा के लिए कार्य करते रहेंगे तथा देशभर में धर्म जागरण के लिए निरंतर अभियान चलाते रहेंगे। प्रेसवार्ता के दौरान स्वामी सत्यव्रतानंद सरस्वती, स्वामी ओमानंद, प्रकाशानंद सरस्वती, वीरेन्द्र स्वरूप, प्रज्ञानंद गिरि, लक्की वर्मा, अमित वर्मा व लक्की राठौर आदि मौजूद रहे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिलने से होटल रेस्टोरेंट और ढाबों के कारोबार पर पड़ा असर

कोयला और लकड़ी का चूल्हा जलाकर काम चला रहे व्यापारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अमेरिका-इजरायल और इरान के बीच चल रहे युद्ध के चलते रसोई गैस की किल्लत के कारण कमर्शियल गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर रोक लगने से हरिद्वार के तमाम होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। प्रमुख धर्मनगरी होने के चलते रोजाना हजारों की संख्या में यात्री गंगा स्नान व अन्य धार्मिक कार्यो के लिए हरिद्वार आते है। इसके अलावा बड़ी संख्या में पर्यटक भी रोजाना हरिद्वार पहुंचते हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक शहर में जगह-जगह खुले रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं। लेकिन कर्मिशयल सिलेंडर की डिलीवरी पर रोक लगने से कई रेस्टोरेंट में काम बंद हो गया है। जिससे बाहर से आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ रेस्टोरेंट में लकड़ी का चूल्हा और कोयले की भट्टी जलाकर काम चला रहे हैं। ईंधन की लागत बढ़ने से खाने के दाम भी बढ़ गए हैं।

आमतौर पर ढाबों और ठेलीयों पर 10 रूपए में मिलने वाले एक कप चाय के दाम गैस की किल्लत के चलते 15 रूपए पर पहुंच गए हैं। जबकि रेस्टोरेंट में एक कप चाय 25 रूपए में मिल रही है। रेस्टोरेंट चलाने वाले व्यापारियों का कहना है कि यदि जल्द हालात नहीं सुधरे और गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो काम बंद करना पड़ेगा। व्यापारी नेता संजीव नैय्यर ने कहा कि कमर्शियल सिलेंडर ब्लैक में साढ़े तीन हजार रूपए में मिल रहा है। जिससे लागत बढ़ गयी है। रेस्टोरेंट संचालक प्रमोद ने बताया कि तंदुर से काम चला रहे हैं। उनके पास एक कमर्शियल सिलेंडर है। वह भी खत्म होने वाला है। सिलेंडर खत्म होने के बाद काम बंद करना पड़ेगा।

गाजियाबाद का युवक हरकी पैड़ी पर गंगा में बहा, तलाश जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरकी पैड़ी क्षेत्र के सुभाष घाट पर शनिवार देर रात गंगा में स्नान के दौरान एक युवक तेज बहाव में बहकर लापता हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस, जल पुलिस और गोताखोरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक की तलाश में सर्च अभियान चलाया, लेकिन देर रात तक उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। रविवार को भी युवक की तलाश में सर्च अभियान जारी रखा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय उत्सव जौहरी पुत्र अजय कुमार जौहरी निवासी सेक्टर-23 संजय नगर, गाजियाबाद अपने चार-पांच दोस्तों के साथ हरिद्वार घूमने आया था। शनिवार रात करीब 11 बजे सभी युवक हरकी पैड़ी स्थित सुभाष घाट के पास गंगा में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान उत्सव जौहरी घाट पर लगी रेलिंग पार कर गंगा में कूद गया। बताया जा रहा है कि छलांग लगाते समय उसका सिर किसी पत्थर से टकरा गया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तेज बहाव में बहने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक कुछ क्षण के लिए पानी की सतह पर दिखाई दिया, लेकिन इससे पहले कि वह संभल पाता, वह आगे की ओर बहता चला गया और गहरे पानी में लापता हो गया। युवक के साथियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही हरकी पैड़ी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जल पुलिस को भी बुलाया गया। इसके बाद पुलिस व गोताखोरों ने गंगा में काफी देर तक युवक की तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। उधर घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक पानी में बहता हुआ दिखाई दे रहा है और कुछ दूरी पर जाकर गहरे पानी में लापता हो जाता है। हरकी पैड़ी चौकी प्रभारी संजीत कंडारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक ने सुभाष घाट के पास रेलिंग से गंगा में छलांग लगाई थी। आशंका है कि कूदते समय उसे चोट लगने के कारण वह खुद को संभाल नहीं पाया और तेज बहाव में बह गया। युवक की तलाश के लिए पुलिस, जल पुलिस और गोताखोरों की टीम द्वारा आसपास के घाटों पर लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्व सीएम हरीश रावत ने दीवान ज्वेल्स की दूसरी शाखा का किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर मोड़ स्थित गोविंदपुरी क्षेत्र में रविवार को प्रसिद्ध ज्वेलरी प्रतिष्ठान दीवान ज्वेल्स की दूसरी शाखा का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में शहर के कई गणमान्य नागरिक, व्यापारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने नए शोरूम का अवलोकन किया और उपलब्ध आभूषणों के आकर्षक डिजाइनों की सराहना की। शोरूम के प्रबंध निदेशक अतुल त्यागी ने बताया कि ग्राहकों की बढ़ती मांग और विश्वास को देखते हुए दूसरी शाखा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि नए शोरूम में सोने, चांदी और डायमंड ज्वेलरी की आधुनिक व आकर्षक रेंज उपलब्ध कराई गई है। साथ ही ग्राहकों को पारदर्शी और उचित मूल्य पर आभूषण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि हरीश रावत ने कहा कि हरिद्वार

में व्यापार और रोजगार के नए अवसर बढ़ना क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने नए प्रतिष्ठान के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता और सेवा देना ही किसी भी व्यवसाय की सफलता की कुंजी है। शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर भी रखे गए हैं। आयोजकों के अनुसार नई शाखा से क्षेत्र के लोगों को आधुनिक डिजाइनों के आभूषणों की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

दुकान व प्रॉपर्टी विवाद में चाचा-भतीजा भिड़े पुलिस ने शांति भंग में किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र के रविदास चौक के पास रविवार को दुकान और प्रॉपर्टी के बंटवारे को लेकर चाचा-भतीजे के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़कर झगड़े में बदल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर शांति भंग की कार्रवाई की और बाद में न्यायालय में पेश किया। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि रविदास चौक ज्वालापुर के पास दो पक्ष आपस में झगड़ा कर रहे हैं। सूचना पर चेतक पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर पाया गया कि हरीश तनेजा (57) निवासी बसंत विहार, रेलवे फाटक के सामने, कोतवाली ज्वालापुर और आशीष तनेजा (35) निवासी टी-82 शिवालिक नगर, थाना रानीपुर आपस में विवाद कर रहे थे। दोनों के बीच दुकान और प्रॉपर्टी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है, जिसके चलते दोनों के बीच झगड़ा हो गया। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए दोनों को मौके से हिरासत में लेते हुए शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दोनों का मेडिकल परीक्षण कराने के पश्चात माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस टीम में कां. राजेश बिष्ट व कां.रविंद्र चौहान शामिल रहे।

वारंटी को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली रानीपुर पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने एक और वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा वारंटियों की धरपकड़ के लिए लगातार जनपद व गैर जनपदों में दबिश दी जा रही है। अभियान के तहत 14 मार्च 2026 को न्यायालय से प्राप्त वारंट के आधार पर पुलिस ने सुशील कुशवाहा पुत्र चन्द्रिका, निवासी विष्णुलोक कॉलोनी, कोतवाली रानीपुर हरिद्वार (उम्र 41 वर्ष) को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अशोक कुमार और कां. प्रेम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भोपाल सिंह अध्यक्ष व धर्मपाल सिंह ठेकेदार महामंत्री निर्वाचित, चुनाव हुए संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नया हरिद्वार कॉलोनी स्थित सैन समाज धर्मशाला में अखिल भारतीय सैन समाज धर्मशाला ट्रस्ट समिति के त्रिवार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गए। चुनाव प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी केके सतलेवाल के नेतृत्व में सहायक चुनाव अधिकारी प्रेमपाल और धर्मपाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुये। सुरक्षा की दृष्टि से धर्मशाला के बाहर पुलिस बल तैनात रहा और पुलिस की निगरानी में पूरे दिन मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चलता रहा। चुनाव में अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पदों के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिला। देश के सात राज्यों से सैन समाज से जुड़े सैकड़ों मतदाता मतदान में शामिल हुए। कुल 585 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद के लिए भोपाल सिंह और सतीश कुमार आमनेसामने रहे। मतगणना

में भोपाल सिंह को 307 मत मिले, जबकि सतीश कुमार को 273 मत प्राप्त हुए। भोपाल सिंह अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किए गए। महामंत्री पद के लिए धर्मपाल सिंह ठेकेदार और सत्येंद्र कुमार के बीच मुकाबला हुआ। धर्मपाल सिंह ठेकेदार को 313 मत प्राप्त हुए, जबकि सत्येंद्र कुमार को 264 मत मिले। इस प्रकार धर्मपाल सिंह ठेकेदार महामंत्री पद पर विजयी घोषित हुए। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए चंद्रप्रकाश और जितेंद्र कुमार ने चुनाव लड़ा। मतगणना में चंद्रप्रकाश को 304 मत मिले, जबकि जितेंद्र कुमार को 276 मत प्राप्त हुए। इसके साथ ही चंद्रप्रकाश कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों का फूल मालाओं से स्वागत किया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। चुनाव अधिकारियों ने सभी मतदाताओं और प्रत्याशियों का शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित महामंत्री धर्मपाल सिंह ठेकेदार ने कहा कि वो बीस सालों से महामंत्री रहकर समाज की सेवा करते चले आ रहे हैं। इस बार भी सैन समाज ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर वह पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट समिति को और अधिक मजबूत बनाने, समाज के लोगों को जोड़ने और धर्मशाला के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा।समाज की एकता और विकास उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस अवसर पर पार्षद अनुज सिंह, जयदीप, जयदीप कुमार, कुलदीप, संदीप, मोहित, तेजपाल सिंह, बबलू सिंह, हिमांशु ठाकुर, रामकुमार आर्य, राजकुमार, शिवप्रताप प्रधान, वरुण प्रताप, प्रवेश कुमार और मांगेराम समेत सैन समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

रवा कुटुंब पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रवा राजपूत एकता एवं उत्थान समिति के संयोजन में रविवार को भेल सेक्टर-1 स्थित सामुदायिक केंद्र में रवा कुटुम्ब पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से रवा राजपूत समाज से जुड़े सैंकड़ो लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों एवं प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान महिलाओं और बच्चो ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। समिति के सालाहकर हरिप्रकाश राजपूत ने कहा कि रवा राजपूत समाज की एकता और गौरव को नई पीढ़ी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष रवा कुटुंब पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि रवा राजपूत समाज के लोग समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करते हैं। इसी भाव को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम में युवा पीढ़ी को समाज के पूर्वजों के महान कार्यो अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि समाज से जुड़े डा.बीएस राजपूत गढ़वाल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रहे हैं। जबकि प्रो.भीम सिंह को प्रधानमंत्री ने विज्ञान श्री पुरुस्कार से नवाजा है। युवा पीढ़ी को समाज के ऐसे लोगों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। समिति के उपाध्यक्ष सतपाल सिंह तोमर ने कहा कि समाज के बीच बेहतर संवाद और आपसी जुड़ाव बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि परिवारिक मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों ने एकजुट रहकर समाज के उत्थान का संकल्प लिया है। कार्यक्रम संयोजक विकास राजन ने कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा कि संगठन निर्धन परिवारों के बच्चों की पढ़ाई और कन्याओं के विवाह का खर्च उठाएगा। समाज के उत्थान के लिए सभी को एकजुट रहना होगा। युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के दिखाए गए मार्ग पर चलकर समाज और देश की सेवा करती रहेगी।

इस अवसर पर हरि प्रकाश सिंह, अर्जुन सिंह, डा.सत्यपाल सिंह तोमर, जयप्रकाश सिंह, विकास सिंह राजपूत, एमपी सिंह, हरि सिंह, नरेंद्र सिंह, यशपाल सिंह, अतुल राजपूत, नीतीश कुमार, दुष्यंत, अतुल राजपूत, परशुराम, घनश्याम, राजीव, रुचि राजपूत, शिवांगी राजपूत, सुशील, सुबोध कुमार, सौरव राजवंश आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चंडी घाट पर महिला दिवस पर स्वास्थ्य, सुरक्षा व अधिकारों पर जागरूकता

निर्धन महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्मरक्षा और कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नमामि गंगे चंडी घाट पर संचालित "मस्ती की पाठशाला" से जुड़े निर्धन बच्चों की माताओं के लिए विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इमैक समिति और दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संयुक्त तत्वावधान में चंडी घाट स्थित सेवा कुंज परिसर में हुए इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्म सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत श्रेया गोयल की गणेश वंदना से हुई। डॉ. सपना भटनागर ने महिलाओं को स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में बताया तथा जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। आत्मरक्षा के लिए साउथ कोरिया से ब्लैक बेल्ट प्राप्त अमन राजपूत ने महिलाओं और युवतियों को सुरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए। अधिवक्ता रीमा शहीम ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और घरेलू व सामाजिक समस्याओं से निपटने के उपाय बताए। इस दौरान इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष रुचिता सक्सेना, सचिव प्रियंका पांडेय व उपाध्यक्ष मंजू वत्स ने महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन वितरित कर स्वच्छता के

प्रति जागरूक किया। समिति के अध्यक्ष आशीष कुमार झा और सचिव मौसमी गोयल ने संस्था के सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र चौधरी का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर हेमा भंडारी ने अपने जन्मदिन पर महिलाओं को उपहार भी वितरित किए। कार्यक्रम में समिति के कई सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने पीडीए दिवस के रूप में मनाई स्व. कांशीराम की जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम की 92वीं जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनायी। इस अवसर पर समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव के संयोजन में जटवाड़ा पुल स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने स्व.कांशीराम के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर आशीष यादव ने कहा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पीडीए के जननायक अखिलेश यादव के दिशा निर्देशों पर उत्तराखंड समेत पूरे देश में सपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्व. काशीराम की जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनायी गयी है। आशीष यादव ने कहा कि अपना पूरा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित करने वाले स्व.कांशीराम ने राजनीति को सेवा का माध्यम माना और जीवन भर सभी वर्गो के हितों को लेकर संघर्ष किया। आशीष यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एकमात्र नेता हैं, जो पीडीए के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्व. कांशीराम के आदर्शों को अपनाकर देश निर्माण में सहयोग प्रदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके विचारों और आदर्शों का प्रचार प्रसार करें।

प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित सुमित तिवारी एवं समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव निलेश चौहान ने कहा कि सभी कार्यकर्ता स्व. कांशीराम एवं राममनोहर लोहिया के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं। जिससे देश की जनता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सके। अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राव धन्नू ने कहा कि युवा पीढ़ी को स्व. कांशीराम के विचारों से प्रेरणी लेनी चाहिए। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में दीक्षांत शर्मा, नसीर अहमद, रईस अहमद, आदेश उपाध्याय, प्रिंस यादव, रिंकू, आदित्य यादव, शिवराम यादव, अंकित यादव, भूपेंद्र चौहान, संतोष कश्यप, रविंद्र गिरी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

संतों को बदनाम कर सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने की साजिश : स्वामी भाष्करानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भूपतवाला स्थित अखंड दया धाम के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद सरस्वती ने कहा कि संतों पर अजीबोगरीब आरोप लगाकर बदनाम करने और सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश की जा रही है। जिसका समस्त संत समुदाय को एकजुट होकर विरोधा करना चाहिए। स्वामी भास्करानंद सरस्वती ने कहा कि कुछ शरारती तत्व संत का चोला पहनाकर वरिष्ठ संतों पर अनर्गल आरोप लगाकर सनातन धर्म पर सीधा प्रहार कर रहे हैं। राजनीतिक दल से जुड़े प्रतिनिधि ऐसे लोगों को समर्थन भी दे रहे हैं। स्वामी भास्करानंद सरस्वती ने कहा कि सनातन धर्म को बदनाम करने वालों को सबक सिखाने का समय आ गया है। इसके लिए पूरे देश के संत समुदाय को एकजुट होकर एक मंच पर आकर सनातन धर्म एवं हिंदू संस्कृति को बदनाम करने वालों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। उन्होंने कहा कि इसमें अखाड़ों को प्रमुख भूमिका निभानी होगी। अखाड़े सभी संतों को एकजुट करें और संत का चोला पहनकर संतों को ही बदनाम कर रहे शरारती तत्वों पर कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करें। साथ ही सनातन धर्म के अनुयायियों को भी भगवा चोला पहनने वाले किसी भी तथाकथित संत के बहकावे में ना आने के प्रति जागरूक किया जाए।

हैवी इलेक्ट्रिकल्स वर्कर्स ट्रेड यूनियन का स्थापना दिवस मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हैवी इलेक्ट्रिकल वर्कर्स ट्रेड यूनियन की स्थापना के 63 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यूनियन के भेल सेक्टर-1 स्थित कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुए यूनियन के सदस्यों ने एक दूसरे को यूनियन की वर्षगांठ की बधाई दी। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष पूर्व विधायक रामयश सिंह ने कहा कि हैवी इलेक्ट्रिकल्स वर्कर्स ट्रेड यूनियन भेल की सबसे पुरानी यूनियन है। यूनियन ने भेल श्रमिकों के हितों के लिए बढ़ कर काम किया है तथा श्रमिकों की समस्याओं के लिए सबसे आगे खड़े होकर उनकी मदद की है। भेल हरिद्वार में चाहे अस्थाई श्रमिकों को स्थाई नौकरी देने की बात हो या स्टैंडिंग ऑर्डर बनवाने की यूनियन ने हमेशा आगे बढ़कर सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि भेल में श्रमिकों को प्लांट परफार्मेंस, बोनस और सम्मानजनक इंसेंटिव, ईएल कैश आदि अभी भी कई ज्वलंत समस्याएं हैं। जिनके समाधान के लिए यूनियन लगातार संघर्ष कर रही है। यूनियन आगे भी श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने श्रमिकों से एकजुटता का आह्वान भी किया। हैवी इलेक्ट्रिकल्स वर्कर्स ट्रेड यूनियन के महामंत्री विकास सिंह ने कहा कि भेल प्रबंधन श्रमिकों को रविवार के दिन कार्य पर बुला रहा है। लेकिन ओवर टाइम का भुगतान नहीं किया जा रहा है। प्रबंधन को श्रम कानूनों के अनुसार मजदूरों को ओटी का भुगतान करना चाहिए। टाउनशिप में आवासों की हालत बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि आवासों का अच्छी क्वालिटी के साथ मेंटनेंस किया जाए और कैंटीन की व्यवस्था में सुधार किया जाए। हॉलीडे होम की व्यवस्था पूर्व की भांति शुरू की जाए।

इस दौरान यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कश्यप, अमित गोगना, सचिन चौहान, अतुल राय, धर्मेश गुप्ता, संतोष सिंह, भगत सिंह रावत, इंद्रजीत यादव, कमलसिंह सैनी, गिरिराज किशोर, बाबू लाल, डीके दास, मोहित शर्मा, अरविंद कुमार, तरुण शुक्ला, अजय सिंह, देवेंद्र यादव, बलबीर सिंह रावत, भवानी प्रसाद, राकेश मालवीय, नवीन गिरी, रामलाल, सुनील कुमार, मोहित शर्मा, जितेश कुमार सिंह, सतेंद्र सिंह, संजय सिंह, राजकुमार सैनी, अखिल बंसल, प्रह्लाद चौहान, हरिहर प्रसाद, हरीश साहू, प्रेमशंकर ठाकुर, बाबू गोंड, नवीन कुमार, दीपक राय, कमलेश, रूपेश विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में भेल श्रमिक मौजूद रहे।

दो माह बाद फिर नहर पटरी पर लगी साप्ताहिक पीठ

अवैध ट्रक पार्किंग से बढ़ा जाम का खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। नहर पटरियों से अतिक्रमण हटाने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा की गई कार्रवाई के करीब दो माह बाद स्थिति फिर पहले जैसी होती दिखाई दे रही है। विभाग ने पहले जेसीबी से नहर पटरियों पर गहरी खाइयां खोदकर साप्ताहिक पीठ और अवैध ट्रक पार्किंग रोकने की कोशिश की थी। कार्रवाई के बाद कुछ समय तक वहां गतिविधियां बंद रहीं, लेकिन अब फिर सप्ताह में दो बार साप्ताहिक पीठ लगने लगी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर पटरी पर बड़े ट्रकों की अवैध पार्किंग के कारण सड़क की

चौड़ाई कम हो गई है, जिससे जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों का यह भी कहना है कि अगले माह से चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है, जिससे यातायात का दबाव और बढ़ेगा, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि साप्ताहिक पीठ की तहबाजारी से हर माह लाखों रुपये की अवैध वसूली हो रही है। उनका कहना है कि पहले यह धन ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में खर्च होता था, लेकिन अब कुछ प्रभावशाली लोगों की शह पर अवैध वसूली का खेल चल रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के एसडीओ भारत भूषण शर्मा ने कहा कि नहर पटरी पर लग रही पीठ अवैध है और जल्द ही पुलिस प्रशासन के साथ संयुक्त कार्रवाई कर इसे हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में अतिक्रमण रोकने के लिए नहर पटरी को चारदीवारी बनाकर कवर करने की योजना भी है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

इतिहास को केवल तथ्यों के रूप में नहीं, बल्कि आलोचनात्मक दृष्टि से समझने की आवश्यकता

तीन दिवसीय नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल का हुआ समापन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सेलिंग विथ स्टोरीज थीम के साथ आयोजित नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल के तीसरे और अंतिम दिन विविध विषयों पर केंद्रित सत्रों, पुस्तक विमोचन और साहित्यिक चर्चाओं के साथ समृद्ध बौद्धिक माहौल देखने को मिला। दिनभर चले सत्रों में साहित्य, इतिहास, सिनेमा व समाज और भाषा से जुड़े अनेक पहलुओं पर विचार विमर्श हुआ, जिसमें देश के प्रतिष्ठित लेखक व चिंतक और कलाकार शामिल हुए। पहले सत्र में ग्रचरण दास, सुभाषिनी अली, भूपेंद्र चौबे, जॉन जुब्रिस्की और पुष्पेश पंत ने भाग लिया। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि इतिहास को केवल तथ्यों के रूप में नहीं, बल्कि आलोचनात्मक दृष्टि से

समझने की आवश्यकता है। दूसरे सत्र में लेखक अमिताभ बागची ने समीर संधीर के साथ संवाद किया। इस दौरान अमिताभ बागची ने शहरों, स्मृतियों और मानवीय अनुभवों के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। तीसरे सत्र मे गुरचरण दास ने अलका पांडे के साथ संवाद करते हुए भारतीय दर्शन में वर्णित चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ काम और मोक्ष के संदर्भ में जीवन के उद्देश्य और संतुलन पर विचार रखे। चौथे में फिल्म निर्देशक विभु पुरी ने देविका अरोरा के साथ बातचीत में कहानी कहने की कला, पटकथा लेखन और सिनेमा की रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में चर्चा की। दोपहर बाद आयोजित सत्र लौहूँ उसी गुलाब तक में अमिताभ सिंह बघेल ने अशोक पांडे के साथ बात. चीत में बीसवीं सदी के महान फिलिस्तीनी कवि महमूद दरवेश की कविताओं के हिंदी अनुवाद और उनकी काव्य दृष्टि पर चर्चा की।इसके पश्चात सबा ने दीपक बलानी के साथ संवाद करते हुए उर्दू भाषा की खूबसूरती और उसके रचनात्मक प्रयोगों पर बात की। इस सत्र में भाषाए कविता और सोशल मीडिया के माध्यम से उर्दू की नई अभिव्यक्तियों पर रोचक चर्चा हुई।दिन के अंत में फेस्टिवल की टीम दवारा औपचारिक वोट ऑफ थैंक्स प्रस्तुत किया गया।

शिल्पकार सभा ने अंबेडकर जयंती के कार्यक्रमों पर की चर्चा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। शिल्पकार सभा नैनीताल की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सभा के अध्यक्ष डा. रमेश चंद्रा की अध्यक्षता व महामंत्री राजेश लाल के संचालकत्व में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी 14 अप्रैल मंगलवार को भारत रत्न व संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना था।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष डा. रमेश चंद्रा ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को गरिमामय एवं प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों से कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उनके सुझाव एवं विचार आमंत्रित किए गए। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम की अंतिम रूपरेखा एवं महत्वपूर्ण निर्णय अगले रविवार को आयोजित होने वाली बैठक में लिए जाएंगे। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, मंत्री अनिल कुमार गोरखा, लेखा परीक्षक संजय कुमार, मीडिया प्रभारी सुरेश चंद्र, इंदर कुमार, महेश चंद्र, अनिल कुमार व अजय कुमार सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

एक नजर

विश्व बंजारा दिवस की तैयारियों को लेकर राजपूत बंजारा समाज की बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। आगामी 8 अप्रैल 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा आयोजित होने वाले विश्व बंजारा दिवस के संदर्भ में राजपूत बंजारा समाज पछवादून की एक महत्वपूर्ण बैठक राठौड़ पैलेस, बरोटीवाला, विकासनगर (देहरादून) में आयोजित की गई। बैठक में समाज के प्रबुद्ध एवं जागरूक सदस्यों ने भाग लेकर कार्यक्रम की तैयारियों तथा समाज की सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एडवोकेट गुरुमेल सिंह राठौड़, भाजपा जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा, ने भारत सरकार तथा कविता राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विज्ञान भवन, दिल्ली में विश्व बंजारा दिवस का आयोजन पूरे बंजारा समाज के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अवसर बंजारा समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने पछवादून क्षेत्र के सभी प्रबुद्ध, जागरूक एवं समाजप्रेमी साथियों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचे।

एकल अभियान ग्राम विकास को बढ़ावा देने वाला एक सामाजिक आंदोलन: गुरूमेल

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। एकल अभियान के अन्तर्गत कुँजा में संचालित एकल विद्यालय दर्शन कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एडवोकेट गुरुमेल सिंह राठौड़ भाजपा जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा देहरादून ग्रामीण कहा कि एकल अभियान ग्रामीण, वनवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार और ग्राम विकास को बढ़ावा देने वाला एक सामाजिक आंदोलन है। इसके अंतर्गत गांवों में एकल विद्यालय चलाकर बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है तथा स्थानीय युवाओं को शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है।

इसके साथ ही अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार प्रशिक्षण, स्वच्छता अभियान, ग्राम विकास और भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इस प्रकार एकल अभियान का मुख्य उद्देश्य शिक्षित, संस्कारित और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करना है। विद्यालय दर्शन कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष व अंचल प्रभारी भुवन चंद्र पांडे एकल अभियान से संबंधित सभी जानकारियां दी व अंचल अध्यक्ष राकेश उनियाल व अंचल सचिव राजेंद्र धीमान व कार्यालय प्रभारी सुधीर काला व महिला समिति सविता ध्यानी व ग्राम विकास प्रभारी गोपाल सिंह चौहान व गतिविधि प्रभारी हंसराज व संच प्रभारी संच लखवार रणवीर सिंह तोमर व संच समिति अनिल जोशी व अंचल प्रशिक्षक प्रमुख प्रीति व अंचल गति. विधि प्रमुख नीमा व अंचल कार्यालय प्रमुख पार्वती व संच क्वाणु प्रशिक्षक राजेश चौहान व संच धर्मावाला ज्योति व संच कोल, पूजा, संच झाझरा, बबीता उपस्थित रहे।

सीओ प्रेमनगर ने किया थाना सेलाकुई का अर्धवार्षिक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

सेलाकुई। विवेक कुटियाल सीओ प्रेमनगर के द्वारा सैरिमोनियल ड्रेस में सजी गार्द से सलामी लेने के पश्चात थाना सेलाकुई का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया।

सीओ प्रेमनगर द्वारा सर्वप्रथम थाना हाजा पर उपलब्ध सरकारी संपत्ति व अस्लहा तथा दंगा नियंत्रण उपकरण, आपदा उपकरण का निरीक्षण किया गया, जिसका रखरखाव संतोषजनक पाया गया। थाना सेलाकुई के अधिकारी/कर्मचारियों को अपनी उपस्थिति में वेपन हैंडलिंग कराई गयी व हैंडलिंग तथा शस्त्रों की साफ सफाई संबंधी आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए। तत्पश्चात उनके द्वारा थाना परिसर/भवन का निरीक्षण किया व बैरक का निरीक्षण किया गया व बेरक का रखरखाव व साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। मालखाने का निरीक्षण कर मालखाने के रखरखाव एवं संपूर्ण सरकारी संपत्ति को चेक किया गया तथा माल निस्तारण किए जाने हेतू निर्देशित किया गया। हवालात खघली व सफाई संतोषजनक पायी गयी। सीओ विवेक कुटियाल ने थाना पर लंबित माल मुकदमाती, लावा. रिस, कुर्की आदि मालों का निरीक्षण किया गया व मालों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए तथा एमवी एक्ट, लावारिश व अभियोगों से संबंधित मालों का शीघ्र निस्तारण व नीलामी प्रक्रिया के जाने हेतु मालखाना मोहर्रिर को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना अध्यक्ष पीडी भट्ट तथा समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

इसके अलावा गांव में आपसी लेन-देन से जुड़ी किसी भी शिकायत के निस्तारण के लिए गांव के स्याणा द्वारा अधिकतम तीन माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है। महापंचायत में लिए गए इन निर्णयों का उद्देश्य सामाजिक परंपराओं को सरल बनाना और अनावश्यक खर्चों को रो. कना बताया गया।

उत्तरी गौला वन विभाग ने की गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। वन विभाग गेस्ट हाउस में उत्तरी गौला वन विभाग द्वारा गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें वनों को आग से बचाने समेत पंचायतों के उद्देश्य, पंचायतों के उत्तरदायित्व तथा मानव वन्य जीव संघर्ष आदि पर विस्तार पर जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप कोट सेल प्रभारी भगवती प्रसाद जोशी रहें जिसकी अध्यक्षता वन क्षेत्राधिकारी विजय चंद्र भट्ट ने की। भट्ट में कहा कि प्रतिनिधि एवं ग्रामीण वनों को आग से बचाने में वन विभाग का पूरा सहयोग करें। वनों को बचाने से काफी लाभ हैं वन अगर बचेंगे तो जंगली जानवर भी आबादी की ओर रुख नहीं करेंगे। उन्होंने वन कर्मियों को भी निर्देशित किया आग लगने की सूचना पर तत्काल जाकर कंट्रोल करें। मानव वन्य जीव सघर्ष पर जरूरी टिप्स भी बताए। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख भावना समेत ललित मोहन शर्मा, पूरन चंद्र मेलकानी, अभय कुमार, सुखदेव राणा, कृपाल राणा, संजय टम्टा व सुनील पुरोहित, सतीश चंद्र व पीतांबर मेलकानी आदि मौजूद रहे।

मानव वन्यजीव संघर्ष पर गोष्ठी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। वन प्रभाग एवं उपप्रभागीय वनाधिकारी, शारदा उपवन प्रभाग के निर्देशन में वनक्षेत्राधिकारी सुनील शर्मा द्वारा भारत-नेपाल सीमा से सटे सीमांत गांव थपलियालखेड़ा में वनाग्नि सुरक्षा, मानव वन्यजीव संघर्ष रोकथाम तथा स्थानीय जन समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता एवं संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को वनाग्नि से बचाव, वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व तथा वन संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। वन विभाग के अधिका. रियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में आयोजित इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। बैठक के दौरान वन कर्मियों ने उपस्थित

ग्रामीणों को वनाग्नि की घटनाओं के कारण, उससे होने वाले पर्यावरणीय एवं आर्थिक नुकसान तथा उसकी रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मानव वन्यजीव संघर्ष के विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। गोष्ठी के पश्चात वनक्षेत्राधिकारी सुनील शर्मा द्वारा अपनी टीम के साथ आसपास के वन क्षेत्र एवं गांव का स्थलीय भ्रमण भी किया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा उठाई गई विभिन्न समस्याओं को मौके पर सुना गया तथा कई समस्याओं का तत्काल समाधान भी किया गया। वन दरोगा, मुनेश सिंह राणा, पुष्पेन्द्र सिंह राणा तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मांगों के निस्तारण की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ की पहल पर उत्तराखंड शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभाग के अंतर्गत संचा. लित राजकीय विश्वविद्यालयों में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सोमवार (आज) को देहरादून सचिवालय में सचिव स्तरीय वार्ता का आयोजन किया गया है, जिसमें संगठन के साथ ही विश्व. विद्यालयों के कुलसचिवों को भी आमंत्रित किया गया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डा. लक्ष्मण सिंह रौतेला और प्रदेश महामंत्री प्रशांत मेहता ने उच्च शिक्षा सचिव का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि संगठन के 11 सूत्रीय मांग पत्र की समीक्षा हेतु संगठन द्वारा सचिव का अनुरोध किया गया था जिस क्रम में शासन द्वारा सोमवार (आज) को एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया है जिसमें संगठन के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचा. लित देहरादून स्थित दून विश्वविद्यालय, टिहरी स्थित श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, हल्द्वानी स्थित उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, नैनीताल स्थित कुमाऊं विश्वविद्यालय और अल्मोड़ा स्थित सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलसचिवों को भी मांग पत्र पर विश्वविद्यालय द्वारा की गई कार्रवाई के साथ आमंत्रित किया है। पदाधिकारियों ने शासन की पहल का स्वागत करते हुए बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित सभी विश्वविद्यालयों में शासन द्वारा सृजित कुल पदों के सापेक्ष वर्तमान में 50 प्रतिशत से भी कम कर्मचारी कार्यरत हैं। इस बैठक में संगठन की तरफ से अध्यक्ष व महामंत्री के अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विश्व. विद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

'मलाबार' के शोरूम का उद्घाटन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने रविवार को हल्द्वानी में अपने पहले शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। इस लॉन्च के बाद अब राज्य में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के दो शोरूम और उत्तर क्षेत्र में कुल 47 शोरूम संचालित हो रहे हैं।

हल्द्वानी के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित यह नया शोरूम लगभग 7,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल में जी+1 फ्लोर पर फैला हुआ है। आधुनिक रिटेल मानकों के अनुरूप डिज़ाइन किए गए इस शोरूम में ग्राहकों को सुव्यवस्थित डिस्प्ले, आसान चयन और व्यक्तिगत सेवा का बेहतर अनुभव मिलेगा। इस शोरूम का उद्घाटन हल्द्वानी-काठगोदाम नगर निगम के मेयर गजराज सिंह बिष्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की प्रबंधन टीम, विशिष्ट अतिथि और बड़ी संख्या में ग्राहक भी उपस्थित रहे। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा उत्तराखंड हमारे लिए एक महत्वपूर्ण राज्य है, जहां ग्राहक ज्वेलरी खरीदते समय विश्वास, पारदर्शिता और गुणवत्ता को अत्यधिक महत्व देते हैं। हल्द्वानी में अपने पहले शोरूम के उद्घाटन के साथ हमें खुशी है कि हम इस क्षेत्र के ग्राहकों के और करीब आ रहे हैं तथा उन्हें मलाबार की व्यापक ज्वेलरी रेंज और विश्वस्तरीय रिटेल अनुभव प्रदान कर रहे हैं। हम उत्तर भारत में अपने विस्तार को सोच-समझकर आगे बढ़ाते हुए गुणवत्ता, प्रामाणिकता और उत्कृष्ट सेवा के अपने मानकों को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सोशल मीडिया ब्लॉगरों पर सख्त कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। समाजसेवी विशाल वर्मा और पूर्व पार्षद प्रत्याशी अंजलि वर्मा ने पुलिस प्रशासन से सोशल मीडिया पर विवादित गति. विधियों में शामिल ब्लॉगरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले उन्होंने एसएसपी नैनीताल डा. मंजुनाथ टीसी से मुलाकात कर ब्लॉगर ज्योति अधिक. ारी और सुनीता भट्ट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अंजलि वर्मा ने कहा कि ज्योति अधिकारी समेत कई लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। आरोप है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए सोशल मीडिया पर लाइव आकर आत्महत्या की धमकी देने या ऐसा माहौल बनाने जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जो समाज के लिए गंभीर और चिंता. जनक हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज, खासकर युवाओं के बीच गलत और खतरनाक संदेश फैलाती हैं। पहले भी कई मामलों में लोग सोशल मीडिया पर लाइव आकर आत्महत्या करने की कोशिश करते हुए देखे गए हैं। इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है।

ऑल सेंट्स कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया गया फूलदेई लोक पर्व

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊँ-गढ़वाल की समृद्ध लोक परंपरा को जीवित रखने के उद्देश्य से ऑल सेंट्स कॉलेज में नर्सरी से कक्षा पाँच तक के नन्हे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक फूलदेई पर्व मनाया। इस अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चे पारंपरिक लो. कगीत फूलदेई छम्मा देई गाते हुए विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार तक गए और देहरी पर बुरांश के फूल तथा चावल बिखेरकर इस लोक पर्व की परंपरा का पालन किया। बच्चों की मधुर आवाज़ और उत्साह से पूरा वातावरण लोक संस्कृति की खुशबू से सराबोर हो उठा। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजिना रिचर्ड्स ने बच्चों को इस पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा चॉकलेट वितरित कीं। उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक त्योहार बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें भारतीय लोक परंपराओं के महत्व से भी परिचित कराते हैं।

धूमधाम से मनाया गया फूलदेई पर्व

नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड का प्रसिद्ध लोक पर्व फूलदेई रविवार को पूरे उत्साह और परंपरागत रीति रिवा. जों के साथ मनाया गया। बता दें इस अवसर पर बच्चे फूलों से सजी थाल घर-घर जाते हैं और देहरी पर फूल व चावल बिखेरते हुए पारंपरिक लोक गीत 'फूल देई छम्मा देई, दैणी द्वार भर भकार' गाकर घर की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। यह त्योहार मुख्य रूप से बच्चों द्वारा मनाया जाता हैए इसलिए इसे लोक बाल पर्व भी कहा जाता हैं। फूलदेई के एक दिन पहले ही बच्चे जंगलों और बाग बगीचों से प्योली, बुरांश, बासिंग, आड़ू व खुबा. नी और मेहल जैसे रंग.बिरंगे फूल तोडक़र लाते है और रंग बिरंगी फूलों से थाली व टोकरी को सजाते हैं, गीत गाने के बदले में लोग बच्चों को दाल, चावल, गुड़ व घी और दक्षिणा देते हैं। लीला साह ने बताया कि बसंत ऋतु के आगमन में फूलदेई त्यौहार मनाया जाता है। बच्चे पहले दिन फूल तोड़कर लाते हैं और अपनी टोकरी को सजाते है, लेकिन समय के साथ बच्चों में अपने त्यौहारों का उत्साह कम होते जा रहा हैं अपनी परम्परा को आगे बढ़ाना चाहिए जबकि स्वेता साह ने बताया बच्चों के लिए यह त्यौहार काफी खास होता है, बच्चों में उत्साह कम देखने को मिल रहा है, फूलदेई बच्चों का त्यौहार है बच्चें देहरी में फूल व चावल डालते हैं और फूल देई छमा देई का गीत गाते है जिसके बदले में बच्चों को उपहार दिया जाता है घर की सुख समृद्धि की कामना करते हैं। निशा भाटिया साह ने बताया छोटे बच्चों द्वारा फूल चावल की थाली सजाई गई है पहले से बच्चें दूसरे के घर पर भी फूल डालने जाते थे लेकिन अब बच्चों में उत्साह कम हो रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के समापन पर कार्यक्रम

नैनीताल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के समापन पर ज्योति ग्रामीण विकास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका को अतुलनीय बताते कहा कि महिलाएं समाज के प्रति चिंतन करें और नई दिशा दें।शिक्षा बच्चों को संस्कारित बनाएए बच्चों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखें। संत एंथोनी इंटर कॉलेज के सभागार में मुखय अतिथि सब इंस्पेटर अंजुला जॉन, फादर डेरिक, सिस्टर मर्सलीना, शोभा व सीमा और ग्राम प्रधान नवल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। स्वागत गीत सांस्क्रतिक और विविध विषयों पर प्रस्तुत कार्यक्रमों से धमाल मचाया। खचाखच भरे सभागार में न्याय पंचायत की ग्रामसभाओं के महिला समूहों की सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

चोरी के दो आरोपी धरे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चोरगलिया क्षेत्र में मंदिर से घंटियां, कलश एवं दानपात्र के पैसे चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मय चोरी का माल सहित गिरफ्तार कर लिया। शातिर चोरो के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जानकारी देते हुए चोरगलिया कोतवाल हरपाल सिंह ने बताया कि बीते बसंतपुर किशनपुर चोरगलिया निवासी आशीष बेलवाल पुत्र भैरव दत्त ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी कि मंदिर से अज्ञात चोरों ने घंटियां, कलश एवं दानपात्र के पैसे चोरी कर लिए। कोतवाल हरपाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर तुरंत मुकदमा दर्ज कर आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों व मुखबिर तंत्र की मदद से मंदिर से चोरी करने वाले दो आरो. पियों को गिरफ्तार किया। जिनकी निशानदेही पर मंदिर से चोरी किया हुआ 20 पीतल की घंटियां, 1 तांबे का कलश व 1580 रूपये की नगदी बरामद की है। पकड़े गए चोरो ने अपना नाम कुंवर पाल पुत्र स्व. खुशी राम निवासी दानीबंगर, डौलीखत्ता चोरगलिया, नितिन कुमार पुत्र भीम सिंह निवासी ठाकुरद्वारा चुंगी काठगोदाम बताया। चोरगलिया कोतवाल हरपाल ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पूर्व में हल्द्वानी, काठगोदाम व मुखानी में तीन मुकदमें दर्ज है। टीम में एसआई निधि शर्मा, एआई तालिब हुसैन, कांस्टेबल उत्तम सिंह, भारत भूषण, शैलेन्द्र सिंह शामिल रहे।

डीएसए महासचिव जोशी का स्वागत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा डीएसए के नव नियुकत महासि. चव मनोज जोशी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहित पंत, उत्कर्ष बिष्ट, चेतन बिष्ट, शिवेश कुमार, जयवर्धन देव चौहान और मानस नैनवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती और छात्र हितों के लिए कार्य करने का संकल्प भी लिया।

शिकायतों के बाद पालिका ने चलाया सफाई अभियान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के मल्लीताल स्थित राजमहल कंपाउंड में लंबे समय से लगे कूड़े के अंबार को आखिरकार नगर पालिका ने साफ कर दिया है। क्षेत्र में शिकायतें सामने आने और प्रशासन के निर्देशों के बाद पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर सफाई अभियान चलाया और यहां जमा कचरे को हटाया। बता दें कि राजम. हल कंपाउंड क्षेत्र में करीब एक वर्ष से लगातार कूड़ा फेंका जा रहा था। हालात यह हो गए थे कि यहां दर्जनों ट्रक के बराबर कचरा जमा हो गया था।

स्थानीय लोगों ने कई बार नगर पालि. का, प्रशासन और सीएम पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई थी। कूड़े का कुछ हिस्सा नालों के माध्यम से नैनी झील की ओर बहने लगा थाए जिससे झील के प्रदूषण का खतरा भी बढ़ गया था। मामला सामने आने के बाद नगर पालिका की टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर सफाई अभियान चलाया और जमा कूड़े को हटाया। सफाई के दौरान कूड़े को वाहनों के माध्यम से उठाकर निस्तारण के लिए भेजा गया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सफाई होने पर राहत की बात कही है। हालांकि उन्होंने नगर पालिका से अपील की है कि भविष्य में क्षेत्र में नियमित रूप से कूड़ा उठाया जाए और यहां कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि दोबारा ऐसी स्थिति न बने। दूसरी ओर पालिका के सभासद अंकित चंद्रा ने कहा कि क्षेत्र में कूड़ा जमा होने की शिकायत मिलने के बाद नगर पालिका की टीम को मौके पर भेजकर सफाई कराई गई है। आगे भी नियमित निगरानी की जाएगी और कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों ने देहरी पर चढ़ाए फूल-चावल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। खराब मौसम के बाद भी बच्चों ने रविवार को फूलदेई का त्यार खूब हर्ष और उल्लास के साथ मनाया। बच्चे नन्हें हाथों में रंग-बिरंगे फूल लेकर सुख और समृद्धि की कामना कर रहे है। यह त्योहार चैत्र माह में प्रकृति के नए रूप बसंत ऋतु का स्वागत करता है। प्रकृति के सुनहरे रूप के आगमन के अवसर पर मनाए जाने वाले लोकपर्व की छटा हल्द्वानी के शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिली। वहीं बिठौरिया नम्बर-एक के जयगंगा इन्द्रपुरम, एकता इनक्लेव, आकाश इनक्लेव, बीके पुरम् आदि कई मोहल्लों में बच्चों ने सवेरे से ही टोलियों में फूलदेई छम्मा देई, दैंणी द्वार भर भकार, जतुक दैला, उतुक पाला...,य देई कैं बारम्बार नमस्कार गाते हुए हर घर की देहरी में फूल व चावल चढ़ाते हैं। इसके बाद हर घर की बुजुर्ग

महिलाओं ने बच्चों को आशीष देते हुए चावल, गुड़, रुपए और चॉकलेट-टाफी उपहार के तौर पर मिले। वहीं वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन रौतेला ने इस त्योहार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सांस्कृतिक विविधता के मामले में उत्तराखण्ड की अपनी एक अलग पहचान है। यहॉ हर महीने कोई न कोई त्योहार मनाया ही जाता है, जिनमें से कई बदलती जीवन शैली के कारण अब लुप्त होने की कगार तक पहुँच गए हैं, जो एक चिंताजनक स्थिति है। उत्तराखण्ड में फूलदेई त्यार मूल रुप से बच्चों के त्योहार है। अगर बच्चे नहीं हैं तो इस त्योहार का पूरा उत्साह ही खत्म हो जाता है। फूलदेई का त्योहार चैत्र उत्तराखण्ड में चैत ऋतु महीने की संक्रान्ति को मनाया जाता है।

रेट्रो साइलेंसर व रेस ड्राइविंग पर पुलिस सख्त

नैनीताल। नगर में रेट्रो साइलेंसर लगी बाइकों और रेस ड्राइविंग से परेशान लोगों को राहत दिलाने के लिए पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस विशेष अभियान चलाकर नियम तोड़ने वालों को रोक रही है। बाइकों में लगाए गए रेट्रो साइलेंसर की तेज आवाज से स्थानीय लोगों और पर्यटकों की नींद हराम हो रही है। इसके अलावा तेज रफ्तार से बाइक चलाने के कारण सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने रेट्रो साइलेंसर लगी बाइकों और रेस ड्राइविंग करने वाले बाइक सवारों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। यातायात निरीक्षक वेद प्रकाश भट्ट ने बताया कि रेट्रो साइलेंसर लगाने और रेस ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

लेक सिटी वेलफेयर क्लब की कविता त्रिपाठी अध्यक्ष, डा. प्रगति जैन सचिव

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। लेक सिटी वेलफेयर क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को गोवर्धन हाल में चुनाव अधिकारी रेखा त्रिवेदी की देखरेख में हुआ। बता दें नई कार्यकारिणी के लिए सर्वसमिति से कविता त्रिपाठी को अध्यक्ष, दीपा पांडे को वरिष्ठ उपाध्यक्ष जबकि दया कुंवर को कनिष्क उपाध्यक्ष जबकि डा. प्रगति जैन को सचिव की जिम्मेदारी सौपी गयी। इसके साथ ही रमा लोहनी को उपसि. चव वहीं रमा भट्ट को कोषाध्यक्ष जबकि अनुराधा भट्ट को मीडिया प्रभारी वहीं तुसी शाह को सांस्कृतिक सचिव जबकि जया वर्मा को सोशल मीडिया प्रभारी तो हेमा भट्ट को संस्थापिका तथा रानी शाह को कोऑर्डिनेटर तथा आभा शाह को संरक्षक मनोनीत किया गया। बैठक में विनीता पांडे, ज्योति ढौडियाल, आशा पांडे, रेखा, अमिता शेरवानी, मानसि गर्ग, जूही अग्रवाल, वंदना जोशी, संगीता श्रीवास्तव, सरस्वती शिराला, कविता गंगोला, दीपिका बिनवाल, डा.पल्लवी व वंदना जोशी आदि सदस्य उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनभूलपुरा में पुनर्वास की कवायद

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों का निरीक्षण, डीएम कार्यालय में शिविर पर मंथन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा के रेलवे अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्र का रविवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की गई। निरीक्षण के बाद डीएम कैंप कार्यालय में बैठक कर पुनर्वास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल और एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिका. रियों के साथ अतिक्रमण प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित लोगों को प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए 20 मार्च से 31 मार्च तक विशेष कैंप लगाए जाएंगे। प्रशासन के अनुसार यह कैंप रोजाना सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक संचालित होंगे। कैंप अतिक्रमण प्रभावित छह स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां प्रभावित परिवारों को योजना से जुड़ी जानकारी दी जाएगी और पात्र लोगों के आवेदन भी लिए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की दिशा में यह पहल की जा रही है ताकि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक में सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार मणि त्रिपाठी ने अवगत कराया कि हमारा प्रयास रहेगा कि इन 6 कैंप वाले स्थानों से अधिक से अधिक परिवारों तक हम पहुंच पाए और यह कोशिश करें कि कोई भी परिवार न छूटे और उन्हें इन पुनर्वास कैंपों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि जिला प्रशासन नैनीताल के अनुसार लगभग 5300 से अधिक परिवार हैं, प्रयास रहेगा कि विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम तथा न्यायिक अधिकारियों टीम के साथ रेलवे और प्रशासन की टीम के साथ उन परिवारों तक पहुंच जाए और उनको इस योजना के बारे में बता पाएं जो पात्र व्यक्ति हैं उन तक इस योजना का लाभ पंहुचा जाए। उन्होंने कहा कि यह प्रयास रहेगा कि 31 मार्च तक कार्य पूरा कर न्यायालय में रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मंगलवार से क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित फॉर्म का वितरण विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला प्रशासन की टीम के माध्यम से घर घर जाकर वितरित किए जाएंगे। साथ ही कैंपों में भी पर्याप्त संख्या में यह आवे. दन रखे जाएंगे। इसके साथ ही जिला. धिकारी ललित मोहन रयाल ने अवगत कराया कि इस कार्य में स्थानीय पार्षदों के अतिरिक्त सामा. जिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से भी प्रचार प्रसार किया जाए। आवेदकों को फार्मों का वितरण सुनिश्चित करते हुए, उनकी पात्रता की गहनता से जांच का कार्य भी समय पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी टीम फार्म वितरण से संबंधित सूचना पंजिका में अंकित करेंगे और मॉनिटरिंग भी लगातार की जाएगी। बैठक में एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी, उप सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अभिषेक कुमार श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल पारुल थपलियाल, एसपी सिटी मनोज कत्याल, सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी, नगर निगम आयुक्त परितोष वर्मा, एसडीएम प्रमोद कुमार, तहसीलदार कुलदीप पाण्डे सहित वीसी के माध्यम से रेलवे के एडीआरएम मनोज कुमार, सुरक्षा प्रभारी पवन, बृजेश कुमार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इन स्थानों पर लगेंगे शिविर
- –रेलवे स्टेशन हल्द्वानी
- –अंजुमन इस्लामिया बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय किदवई नगर।
- –राजकीय प्राथमिक विद्यालय बनभूलपुरा।
- –राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बनभूलपुरा।
- –राजकीय इंटर कॉलेज बनभूलपुरा।
- –मदरसा नैनीताल पब्लिक स्कूल बनभूलपुरा।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने लगाई फांसी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक महिला ने घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने रविवार को महिला के शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार राजपुरा गौला गेट के पास किराए के मकान में रहने वाली 24 वर्षीष पिंकी यहां अपने पति राज. कुमार के साथ रहती है। जबकि पति राजकुमार पेशे से मजदूरी का काम करता है। बताया जा रहा कि बीते शनिवार को पिंकी ने संदिग्ध परिस्थितियों के चलते घर के अंदर फांसी लगाकर उस समय जान दे दी जब उसका पति राजकुमार बाहर गया हुआ था। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

पेंशन के लिए बहू ने विधवा सास को पीटा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विधवा सास ने अपनी बहु पर पेंशन हड़पने व मारपीट करने का आरोप लगाते हुए एसएसपी को शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी के निर्देश के बाद पुलिस ने आरोपी बहु के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मल्ला गोरखपुर नवाबी रोड निवासी 75 वर्षीय लीला देवी पत्नी स्व. भैरव दत्त ने एसएसपी को शिकायती पत्र सौंपते हुए कहा कि वह पिछले 32 वर्षों से वह अपनी देवरानी के साथ रह रही हैं। उनके पति भैरव दत्त सेना में थे और वर्ष 1976 में बॉर्डर के पास झेलम नदी पार करते समय वीरगति को प्राप्त हो गए थे। लीला देवी की कोई संतान नहीं है और वर्तमान में उनकी देवरानी ही उनका सहारा हैं। आरोप है कि बीती 10 मार्च को बहू दीक्षा सनवाल ने घर में गाली-गलौच और मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि बहू अक्सर पेंशन के पैसे देने और पेंशन अपने नाम कराने का दबाव बनाती है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देती है। वृद्धा ने एसएसपी से बहु के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मोबाइल लूटकर 42 हज़ार उड़ाने वाले गिरफ्तार

लुटेरों के पास से लूटा हुआ मोबाइल व 26 हजार की नकदी बरामद

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। खाना खिलाने के नाम पर एक युवक से मोबाइल लूटकर उसके (जीपीए) गूगल पे अकाउंट से 42 हजार उड़ाने वाले दोनो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार मूलरूप से टीमर बड़ौन खनस्यू निवासी हरेंद्र सिंह पुत्र मकौल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि वह हल्द्वानी में एक इंश्योरेंस कंपनी में काम करते हैं और कुसुमखेड़ा में रहते हैं। हरेंद्र ने तहरीर में बताया कि वह बीती 9 मार्च की दोपहर तकरीब साढ़े तीन बजे वह ड्यूटी से हल्द्वानी बस अड्डा पहुंचे थे।

तभी मटर गली के पास दो युवकों ने घेरकर लाचार और बेहद गरीबी का हवाला देते हुए कई दिनों से खाना नहीं खाने की बात कही। जिसपर हरेन्द्र ने दोनो युवकों को एक ढाबे में ले गया और खाना खिलाया। जब हरेन्द्र ने मोबाइल से पेंमेंट किया तो पास खड़े एक युवक ने ट्रांजेक्शन के दौरान पासवर्ड देख लिया, और मौका पाकर युवक हरेन्द्र का मोबाइल लेकर फरार हो गए, और हरेन्द्र के खाते से 42 हजार उड़ा लिए। हरेन्द्र की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर दोनो लूटरों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही दोनो युवकों की पहचान कर उनको दबोच लिया। पकड़े गए आरो. पियों ने अपना नाम अरुण सोलंकी पुत्र आदेश सोलंकी निवासी एयरफोर्स गेट नैनीताल रोड, थाना इज्जतनगर बरेली, सचिन सोलंकी पुत्र राजेन्द्र सोलंकी निवासी मुख्य बाजार थाना सोमेश्वर अल्मोड़ा बताया। पकड़े गए लूटरों के पास से पुलिस ने लूटा हुआ मोबाइल व 26 हजार की नगदी बरामद की है। टीम में एसएसआई भूपेन्द्र मेहता, एसआई आशा शर्मा, हैड कांस्टेबल इसरार नवी, कांस्टेबल दिनेश नगरकोटी शामिल रहे।

काठगोदाम में हुई चाकूबाजी में घायल युवक ने तोड़ा दम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते 5 मार्च को काठगोदाम क्षेत्र में हुई चाकूबाजी मामले में घायल युवक ने बीते शनिवार की रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने पहले ही मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज चुकी है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मौत की वजह चाकू से लगे घाव थे या कुछ और। बता दें कि वार्ड नंबर-13 कुष्ठ आश्रम के पास राजपुरा निवासी बच्ची देवी पत्नी किशोर राम ने मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। घटना की शाम 18 वर्षीय हेम आर्या अपनी मित्र को लेने काठगोदाम था। दोनों रेलवे स्टेशन के पास खड़े थे कि तभी दो युवकों ने वहां पहुंचकर हेम के पेट में चाकू घोंप दिया गया। हेम को पहले बेस ले जाया गया। बेस से एसटीएट, एसटीएच से उसे राममूर्ति रेफर कर दिया। राममूर्ति से जवाब मिला तो वापस उसे एसटीएच लाया गया, जहां शनिवार रात उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा, जिसमें एक नाबालिग है। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ होगी। यदि चाकू के हमले से मौत की बात सामने आती है तो मुक. दमा हत्या की धारा में बदली जायेगी। हालांकि यह सुनने में आया है कि उपचार के बाद हेम ठीक हो गया। जानकारी जुटाई जा रही है कि इसमें कितनी सत्यता है।

कांशीराम की जयंती धूमधाम से मनाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रामगढ़ ब्लॉक के भियालगाव में सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश चन्द्र (जीतू) के नेतृत्व में रविवार को कांशीराम की जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता जगद. ीश चन्द्र (जीतू) ने कहा कि वे भारत के एक महान दलित नेता, समाज सुधारक और बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक थे।

उन्होंने कहा कांशीराम ने दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों बहुजन को संगठित कर शासक समाज बनाने का नारा दिया, जिससे भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय और समानता का नया युग शुरू हुआ। उन्होंने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए बहुजन शब्द को लोकप्रिय बनाया और लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उनका उद्देश्य बहुजनों को सत्ता में भागीदारी दिलाना और समाज में आत्मसम्मान और सामाजिक जागरूकता फैलाना था। इस दौरान उन्होंने ने कांशीराम के सामाजिक सुधारों और बहुजन समुदाय के उत्थान में उनके योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर ग्राम प्रधान चंदू लता, क्षेत्र पंचायत सदस्य तुलसी देवी, हरीश, रमेश चन्द्र, संतोष कुमार, सुरेश चन्द्र, सुशीला देवी आदि मौजूद रहे।

दो शराब तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीती रात्रि अपने क्षेत्र में गश्त के दौरान मंगलपड़ाव व टीपीनगर पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से भारी मात्रा में शराब बरामद की है। इसके साथ ही मंगलपड़ाव पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त एक वाहन को भी सीज किया। पकड़े गए दोनो तस्करों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार बीते शनिवार की रात मंगलपड़ाव चौकी प्रभारी गौरव जोशी मय टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी चैकिंग के दौरान एक वाहन संख्या यूके04एएच-8379 आता दिखाई दिया। टीम को देख वाहन चालक स्कूटी मोड़कर भागने की कोशिश करने लगा। तभी टीम को शक हुआ और घेराबंदी करते हुए वाहन चालक को मुंगली गार्डन के पास दबोच लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसके पास से एक पेटी मैकडवल व 24 अध्धे रॉयल स्टैग के बरामद हुए। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम कमल पुत्र मथुरा प्रसाद निवासी चम्बलपुल दमुआढूंगा काठगोदाम बताया। वहीं दूसरी ओर टीपीनगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार भी मय टीम के साथ क्षेत्र में चैकिंग कर रहे थे तभी हल्दूपोखरा नायक गोलज्यू कॉलोनी टीपीनगर से दीपक सिंह पुत्र स्व. कुंवर सिंह निवासी बैड़ापोखरा रामपुर रोड को 62 पाउच किन्नू मसालेदार देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

सरकारी वाहन ने मारी टक्कर एक की मौत, दूसरा घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भीमताल से रामपुर लौट रहे बाइक सवारों को तेज रफ्तार सरकारी बोलेरो ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सरकारी बोलेरो को कब्जे में ले लिया है, जबकि चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार नई बस्ती, बमनपुरी नुरानी मस्जिद बस्ती रामपुर सिटी निवासी (42) मो. यासीन और उनके फुफेरा भाई (45) मो. उमर बीते शनिवार को किसी काम से भीमताल गए थे। जिसके बाद दोनों बाइक पर सवार होकर रामपुर घर लौट रहे थे। बताया जा रहा कि जैसे ही वह काठगोदाम-गौलापार बाईपास स्थित सीआरपीएफ कैंप के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार सरकारी बोलेरो ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सड़क हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में पुलिस स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने यासीन को मृत घोषित कर दिया। जबकि उमर का उपचार चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में ले लिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद यासीन का शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं यासीन के भाई मो. रफी ने काठगोदाम पुलिस को तहरीर सौंपी है। उनके मुताबिक, गौलापार बाईपास पर बोलेरो हल्द्वानी से काठगोदाम की ओर जा रही थी और सीआरपीएफ कैंप के पास एक बस को ओवरटेक करने के दौरान बाइक सवारों को टक्कर मार दी। बोलेरो पर उत्तराखंड सरकार लिखा था। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर वाहन संख्या यूके 07जीए 5218 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते शनिवार गौलापार सीआरपीएफ कैंप के पास हुआ सड़क हादसा

परीक्षा में 'पंडित' को अवसरवादी बताना निंदनीयः भट्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तर प्रदेश पुलिस एसआई यूपीएसआई भर्ती परीक्षा-2026 के हिंदी अनुभाग में एक प्रश्न के विकल्प में पंडित शब्द का प्रयोग करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। प्रश्न में अवसर के अनुसार बदल जाने वाला (अवसरवादी) के लिए पंडित शब्द को विकल्प में शामिल किया गया था, जिस पर ब्राह्मण समाज और अन्य सवर्ण वर्ग के लोगों ने नाराजगी जताई है। सवर्ण शक्ति संगठन के सह संयोजक भुवन भट्ट ने प्रेस को जारी बयान में इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे पंडित समुदाय के अपमान और सवर्ण समाज के खिलाफ होने वाली कार्रवाई के रूप में बताया। भट्ट ने कहा कि जो भी इस प्रकार का प्रश्न या विकल्प तैयार करने में शामिल रहा है, उसे जल्द से जल्द सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। सरकार तत्काल प्रभाव से इस मामले में कदम उठाए, अन्यथा विशाल धरना, प्रदर्शन और आंदोलन किए जाएंगे। भट्ट ने आगे कहा कि वर्तमान समय में सवर्ण समाज पर जबरदस्त अत्याचार और भय का माहौल बनाया जा रहा है, जिसे संगठन घोर निंदा करता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि इस विवादास्पद प्रश्न के लिए न्यायसंगत और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लोकगायक कमल सिंह मेहरा ने बिखेरे सुर

उत्तराखण्ड लोक विरासत महोत्सव का भव्य समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्दूचौड़। लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय हल्दूचौड़ में हल्दूचौड़ ऑनलाइन संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्तराखंड लोक विरासत महोत्सव का रविवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हो गया। महोत्सव में लोकगायक कमल सिंह मेहरा ने अपनी मधुर लो. कगीत प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इस आयोजन को इंडियन ऑयल का भी सहयोग प्राप्त था। कार्यक्रम के प्रथम दिन रक्तदान और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जबकि दूसरे दिन विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर चार चांद लगा दिए। साथ ही महिला सशक्तिकरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वरोजगार और स्थानीय उत्पादों से जुड़े स्टॉल भी लगाए गए, जिनसे युवाओं और विद्यार्थियों को नई जानकारियां प्राप्त हुईं। इस मौके पर मुख्य अतिथि राजीव मेहता, जनरल सेक्रेटरी, भारत व एशिया फेंसिंग एसोसिएशन और विशिष्ट अतिथि दर्जा राज्य मंत्री शंकर कोरंगा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उत्तराखंड की संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और विज्ञान व नवाचार को बढ़ावा देने में सहायक हैं। संस्था के अध्यक्ष और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मोहित जोशी ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्र की उदीयमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना था। इस मौके पर शिक्षक हेम चंद्र पांडे, गिरीश सिंह खाती, सुमित सिंह कार्की, छात्र संघ अध्यक्ष दीपक, कोषाध्यक्ष कमल चन्द्र पांडे, उपाध्यक्ष संजना पांडे, ईशा उप्रेती, खजान चन्द्र आर्या, कौस्तुभ चंदोला, हेमवती नन्दन दुर्गापाल, लाखन सिंह मेहता, गोविंद यादव, कमल जोशी आदि मौजूद रहे।

कमल रावत भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री नियुक्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश संगठन में कमल रावत को जिला महामंत्री बनाए जाने पर काठगोदाम क्षेत्र में कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर है। समर्थकों ने उन्हें बधाई दी और इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए गर्व की बात बताया। कमल रावत ने बताया कि वह लंबे समय से युवा मोर्चा के साथ जुड़े हुए हैं और मंडल अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। अब उन्हें यह महत्वपूर्ण पद सौंपा गया है, जिसके लिए वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विशेष रूप से जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष चंदन बिष्ट का आभार व्यक्त करते हैं। कमल रावत भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री और पूर्व मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं, और उनके नेतृत्व में पार्टी को नए जोश और दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उन्होंने अपने समर्पण को दोहराते हुए कहा कि वह पार्टी की जीत के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से काम करेंगे। कमल रावत ने अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा यह पार्टी के विश्वास का परिणाम है, और मैं इसे सही साबित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दूंगा।

खाली सिलेंडरों के साथ प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति संकट को लेकर रविवार को बागजाला में अखिल भारतीय किसान महासभा ने खाली एलपीजी गैस सिलेंडर के साथ धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान भाकपा माले के जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि कई क्षेत्रों में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में बाधा और लगातार बढ़ती कीमतों ने आम जनता, छोटे व्यापारियों और निम्न आय वर्ग के परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डा. उर्मिला रैस्वाल ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में रसोई गैस पर मिलने वाली सब्सिडी लगभग समाप्त कर दी गई है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ा है।

दीवान सिंह बर्गली ने कहा कि रसोई गैस कोई विलासिता नहीं बल्कि आम लोगों की बुनियादी जरूरत है। सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर जनता को राहत देनी चाहिए। किसान महासभा ने सरकार से मांग की है कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की नियमित और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, रसोई गैस पर सब्सिडी बहाल की जाए, कीमतों में की गई बढ़ोतरी वापस ली जाए, गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की जाए। धरने में विमला देवी, पंकज चौहान, ललित प्रसाद, हेमा आर्य, चन्दन सिंह मटियाली, दौलत सिंह कुंजवाल, ललित मोहन गोस्वामी, प्रकाश, रामलाल, शहजाद, हरि गिरी, भगवती देवी, नीलम आर्य, महेश राम, असीम अली, वासुदेव, सन्तोष, मुन्नी देवी, पारवती देवी, धनी राम, तुलसी देवी, हेमा देवी और नीमा देवी मौजूद रहे।

महिलाओं को प्रोत्साहन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और चेष्ठा संस्था ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, कॉलेज छात्राओं और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी लगभग 100 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में पंतनगर विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और विभिन्न विभागों की महिला अधिकारियों ने वित्तीय साक्षरता, शिक्षा और उद्यमिता पर अपने विचार रखे। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नाबार्ड की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए कि कैसे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनीं। वहीं नाबार्ड और चेष्ठा संस्था ने महिलाओं को सम्मानित करतें हुए कहा कि जिले में महिलाओं के कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

उत्तराखंड की नदियों की बढ़ती दुर्दशा पर चिंता व्यक्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नदियों पर कार्रवाई दिवस के अवसर पर उत्तराखंड में जागरूक नागरिकों ने पर्वतीय नदियों, विशेषकर राम गाड़ नदी की बिगड़ती स्थिति पर जल मित्र बची सिंह बिष्ट ने चिंता व्यक्त की। लंबे समय से स्थानीय लोग और पर्यावरणकर्मी नदियों के अतिक्रमण, उनके जल प्रवाह में हस्तक्षेप और जलभृतों के संकट को लेकर संवाद, पदयात्राएं, बैठकें और श्रमदान जैसी गतिविधियों में सक्रिय हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि देश की नदियों का संरक्षण संविधान और कानूनों के तहत लोक सेवकों की जिम्मेदारी है, फिर भी अवैध खनन, अतिक्रमण और नदी उत्पादों की लूट बिना रोक-टोक जारी है। उन्होंने कहा इसके परिणामस्वरूप कई नदियाँ अस्तित्व खो चुकी हैं और कई केवल बरसाती नाले और कचरे की ढुलाई करने वाली बन गई हैं। जागरूक नागरिक और संगठन यह बताते हैं कि नदियों की दुर्दशा केवल प्राकृतिक संसाधनों का संक्षरण नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, नदी पारिस्थितिकी और भावी पीढ़ियों के लिए संकट का कारण भी है। उन्होंने कहा कि गंगा और उसकी सहायक धाराएं, मध्य भारत की नदियाँ जैसे बेतवा और नर्मदा भी इन कुकर्मों से अपनी पारिस्थितिकीय और आर्थिक भूमिका खो रही हैं। स्थानीय पर्यावरणकर्मियों और नागरिकों ने सभी सरक. ारों, समुदायों और नागरिकों से अपील की है कि वे व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर हर जलधारा को स्वच्छ, संरक्षित और सुरक्षित बनाए रखने के प्रयास करें। उनका कहना है कि मरती नदियों की पुकार को देश के हर व्यक्ति, संगठन और आंदोलन तक पहुंचाना हमारी साझा जिम्मेदारी है।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

संक्षिप्त खेला समाचार

पाक के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

कराची, वार्ता। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। इसके साथ ही उनके लगभग दो दशक लंबे शानदार करियर का अंत हो गया। कराची में जन्मे इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने नवम्बर 2007 में जयपुर में भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 54 टेस्ट, 117 एकदिवसीय और 61 टी-20 मैच खेले, जिनमें उन्होंने 6,164 रन बनाए। इनमें छह शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेट के पीछे रहते हुए सरफराज ने 315 कैच लपके और 56 स्टंपिग कीं। सरफराज ने सभी फॉर्मेट को मिलाकर 100 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की, जिनमें 50 एकदिवसीय, 37 टी-20 और 13 टेस्ट मैच शामिल हैं।

रिषभ का लगातार दूसरा शतक, उत्तर क्षेत्र का चैंपियन बनना तय

नई दिल्ली, वार्ता। रिषभ सिंह (नाबाद 100) के लगातार दूसरे शतक की बदौलत उत्तर क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को रविवार को रोशनारा क्लब मैदान में 10 विकेट से रौंद कर जेके बोस टूर्नामेंट जीतना सुनिश्चित कर लिया है। दक्षिण क्षेत्र चार विकेट पर 187 रन पर रोकने के बाद, उत्तर क्षेत्र ने 18.2 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 188 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की। पिछले मैच में पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ शतक लगाने वाले रिषभ ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए एक ओर शतक ठोका। रिषभ ने 14 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। लगातार दूसरी जीत के साथ उत्तर क्षेत्र का चैंपियन बनना तय हो गया है।

राहगीरी दिवस पर फिर लौटा कनॉट प्लेस में 'संडेज ऑन साइकिल'

नई दिल्ली, वार्ता। राहगीरी दिवस पर 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' का 65वां संस्करण देशभर में 5000 से अधिक जगहों पर आयोजित किया गया। इस आयोजन ने देश के समुद्रों और पहाड़ों, रेगिस्तानों और जंगलों को एक ही आंदोलन के जिरए आपस में जोड़ दिया। 300 से अधिक 'फिट इंडिया चैंपियंस' और एंबेसडर्स, साथ ही कई खास मेहमानों ने इस साइकिलिग कार्यक्रम की अगुवाई की। ए कार्यक्रम ओडिशा के कोकराझार से लेकर पंजाब के बादल और दक्षिण में एलेप्पी तक तथा नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में इसका आयोजन किया गया। पटना में, बिहार की युवा और ऊर्जावान खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने 'संडेज ऑन साइकिल' में हिस्सा लिया और खुद आगे बढ़कर लोगों के लिए एक मिसाल कायम की। असम में, असम सरकार की सहायक आयुक्त, एमएमए फाइटर, कराटे ब्लैक बेल्ट होल्डर और एक अनुभवी साइकिलिस्ट, रीमा तृषा हलोई ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम सम्मानित

गिल-मंधाना को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

द्रविड़-मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला

नई दिल्ली, वार्ता। बीसीसीआई के नमन अवार्ड 2026 के समारोह में भारतीय कप्तान शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को क्रिकेटर ऑफ ईयर का अवार्ड दिया गया है।

वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम का सम्मान हुआ। इससे पहले चौंपियंस ट्राफी की विजेता टीम को सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत में सबसे पहले जूनियर क्रिकेटर आहिरा जाधव और महिला क्रिकेटर शेफाली वर्मा को जगमोहन डालमिया ट्राफी दी गई।

फिर अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीमें (मेंस, विमेंस) सम्मानित हुई। अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवार्ड दिया गया है। यहां बीसीसीआई 1983 वर्ल्डकप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी, 2024 टी-20 वर्ल्डकप जिताने वाले कोच और पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया।

इनमें भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। भारतीय टीम ने 8 मार्च को अहमदाबाद में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। साल 2025 में भारतीय कप्तान गिल का प्रदर्शन शानदार रहा।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में 70 से ज्यादा की औसत से बनाए गए 754 रन शामिल थे। वनडे में भी गिल ने 490 रन बनाए और भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्राफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सभी फार्मेट में 49 की औसत से 1764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। स्मृति मंधाना ने पिछले साल 36 मैचों में 1800 रन बनाए।

इनमें 7 शतक शामिल रहे। इनमें से 6 शतक वनडे क्रिकेट में आए। जबकि एक शतक टी-20 इंटरनेशनल में आया। मंधाना ने 3 वनडे में 1311 रन बनाए। उन्होंने 12 टी-20 मैचों में 489 रन बनाए। द्रविड़ को क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन बनाए और एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ रहे। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद भारतीय क्रिकेट के भविष्य को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। नेशनल क्रिकेट अकादमी में हेड ऑफ क्रिकेट के रूप में उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार किया और प्रतिभा की मजबूत पाइपलाइन बनाई। उनकी कोचिंग में भारत ने 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीता।

बाद में भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में उन्होंने 2024 में भारत को अइाईसीसी मेंस टी20 विश्व कप जिताया। 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान दिया। वे 1983 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। बिन्नी ने 1985 वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम में भी जगह बनाई थी। वह पहले भारतीय क्रिकेटर थे, जिन्होंने वनडे मैच में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों की शुरुआत की। बतौर कोच और प्रशासक के रूप में भी योगदान दिया।

पांचवां पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट आज से खालसा कॉलेज में

टूर्नामेंट आज से 24 मार्च तक दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में होगा

नई दिल्ली, वार्ता। पांचवां पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी आमंत्रण टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) 16 से 24 मार्च तक दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में प्रति वर्ष की भांति आयोजित किया जाएगा।

सोमवार से शुरु हो रही प्रतियोगिता का उद्घाटन पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रोमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) के सलाहकार मुख्य अतिथि ललित वत्स करेंगे।

गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर सरिता त्यागी, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस, दिल्ली यूनिवर्सिटी होंगी। इस अवसर पर मेजबान खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह भी मौजूद रहेंगे।

खालसा कॉलेज की डायरेक्टर, फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस सुश्री इंदरप्रीत कौर के अनुसार यह टूर्नामेंट इंटर कॉलेज लेवल पर पुरुष और महिला वर्ग में होगा। पुरुष हॉकी में सात टीमें और महिला वर्ग में चार टीमें भाग ले रही हैं। दोनों वर्गों में यह लीग कम नॉकआउट प्रारुप में होगी। पूल की दो शीर्ष टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा।

पुरुष वर्ग: एसजीटीबी खालसा कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज, सेंट स्टीफन कॉलेज, हंसराज कॉलेज, श्याम लाल कॉलेज, इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस और एमिटी यूनिवर्सिटी।

सफलता का कोई सीक्रेट नहीं होता : रोहित

● **कहा : हम उम्मीद कर रहे हैं भारत की पुरुष और महिला टीमों ने जो खिताब जीते हैं वह केवल एक शुरुआत हो**

नई दिल्ली, वार्ता। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि सफलता का कोई सीक्रेट नहीं होता, सब कुछ कड़ी मेहनत से हासिल होता है। उन्होंने कहा कि उम्मीद कर रहे हैं कि भारत के पुरुष और महिला टीमों ने जो आईसीसी खिताब जीते हैं वह केवल एक शुरुआत हो।

दो बार ट्रॉफी जीत चुके रोहित ने शनिवार को कहा कि सफलता का कोई सीक्रेट नहीं होता, सबकुछ कड़ी मेहनत से होता है। पुरुष और महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर्स ने जो सफलता हासिल की है उसके लिए वे बेहद कड़ी मेहनत करते हैं। जाहिर तौर पर केवल मैदान पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी ही नहीं बल्कि पर्दे के पीछे काम कर रहे काफी सारे लोग भी इस सफलता के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इसलिए कई सारे लोगों को क्रेडिट दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों से हम जो देख रहे हैं कि हमारा झंडा लहरा रहा है और हमने जो भी हासिल किया है उसे देखकर मैं बेहद खुशी और गर्व महसूस करता हूं। केवल पुरुष क्रिकेट ही नहीं बल्कि महिला क्रिकेट ने भी शानदार सफलता हासिल की है, मुंबई में उन्हें विश्व कप जीतते देखना शानदार था। हाल ही में पुरुष टीम ने टी-20 विश्व कप जीतकर जो किया वह तो अद्भुत था। मैं उम्मीद करता हूं ए शुरुआत हो, यहां से पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं है क्योंकि जब आपको मोमेंटम मिल जाता है तो आपको उसे बनाए रखना चाहिए क्योंकि हमेशा क्रिकेट में मोमेंटम की बात होती रहती है। उल्लेखनीय है कि जून 2024 में रोहित की कप्तानी में भारत ने टी-20 विश्व कप जीता था और यहीं से उनके आईसीसी ट्रॉफी जीतने की शुरूआत हुई थी। मार्च 2025 में रोहित की ही कप्तानी में टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। भारत की अंडर-19 टीम ने भी महिला और पुरुष दोनों वर्गों का विश्व कप जीता है। अंडर-19 पुरुष टीम ने पिछले महीने आयुष म्हात्रे की कप्तानी में तो वहीं अंडर-19 महिला टीम ने निकी प्रसाद की कप्तानी में 2025 में ट्रॉफी उठाई थी। भारत के लिए अगला आईसीसी टूर्नामेंट अब महिला टी-20 विश्व कप होगा। जो 12 जून से ब्रिटेन में शुरु होगा। टूर्नामेंट में भारत को ग्रुप 1 में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, बंगलादेश, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के साथ रखा गया है।

आईसीसी ने सलमान को लगाई फटकार, एक डिमेरिट अंक दिया

● **आगा सलमान को आर्टिकल 2-2 का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों आदि के दुरुपयोग से संबंधित है**

दुबई, वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मीरपुर में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पाकिस्तान के बल्लेबाज आगा सलमान को फटकार लगाई गई और एक डिमेरिट अंक दिया गया। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार आगा सलमान को आर्टिकल 2-2 का दोषी पाया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों या मैदान से जुड़ी चीजों के दुरुपयोग से संबंधित है।

यह घटना पाकिस्तान की पारी के 39वें ओवर में उस समय हुई जब अजीबो गरीब तरीके से रनआउट होने के बाद आगा ने अपने ग्लव्स और हेलमेट मैदान पर फेंक दिए। 62 गेंद पर 64 रन बनाने वाले आगा नॉन स्ट्राइकर छोर पर क्रीज से बाहर थे। मोहम्मद रिजवान ने गेंद को सीधे गेंदबाज मेहदी हसन मिराज की ओर खेला और मिराज ने गेंद को पैर से रोक लिया। आगा अभी भी क्रीज से बाहर थे और गेंद उठाकर गेंदबाज को देने ही वाले थे, तभी मिराज ने गेंद पकड़कर थ्रो करते हुए विकेट गिरा दिए। इस तरह से आउट होने के बाद आगा गुस्से में दिखे। हालांकि बाद में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने 'खेल भावना' की बात की और कहा कि अगर वह मिराज की जगह होते तो मामला अलग तरीके से संभालते। आगा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और मैच रेफरी नियामुर राशिद राहुल की प्रस्तावित सजा को मान लिया।

जयपुर सोल्जराथॉन-2026 मैराथन में हजारों दौड़े

जयपुर, वार्ता। राजस्थान में जयपुर के सैन्य छावनी में आयोजित वंडर सीमेंट जयपुर सोल्जराथॉन- 2026 मैराथन में साढ़े चार हजार से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक शिरकत की। रक्षा सूत्रों ने रविवार को बताया कि जयपुर सैन्य छावनी में स्थित गांडीव स्टेडियम में आयोजित इस दौड़ में सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक, पेशेवर धावक, विद्यार्थी और आम नागरिक शामिल थे, जिन्होंने फिटनेस और देशभक्ति की भावना का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित होकर इस आयोजन को विशेष बनाया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि एक सशक्त नई पहल के रूप में आयोजित यह पहला वंडर सीमेंट जयपुर सोल्जराथॉन फिटनेस, अनुशासन और सशस्त्र सेनाओं के प्रति गहरे सम्मान की भावना से प्रेरित एक आंदोलन की शुरुआत है, जिसका सार रन विद सोल्जर, रन फॉर सोल्जर के संदेश में निहित है। इस आयोजन ने

नागरिकों को केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए ही नहीं, बल्कि एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए दौड़ने के लिए प्रेरित किया, जिससे फिट भारत की परिकल्पना को बल मिला और से यस टू स्पोर्ट्स , नो टू ड्रग्स का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। सूत्रों ने बताया कि यह दौड़ भारत के घायल सैनिकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने का भी माध्यम बनी। इस अवसर पर पैराप्लेगिक रिहैबिलिटेशन सेंटर के समर्थन के माध्यम से उन सैनिकों के अदम्य साहस को सम्मानित किया गया, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान रीढ़ की गंभीर चोटें झेली हैं। इससे पहले मैराथन को मिजोरम के राज्यपाल सोल्जराथॉन के संरक्षक जनरल (डा.) वीके सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल मंजींदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान भी उपस्थित रहे। इन विशिष्ट व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने फिटनेस को प्रोत्साहित करने, युवाओं को प्रेरित करने तथा सैन्य-नागरिक सौहार्द को सुदृढ़ बनाने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

खिताब के लिए भिड़ेंगे मेदवेदेव-सिनर

● **डेनिल मेदवेदेव और जैनिक सिनर के बीच इंडियन वेल्स का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा**

कैलिफोर्निया, वार्ता। रूस के दिग्गज खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव और इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर के बीच इंडियन वेल्स का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। डेनिल मेदवेदेव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्काराज को हराकर इंडियन वेल्स के फाइनल में जगह बना ली है।

जहां उनका मुकाबला जैनिक सिनर होगा। रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने तेज शुरुआत की और एक घंटा 37 मिनट तक चले मुकाबले में अल्काराज पर 6-3, 7-6 (7-3) से जीत हासिल की। अल्काराज ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी और मेदवेदेव से मुकाबला होने तक वे लगातार 16 मैच जीत चुके थे। इस जीत के साथ ही मेदवेदेव ने अल्काराज की इस साल चली आ रही 16 जीतों के सिलसिले को समाप्त कर दिया। मुकाबला जीतने के बाद मेदवेदेव ने कहा कि कार्लोस जैसे खिलाड़ी को हराना - जो दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी है - एक शानदार एहसास है। एक तरह से, जब आप उनके साथ, या जैनिक सिनर, या नोवाक जोकोविच के साथ खेलते हैं, तो रैंकिंग कोई मायने नहीं रखती। उनके साथ खेलना ही एक बेहतरीन एहसास है, और उन्हें हराना, जाहिर है, और भी अधिक अच्छा लगता है।

अल्काराज ने कहा कि मुझे डनिल को इसका श्रेय देना होगा। मुझे लगता है कि उन्होंने एक जबरदस्त मैच खेला। मैच की शुरुआत से लेकर आखिर तक, वे अविश्वसनीय खेल रहे थे, मुझे यह कहना ही पड़ेगा।

सच कहूं तो, मैंने डनिल को इस तरह खेलते हुए पहले कभी

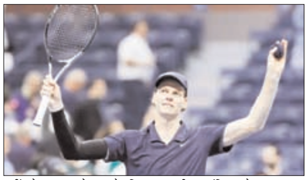

नहीं देखा। इससे पहले दिन में,इटली के जैनिक सिनर ने चौथे वरीयता प्राप्त जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार इंडियन वेल्स फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-2, 6-4 से हराया।

द. अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

● **दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं**

माउंट माउंगानुई, वार्ता। नकोबानी मोकोएना (तीन विकेट) और गेराल्ड कोएत्जी, ओटनील बार्टमैन तथा केशव महाराज (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कॉनर एस्टरहाउजन (नाबाद 45) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 20 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

92 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 28 रन के स्कोर तक अपने दो विकेट गंवा दिए। टोनी डीजॉर्जी (दो) और रूबिन हरमन (सात) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए जेसन स्मिथ ने कॉनर एस्टरहाउजन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

10वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने जेसन स्मिथ (10) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने 16.4 ओवरों में तीन विकेट पर 93 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कॉनर एस्टरहाउजन ने 48 गेंदों में दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 45 रनों की पारी खेली। डियान फॉरेस्टर ने नाबाद 16 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए काइल जेमीसन, जैकरी फॉक्स और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने एक के बाद एक लगातार विकेट गंवाए। डेवोन कॉनवे (एक), टॉम लैथम (सात), टिम रॉबिन्सन (छह), निक केली (दो) और बेवन जैकब्स (10) रन बनाकर आउट हुए। एक समय न्यूजीलैंड ने 36 रन पर अपने पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान मिचेल सैंटनर और जेम्स नीशम की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट लिए 22 रन जोड़े।

10वें ओवर में केशव महाराज ने मिचेल सैंटनर (15) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कोल मैककॉन्ची ने भी पारी को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने नीशम के साथ सातवें विकेट के लिए 26 रन जोड़े। नीशम ने 21 गेदों में 26 रन बनाए। कोल मैककॉन्ची ने 11 गेंदों में 15 रन बनाए। दोनों ही बल्लेबाजों को नकोबानी मोकोएना ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 14-3 ओवरों में 91 रन के स्कोर पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए नकोबानी मोकोएना ने तीन विकेट और गेराल्ड कोएत्जी, ओटनील बार्टमैन तथा केशव महाराज दो-दो विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 80 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई, वार्ता। कप्तान अमेलिया केर (78), जॉर्जिया प्लिमर (63) की शानदार अर्द्धशतकीय पारी के बाद सोफी डिवाइन (चार विकेट) और जेस केर (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने रविवार को खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 80 रनों से शिकस्त दी। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अमेलिया केर को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। 191 रनों के लक्ष्य का दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 110 रन ही बना सकी और 80 रनों से मुकाबला हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए ताजिमन ब्रिट्स ने सर्वाधिक 29 रन बनाए। इसकेअलावा एन डी क्लर्क (19), सूने लूस और (10) रन बनाकर आउट हुई। कायला रेनेके ने 18 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए सोफी डिवाइन ने 12 रन देकर चार विकेट और जेस केर ने 13 रन देकर दो विकेट लिए। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड को पारी की पहली गेंद पर इजाबेला गेज (शून्य) रनआउट के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई अमेलिया केर ने जॉर्जिया प्लिमर के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 146 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में एम क्लास ने अमेलिया केर को आउटकर इस साझेदारी को अंत किया। अमेलिया केर ने 44 गेंदों में 11 चौके और तीन दो उड़ाते हुए 78 रन बनाए। 15वें ओवर में एन म्लाबा ने जॉर्जिया प्लिमर को आउट किया।

कार लूटकर भाग रहे बदमाशों ने स्कूटी में मारी टक्कर

रिटायर इंजीनियर की मौत बदमाश कार छोड़कर फरार

❖शनिवार देर शाम रुड़की से तीन युवकों ने हरियाणा के लिए की थी कार बुक

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में लूट और हादसे की घटना सामने आई है जहां तीन बदमाशों ने बुकिंग पर चलने वाली टाटा नेक्सन कार लूट ली और कार चालक को नीचे गिराकर फरार हो गए भागने के दौरान उन्होंने स्कूटी सवार रिटायर सिंचाई विभाग के इंजीनियर को टक्कर मार दी जिससे उनकी मोके पर ही मौत हो गई आरोपी कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गए पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मंगलौर के ग्राम नगला निवासी रोहित गाड़ी चलाने का काम करता है शनिवार की शाम तीन व्यक्तियों ने रुडकी के मोहनपुरा से हरियाणा जाने के लिए उसकी टाटा नेक्सा बुक की थी जैसे ही गाड़ी मंगलौर गुड मंडी पर पहुंची तो आरोपियों ने उल्टी करने के बहाने कार रुकवा कर चालक को गाड़ी से नीचे ध क्का देकर गाड़ी लूट कर फरार हो गए जैसे ही आरोपी गाड़ी लेकर लिब्बरहेड़ी पहुंचे तो आरोपियों ने स्कूटी सवार अनिल त्यागी पुत्र शिवदत्त निवासी ग्राम कुहाहेड़ी गुरुकुल नारसन को टक्कर मार दी जिससे उनकी मोके पर ही मौत हो गई जो की आई आई टी रुड़की से अपने घर की और आ रहे थे। वहीं इस संबंध में कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है जल्द मामले का खुलासा कर दिया जाएगा

मंगलौर-भगवानपुर नेशनल हाईवे पर पनियाला के पास दर्दनाक हादसा

बस ने सिलेंडर से भरे ट्रक में मारी टक्कर, पांच गंभीर

❖लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को रुड़की सिविल अस्पताल में कराया भर्ती

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भगवानपुर-मंगलौर नेशनल हाईवे पर पनियाला गांव के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार हरियाणा रोडवेज की बस और एलपीजी सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच कथित तौर पर आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक में लदे गैस सिलेंडर ताश के पत्तों की तरह सड़क पर बिखर गए, जिससे हाईवे पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार भगवानपुर-मंगलौर नेशनल हाईवे पर पनियाला गांव के समीप हरियाणा रोडवेज की बस और एलपीजी सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद मौके पर महिलाओं और बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के राहगीर और ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े। इस हादसे में करीब पांच लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है, जिनमें महिलाएं भी शामिल बताई जा रही हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस की तत्परता से सभी घायलों को तत्काल रुड़की के सिविल अस्पताल और नजदीकी निजी चिकित्सालयों में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही गंगनहर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला। सड़क पर बिखरे सिलेंडरों और क्षतिग्रस्त वाहनों के कारण हाईवे पर जाम लग गया और लोगों का भारी हुजूम जमा हो गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराने का प्रयास शुरू कर दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि दुर्घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल प्राथमिकता घायलों को बेहतर उपचार दिलाने और हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था बहाल करने की है।

एसपी देहात ने किया खानपुर कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। एसपी देहात ने खानपुर कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण करते हुए सीओ लक्सर के साथ कोतवाली की सफाई व्यवस्था ,असलाहों का रखरखाव वह अन्य अवस्थाओं को परखा।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हरिद्वार एवं क्षेत्राधिकारी लक्सर द्वारा कोतवाली खानपुर, जनपद हरिद्वार का वर्ष 2025 का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम गार्ड की सलामी ली गई तथा सलामी में तैनात पुलिसकर्मियों का टर्न-आउट व शस्त्र कवायद चेक की गई। तत्पश्चात शस्त्रागार का निरीक्षण करते हुए शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके उपरांत मालखाना का निरीक्षण कर अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा आपदा उपकरणों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने और पुरानी सामग्री को नियमानुसार निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सरकारी संपत्ति का समय-समय पर भौतिक सत्यापन किए जाने हेतु भी निर्देशित किया गया। थाना अभिलेखों की जांच करते हुए प्रविष्टियों को समय से पूर्ण करने तथा ड्यूटी रोस्टर तैयार कर उसी के अनुसार पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बैरकों एवं भोजनालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, शौचालय एवं स्नानागारों की नियमित सफाई कराने तथा पुलिसकर्मियों को ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, आगन्तुक कक्ष तथा सम्पूर्ण आवासीय परिसर का भी निरीक्षण किया गया। पुलिस कर्मियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं फिटनेस के लिए नियमित रूप से योग, व्यायाम तथा वॉलीबॉल आदि खेल गतिविधियां संचालित कराने हेतु प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान निरीक्षण टीम के साथ प्रभारी निरीक्षक दिग्पाल सिंह कोहली, व०उ०नि० मंसूर अली, उ०नि० नवीन नेगी (चौकी प्रभारी गोवर्धनपुर), अपर उ०नि० योगेन्द्र सिंह, अपर उ०नि० तरुण कुमार, अपर उ०नि० बिजेन्द्र सिंह (चौकी प्रभारी बालावाली) सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार व बाइक भिड़ंत में दो की मौत मामले में कार चालक पर मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। पांच दिन पूर्व लंढौरा रेलवे स्टेशन मार्ग पर कार व बाइक की भिड़ंत में घायल तीन युवकों में से उपचार के दौरान दो की मौत हो जाने के मामले में पुलिस ने मृतकों के चाचा की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रुड़की कोतवाली क्षेत्र के जौरासी निवासी युनुस पुत्र निन्हा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 10 फरवरी की शाम को उसका भाई तस्वर रोजा अफतारी के बाद भतीजे उजैर पुत्र प्रवेज (13) व कैफ पुत्र इरफान (19) को अपनी मोटरसाइकिल पर लेकर लंढौरा बाजार मे सामान खरीदने जा रहा था। खान भट्टे के पास एक फुटवियर की दुकान देखकर उसका भाई अपने भतीजों को सड़क किनारे खड़ा कर दुकान में जूते चप्पल देखने चला गया। पिडित का कहना है कि उसके भतीजों को सड़क किनारे खड़ा देख रास्ते से गुजर रहा। उनका दोस्त अर्शियान भी उनके पास आकर उनसे बातें करने लगा। तभी एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो कर लंढौरा की ओर से बडी लापरवाही व तेज रफ्तार मे लहराती हुई आयी और सडक पर खड़ी मोटरसाइकिल भतीजे उजैर व कैफ तथा अर्शियान को जोरदार टक्कर मार दी आरोप है कि कार चालक नीचे उतरने के बाद घायलो के उपचार के लिए अस्पताल ना ले जाकर उलटा आस-पास मे खडे लोगो को गाली-गलौच व डराकर भाग गया। तस्वर ने लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान कैफ व उजैर की मृत्यु हो गयी, वही अर्शियान इलाज के लिए हार सैन्टर में भर्ती कराया गया हैं। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि युनुस पुत्र निन्हा निवासी जौरासी की तहरीर पर अज्ञात स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

85 किलो गोमांस बरामद तीन अज्ञात पर मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव में पुलिया के पास भारी मात्रा में गौवंशीय अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने सूचना के आध ार पर मौके से लगभग 85 किलोग्राम गौवंशीय खाल, सिर व अन्य अवशेष बरामद किए हैं। मामले में अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ गौवंश संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

झबरेड़ा थाना अध्यक्ष अजय शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार 13 मार्च को झबरेड़ा पुलिस को सूचनाकर्ता सोना पंडित ने फोन पर सूचना दी कि लाठरदेवा शेख गांव के पास पुलिया के किनारे सफेद प्लास्टिक के कट्टों में गौवंशीय अवशेष पड़े हैं। सूचना में यह भी बताया गया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोकशी कर मांस बेच दिया गया है और अवशेषों को वहां फेंक दिया गया है। सूचना मिलते ही उप-निरीक्षक योगेश कुमार, हेड कांस्टेबल रामवीर सिंह व अन्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पहले से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा थी। पुलिस ने जब मौके का जायजा किया, तो पानी और पुलिया के किनारे प्लास्टिक के कट्टों में गौवंशीय खाल और सिर बरामद हुए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पशु चिकित्साधिकारी डॉ. रश्मि सैनी को मौके पर बुलाया गया। चिकित्साधिकारी ने मौके पर पहुंचकर अवशेषों का निरीक्षण किया और गौमांस होने की पुष्टि की। पुलिस द्वारा प्रयोगशाला परीक्षण हेतु अवशेषों के नमूने लेकर उन्हें सील कर दिया गया है। पशु चिकित्साधिकारी के दिशा-निर्देशन में, बरामद अवशेषों को नाले के किनारे एक खेत में गड्ढा खुदवाकर और उचित अम्लीय छिड़काव कर नष्ट किया गया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि नगला कुबड़ा, अकबरपुर झोझा, हरजोली झोझा, बलैलपुर, खाताखेड़ी और पाडली गंदा जैसे आसपास के क्षेत्रों के जंगलों में भी अवशेष हो सकते हैं। सूचना पर पुलिस ने देर रात तक इन गांवों और नालों में सर्च ऑपरेशन चलाया, हालांकि अन्य किसी स्थान से कोई बरामदगी नहीं हुई। पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ गौवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में गोकशी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही आरोपितो को चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस टीम में इकबालपुर चौकी इंचार्ज योगेश कुमार, हेड कानि० रामवीर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

लक्सर पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे

हुक्का गैंग के एक और बदमाश को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लक्सर पुलिस ने हुक्का गैंग के एक और वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा था और लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। जानकारी के अनुसार नगला खिताब निवासी गौरव कुमार पुत्र राजेश कुमार ने कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर बताया था कि विशाल उर्फ बिशु, कार्तिक, गुरमीत, अक्षय निवासी ग्राम मुंडाखेड़ा खुर्द तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति ने रात के समय उनके घर के मुख्य दरवाजे पर आकर जबरन घर के आंगन में घुसकर फायरिंग की। इस दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। मामला गंभीर होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक लक्सर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। पुलिस की लगातार कार्रवाई में घटना में शामिल दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं फरार चल रहे आरोपियों की तलाश में पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों और सटीक रणनीति के आधार पर संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में रविवार को लक्सर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी गुरमीत पुत्र स्वर्गीय प्रीतम निवासी मुंडाखेड़ा खुर्द, थाना कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार को लक्सर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि गैंग के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी, कांस्टेबल अरविंद चंदेल शामिल रहे।

कलियर पुलिस ने पांच हजार का फरार इनामी पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी वारंटी को कलियर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो समेत कई गंभीर मामलों में फरार चल रहा था। थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि दानिश निवासी थीथकी गोपाली थाना देवबंद जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश काफी समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। एसएसपी ने आरोपी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गोपाली चौकी के पास देवबंद हाईवे से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।। टीम में थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, एसआई विशाखा राठौर, हेड कांस्टेबल अमित कुमार, शामिल रहे।

खोया-पाया-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2021 की मार्कशीट व सनद अनुक्रमांक सं. 211017473 व इंटरमीडिएट वर्ष 2023 की मार्कशीट व सनद अनुक्रमांक सं. 23316445 वास्तव में कहीं खो गयी है जिसका प्रयोग किसी अन्य अवैध होगा।
र की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
अभिजीत पाल पुत्र अरविंद कुमार नि. 69 दहियाकी पो. गुरूकुल नारसन तह. रूडकी हरिद्वार।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मां प्रकाशी देवी की जन्म तिथि भूलवश 16.03.1964 दर्ज हो गई थी जो गलत है मेरी मां की जन्म तिथि 01.01.1964 है जो सही है। मेरा नाम कुछ दस्तावेजों में भूल वंश सीनू कुमार दर्ज हो गया था जो गलत है मेरा नाम सोनू कुमार है जो सही है। आज के बाद मेरी मां की जन्म तिथि 01.01.1964 व मुझे सोनू कुमार से ही जाना पहचाना समझा पढ़ा लिखा जाए।
सोनू कुमार पुत्र श्री राजपाल सिंह नि. ग्राम व पो० चन्दपुरी बांगर ब्लॉक खानपुर, लक्सर हरिद्वार।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वाला पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

कलियर। सहरिद्वार जनपद के थाना पिरान कलियर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार मेहवड़ कला निवासी लगभग 40 वर्षीय फरमान पुत्र महमूद द्वारा एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया और संबंधि त सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क कर वीडियो को हटवाने की कार्रवाई की गई।वीडियो वायरल करने के बाद आरोपी फरमान अपने घर से फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कलियर पुलिस लगातार उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। लगातार प्रयासों के बाद कलियर की पुलिस टीम ने आरोपी फरमान को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने द्वारा वायरल किए गए वीडियो के लिए माफी मांगी और भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन दिया।

पानी के पाइप को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, तीन लोग घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव में पानी के पाइप को लेकर मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। गांव के ही दबंगों ने एक परिवार पर हमला कर पिता, पुत्र और पुत्री को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

झबरेड़ा थाना क्षेत्र के गांव खाताखेड़ी निवासी जमशेद ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव के ही प्रवेज और उसके दो बेटों उवेश व माज के साथ पानी के पाइप को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि प्रवेज और उसके दोनों बेटों ने जमशेद पर हमला कर दिया। जब बीच-बचाव करने जमशेद की पुत्री शफिया और पुत्र आमीर आए, तो आरोपितो ने उनके साथ भी अभद्रता करते हुए बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित जमशेद का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपितो ने उन्हें गंदी गंदी गालियां दीं और काफी चोटें पहुंचाई। हमले के बाद जाते-जाते आरोपितो ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि आज तो बच गए, लेकिन दोबारा मौका मिलते ही देख लेंगे। पुलिस ने पीड़ित जमशेद की तहरीर के आध ार पर प्रवेज, उवेश और माज के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष अजय शाह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस ने दबोचा नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को लक्सर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता कोतवाली लक्सर द्वारा थाने में सूचना दी गई कि आरोपी शुभम पुत्र भोलू निवासी टांडा भागमल भोगपुर ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध अवैध संबंध बनाए। साथ ही अपने भाई व माता के सहयोग से पीड़िता को गाली-गलौज व धमकी भी दी गई। प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा वांछित आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुपालन में लक्सर पुलिस द्वारा एक टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों व आने-जाने वाले रास्तों पर नजर रखते हुए सघन पतारसी-सुरागरसी की। आरोपी को लक्सर क्षेत्र से हिरासत में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। नाम पता आरोपी-शुभम पुत्र भोलू निवासी टांडा भागमल भोगपुर, थाना कोतवाली लक्सर।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर में उमड़ी भीड़, युवाओं ने किया महादान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रामनगर में लेबर चौक के समीप रविवार को आकाश पावर सॉल्यूशन कार्यालय पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई, जबकि कई युवाओं ने रक्तदान कर समाज सेवा का संदेश दिया।

रविवार सुबह करीब 10 बजे शुरू हुए इस शिविर में डॉ. अमित कुमार और उनकी टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। शिविर में रक्त की विभिन्न प्रकार की जांच भी की गई, जिससे लोगों को अपने स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी मिल सकी। स्वास्थ्य जांच के लिए क्षेत्र के कई लोग शिविर में पहुंचे और चिकित्सकों से परामर्श लिया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान सोनू कुमार, गौरव सिंह, अंकित, अनुराग, अर्पित त्यागी, कुलदीप कुमार, संजीव कुमार और कुणाल सहित कई युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर के संयोजक एवं समाजसेवी अंकुश राज ने बताया कि यह उनकी ओर से आयोजित पांचवां निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं होता, इसलिए लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। डॉ. अमित कुमार ने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा रक्तदान करने से स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। वहीं भारत अरोड़ा ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी की जान बचा सकता है। इस मौके पर नितिन कुमार, योगराज, वंश त्यागी, लाइबा नूर, संजू और रक्षित गुर्जर सहित कई लोग मौजूद रहे।

ईद को लेकर कोतवाली मंगलौर में शांति बैठक

गणमान्य नागरिक, ग्राम प्रधान व वार्ड सदस्य ने लिया भाग

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कोतवाली मंगलौर परिसर में आगामी ईद पर्व को शांतिपूर्ण, भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से एक शांति बैठक का आयोजन किया गया। पुलिस द्वारा सभी से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की अफवाह की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली मंगलौर परिसर में आगामी ईद पर्व को लेकर शांति बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य तथा अन्य सम्मानित व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। उपस्थित सभी लोगों से आगामी त्योहार के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी त्योहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।

वहीं इस दौरान कोतवाली मंगलौर पुलिस द्वारा सभी से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

चुनाव की घोषणा

रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने असम की 126, केरल की 140, पुड्डुचेरी की 30, तमिलनाडु की 234 और पश्चिमी बंगाल की 294 सीटों वाली विधानसभाओं के लिए चार राज्य और एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए चुनाव की घोषणा कर दी। जहां असम, केरल और केंद्रशासित पुड्डुचेरी और तमिलनाडु में एक चरण में चुनाव कराया जाएगा। वहीं पश्चिमी बंगाल में दो चरणों में चुनाव होगा। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अनुसार असम, केरल, पुड्डुचेरी में चुनाव 9 अप्रैल को होगा, जबकि तमिलनाडु का चुनाव भी 1 चरण में 23 अप्रैल को होगा। पश्चिमी बंगाल में 23, 29 अप्रैल को चुनाव कराए जाएंगे। ये चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं, जब एसआईआर को लेकर घमासान मचा हुआ है और लगभग तमाम विपक्ष ही एक स्वर में चुनाव आयोग पर यह आरोप लगा रहा है कि उसने पारदर्शिता से काम नहीं लिया है और बड़ी संख्या में मतदाताओं को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया है। प. बंगाल जहां एसआईआर को लेकर सबसे ज्यादा बवाल मचा है और वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बीते बुधवार से धरने पर बैठी हैं। 60 लाख से अधिक मतदाता एसआईआर प्रक्रिया के तहत वोट देने से वंचित कर दिए गए हैं। निश्चित रूप से यह बड़ी संख्या है और इस पर गंभीरता से विचार होना ही चाहिए। बेशक चुनाव आयुक्त को संवैधानिक रूप से यह अधिकार मिला हुआ है कि वह ऐसी व्यवस्था करे जिससे कोई पात्र वोटिंग होने से वंचित न रह पाए। वहीं, अपात्र लोग चुनाव प्रणाली में हिस्सा न लें, लेकिन ऐसा करते हुए बेहद सावधानी की जरूरत भी है और यह केवल कोई भी अपने बलबूते नहीं कर सकता। उसमें सभी के सहयोग की आवश्यकता होगी। चुनाव आयोग यहां कुछ पिछड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि वह कह रहा है कि उसने अपनी तरफ से भरसक कोशिश की है कि त्रुटिरहित वोटर लिस्ट बने जिसमें किसी भी कीमत पर पात्र लोगों के नाम न छूट पाएं, लेकिन जैसाकि हमने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग के तर्क को नहीं मानता और उसका मानना रहा है कि उसका झुकाव केंद्र की मोदी सरकार की तरफ है और उसके इशारे पर ही वह अपना काम करता है। निश्चित रूप से यह विपक्ष का गंभीर आरोप है और इस पर सफाई आनी ही चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग की तरफ से अब तक जो सफाई आई है वह दुर्भाग्य से दूर करती दिखाई नहीं दे रही है। भले ही चुनाव आयोग की मंशा कितनी भी साफ क्यों न हो, अगर उस पर संदेह के बादल मंडराते हैं, तो यह भी उसकी जिम्मेदारी है कि वह इन संदेह को दूर करे। आखिर चुनाव निष्पक्ष व पारदर्शी तभी कहे जाएंगे, जब सबकी भागेदारी उसमें हो। यह अच्छी बात है कि अबकी बार राज्यों के चुनावों में चुनाव आयोग समय सीमा घटाई है और सात से दो चरणों में ले आया है।

शासन में निरंतरता एक बुनियादी सच्चाई

ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह इस दौरान परिदृश्य में नहीं है और इसका अदृश्य होना सरकार की कूटनीति के लिए और बड़ा झटका है, सरकार को चाबहार परियोजना को लेकर स्थिति स्पष्ट कर बताना चाहिए कि क्या भारत अब भी इस परियोजना में शामिल है, अगर ऐसा नहीं है तो यह भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका है, इस परियोजना में स्थिति क्या है या क्या फिलहाल उसके निवेश संबंधी दायित्व पूरे हो चुके हैं, चाबहार के परिदृश्य में नहीं होना पश्चिम एशिया कूटनीति में भारत के लिए दूसरा रणनीतिक झटका दिखता है, तार्जिकिस्तान के अयनी के वायुसेना अड्डे को भारत पहले ही बंद कर चुका है, शासन में निरंतरता एक बुनियादी सच्चाई है, जिसे मोदी कभी स्वीकार नहीं करते।

–जयराम रमेश, प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग

डाटा, सहमति और संविधान : डिजिटल शक्ति पर भारत को पुनर्विचार करना होगा

अली ज़ैदी

डिजिटल युग में डेटा नई शक्ति बन चुका है। जिस तरह औद्योगिक क्रांति के दौर में संसाधनों और पूंजी ने आर्थिक संरचना को परिभाषित किया था, उसी तरह आज डेटा वैश्विक अर्थव्यवस्था और सत्ता के नए समीकरण तय कर रहा है। भारत, जहां दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता समुदायों में से एक मौजूद है, इस परिवर्तन के केंद्र में खड़ा है, लेकिन इस तेज डिजिटल विस्तार के साथ एक बुनियादी संवैधानिक प्रश्न भी उभर रहा है क्या भारतीय नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा पर उनका नियंत्रण है, या यह नियंत्रण धीरे-धीरे वैश्विक तकनीकी कंपनियों के हाथों में सिमटता जा रहा है?

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप की 2021 की विवादित प्राइवेसी नीति से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान जो टिप्पणियां कीं, उन्होंने इस बहस को नई गंभीरता प्रदान की है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कंपनियों को नागरिकों के निजता के अधिकार के साथ खेलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि व्यक्तिगत डेटा का उपयोग केवल व्यावसायिक लाभ का विषय नहीं है, बल्कि यह सीधे-सीधे नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। यह टिप्पणी दरअसल डिजिटल अर्थव्यवस्था के एक बड़े संकट की ओर इशारा करती है सहमति का संकट। आधुनिक डेटा सुरक्षा कानूनों की बुनियाद इस विचार पर टिकी है कि उपयोगकर्ता अपनी जानकारी स्वेच्छा से साझा करते हैं, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर यह सहमति अक्सर वास्तविक नहीं बल्कि परिस्थितियों से निर्मित होती है।

आज अधिकांश डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के सामने स्वीकार करें या सेवा छोड़ दें जैसी स्थिति रखते हैं। जब एक व्यक्ति के लिए डिजिटल संचार, बैंकिंग, रोजगार और सामा. जिक संपर्क लगभग पूरी तरह इन प्लेटफॉर्मों पर निर्भर हो जाए, तब ऐसी सहमति को पूरी तरह स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता। इसी कारण कई विशेषज्ञ इसे निर्मित सहमति कहते हैं। उपयोगकर्ताओं को अक्सर लंबी और जटिल गोप. नीयता नीतियों को बिना समझे स्वीकार करना पड़ता है। इससे डिजिटल प्लेटफॉर्मों को विशाल मात्रा में व्यक्तिगत डेटा तक पहुंच मिल जाती है, जिसका उपयोग केवल सेवा सुधार के लिए ही नहीं बल्कि व्यापक डेटा-आधारित व्यावसायिक मॉडल के लिए भी किया जाता है। इस बहस का संवैधानिक आधार सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय Justice KASA Puttaswamy v Union of India (2017) में मिलता है। इस मामले में अदालत ने स्पष्ट किया था कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार है। यह निर्णय केवल राज्य की निगरानी तक सीमित नहीं थाय इसने यह भी संकेत दिया कि नागरिकों की सूचना संबंधी गोप. नीयता लोकतांत्रिक समाज की आधारशिला है।

इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट us Shreya Singhal v Union of India (2015) में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66A को निरस्त करते हुए यह स्पष्ट किया था कि डिजिटल क्षेत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को किसी भी अस्पष्ट और मनमाने कानून से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त Anuradha Bhasin v Union of India (2020) में अदालत ने यह भी कहा कि इंटरनेट तक पहुंच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रयोग से गहराई से जुड़ी हुई है। इन निर्णयों ने यह स्थापित किया कि डिजिटल स्पेस केवल तकनीकी क्षेत्र नहीं बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों का विस्तार है। इसी संदर्भ में डेटा का अत्यधिक केंद्रीकरण एक नई चिंता बनकर उभर रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों के पास केवल उपयोगकर्ताओं की बुनियादी जानकारी ही नहीं होती, बल्कि उनके व्यवहार, पसंद, सामाजिक नेटवर्क, आर्थिक गतिविधियों और यहां तक कि राजनीतिक विचारों से जुड़ा विशाल डेटा भी मौजूद होता है। जब ऐसी सूचना शक्ति कुछ सीमित कंपनियों के हाथों में केंद्रित हो जाती है, तो यह केवल निजता का प्रश्न नहीं रह जाताकृयह प्रतिस्पर्धा, लोकतंत्र और डिजिटल संप्रभुता से जुड़ा मुद्दा बन जाता है। हालांकि भारत ने हाल के वर्षों में Digital Personal Data Protection Act 2023 लागू किया है, लेकिन किसी भी कानून की वास्तविक प्रभावशीलता उसके क्रियान्वयन और नियामकीय संरचना पर निर्भर करती है। यदि डेटा संरक्षण ढांचा मजबूत, पारदर्शी और जवाबदेह नहीं होगा, तो नागरिकों की सूचना सुरक्षा केवल कागजी प्रावधान बनकर रह जाएगी। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और डेटा आधारित सेवाओं के कारण तेजी से बढ़ने वाली है। यह विकास निस्संदेह आर्थिक अवसरों का एक विशाल द्वार खोलता है। लेकिन इसके साथ यह जोखिम भी जुड़ा है कि नागरिकों का व्यक्तिगत डेटा एक व्यावसायिक वस्तु में बदल जाए। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों को इसलिए केवल एक कंपनी की नीति पर प्रतिक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह दरअसल एक व्यापक संवैधानिक चेतावनी है कि तकनीकी नवाचार को नागरिकों के मौलिक अधिकारों से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

भारत के सामने चुनौती यह नहीं है कि वह डिजिटल विकास को रोकेकृबल्कि यह सुनिश्चित करे कि यह विकास संवैधानिक मूल्यों, नागरिक स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन के साथ आगे बढ़े। अंततः सवाल यह नहीं है कि तकनीक आगे बढ़ेगी या नहींकृवह निश्चित रूप से आगे बढ़ेगी। असली सवाल यह है कि क्या यह विस्तार उस संवैधानिक ढांचे के भीतर होगा जो प्रत्एक नागरिक की निजता, गरिमा और स्वायत्तता की रक्षा करता है। सुप्रीम कोर्ट ने दिशा स्पष्ट कर दी है। अब जिम्मेदारी विधायिका, नियामकों और तकनीकी कंपनियों की है कि भारत की डिजिटल यात्रा में संविधान ही अंतिम मार्गदर्शक बना रहे।

लेखक सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं, ये उनके निजी विचार हैं

टीकाकरण : लाखों जिंदगियां बचाने का संकल्प

भारत में लोगों को टीकाकरण का महत्व बताने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 मार्च को 'राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस' मनाया जाता है। दरअसल टीकाकरण कई गंभीर संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए बेहद जरूरी होता है। हमारे आसपास के वातावरण में मौजूद वायरस और बैक्टीरिया अक्सर हमें अपनी चपेट में लेकर बीमार कर देते हैं, ऐसे में वैक्सीन इन वायरस अथवा बैक्टीरिया के खिलाफ हमारी रक्षा करते हुए कई गंभीर बीमारियों से बचाती है और टीकाकरण की मदद से ही हम विभिन्न संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रह पाते हैं।

यह दिवस मनाने का उद्देश्य गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए टीकाकरण के महत्व को लेकर लोगों को जागरूक करना है, साथ ही यह प्रत्एक बच्चे के टीकाकरण को सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों और फ्रंटलाइन हैल्थ केयर वर्कर्स की कड़ी मेहनत को सरा. हने का भी अवसर है। यह अवसर टीकाकरण की आवश्यकता को दर्शाते हुए लोगों को स्वस्थ रहने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। टीकाकरण दिवस एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों, साथ ही अन्य हित धारकों और उनके काम की योग्य मान्यता को प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस की शुरुआत भले ही बच्चों की वैक्सीन के साथ हुई हो लेकिन इसका महत्व सभी के लिए है। दरअसल वैक्सीन केवल बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि बड़े-बुजुर्गों के लिए भी बेहद जरूरी होती है। वैक्सीन का विकास मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक माना जाता है। वैक्सीन न केवल बच्चों को बल्कि बड़ों को भी कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मददगार साबित होती है। वैक्सीन कई खतरनाक और गंभीर बीमारियों को रोकने का एक प्रभावी माध्यम है। टीकाकरण न केवल गंभीर बीमारियों के प्रसार को घटाता है बल्कि वैक्सीन शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ाती है। टीकाकरण मूल रूप से संक्रमित रोगों को फैलने से रोकने के लिए शरीर में इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करता है, हालांकि हर बीमारी के लिए अलग टीका या वैक्सीन होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि टीकाकरण की मदद से प्रतिवर्ष 2-3 मिलियन लोगों की जान बचाई जाती है। प्रतिवर्ष 16 मार्च को ही राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि यह दिन पोलियो बीमारी के खिलाफ भारत की जीत का प्रतीक है। देश में पहली ओरल पोलियो वैक्सीन खुराक देने की शुरुआत 16 मार्च 1995 को हुई थी। उसी के साथ भारत सरकार ने पोलियो को जड़ से खत्म करने का अभियान 'पल्स पोलियो' शुरू किया था, जो 'दो बूंद जिंदगी की' के नाम से लोकप्रिय हुआ था। वह ऐसा दौर था, जब देश में पोलियो के मामले तेजी से बढ़ रहे थे। तब पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों को समय-समय पर पोलियो वैक्सीन की दो बूंद दी जाती थी। पोलियो के खिलाफ व्यापक रूप से चलाए गए उस अभियान के परिणामस्वरूप ही भारत 2014 में पोलियो मुक्त देश बना था। भारत में पोलियो का आखिरी मामला 2011 में पश्चिम बंगाल में दर्ज किया गया था और 2014 में डब्ल्यूएचओ द्वारा भारत को पोलियो मुक्त राष्ट्र घोषित कर दिया गया था। पिछले कुछ वर्षों में टीकाकरण जीवन-घातक संक्रामक रोगों को नियंत्रित करने और समाप्त करने में बेहद कारगर साबित हुआ है। पोलियो और चेचक जैसी महामारी का रूप ले चुकी बीमारियों से निजात दिलाने के लिए तो देश में समय-समय पर टीकाकरण अभियान चलाए ही जाते रहे लेकिन देश का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान 2020 में कोविड महामारी के बाद चलाया गया और उस दौरान टीकाकरण का महत्व सर्वोपरि हो गया था। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक टीकाकरण के लाभ केवल स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा में सुधार तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि समुदाय के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी इससे सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत ने वर्ष 2017 से 2020 के बीच 32।4 करोड़ बच्चों का एमआर (खसरा-रूबेला) टीकाकरण किया था। खसरा और रूबेला संक्रमण से बचाव के लिए एमआर टीकाकरण किया जाता है। खसरा बच्चों का जानलेवा रोग है, जिससे ग्रसित बच्चे दस्त और निमोनिया से मर सकते हैं जबकि रूबेला बीमारी से गर्भवती महिला के गर्भ में पल रहा बच्चा अंधा, बहरा, मंदबुद्धि पैदा हो सकता है और उसके दिल में सुराख जैसी भंयकर बीमारी भी हो सकती है, बच्चे की गर्भ में ही मृत्यु भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगटन के मुताबिक एमआर टीकाकरण बहुत सुरक्षित और उपयोगी है और इस टीकाकरण से दुनियाभर में प्रतिवर्ष करोड़ों बच्चों की जान बच जाती है। विगत तीन दशकों में टीकाकरण के क्षेत्र में भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है और अब हमारे पास हेपेटाइटिस बी तथा मौसमी इन्फ्लूएंजा के लिए भी सफल टीके हैं। इसके अलावा हमारे वैज्ञानिक उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ और भी बेहतर टीके तैयार करने में जुटे हैं। भारत के कुछ नए टीकाकरण पर नजर डालें तो नवम्बर 2015 में निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन को पहली बार 6 राज्यों में लांच किया गया था, जिसे वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है। डायरिया से होने वाली मृत्यु और रुग्णता को कम करने के लिए मार्च 2016 में 11 राज्यों में रोटावायरस वैक्सीन द्धआरवीवीऋ को लांच किया गया और 2019-20 में देशभर में टीकाकरण अभियान का विस्तार किया गया। भारत ने 2017 में खसरा उन्मूलन और रूबेला नियंत्रण लक्ष्यों के लिए समर्पित 'एमआर टीका' पेश किया, जिसने 9 माह से 15 साल तक के 41 करोड़ बच्चों को लक्षित किया।

-योगेश कुमार गोयल

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शहादत-ए-खामेनेई : मर के जीना सिखा गए

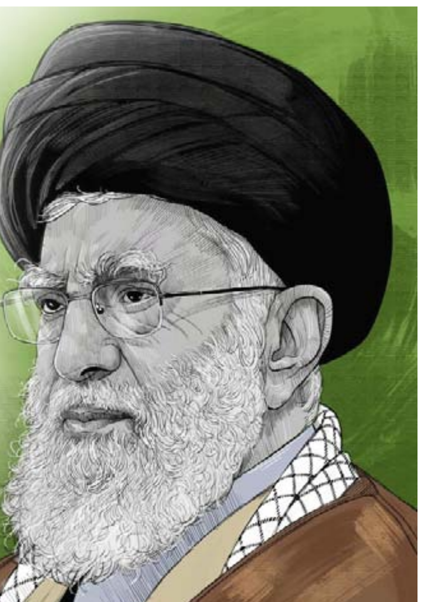

पूरे विश्व को अशांति की आग में झोंकने वाले अमेरिका व उसके क्रूर सहयोगी मित्र इस्राईल द्वारा आखिरकार ईरान पर एक बार फिर युद्ध थोप कर वहां भारी नरसंहार की इबारत लिखी जा रही है। अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु हथियार रखने वाले देशों का कहना है कि परमाणु हथियार रखना केवल उन जैसे श्जन संहारकश देशों का ही एकाधिकार है। अमे. रिका के इशारों पर नाचने से इंकार करने व उसे श्सर्वशक्तिमान श स्वीकार करने वाले ईरान जैसे देश का तो हरगिज नहीं। वैसे तो अब तक ईरान भी परमाणु हथियार बनाने से इंकार करता रहा है। परन्तु इराक की ही तरह इसी बात को बहाना बनाकर अमेरिका व इस्राईल ईरान पर टूट पड़े हैं। ईरान से रोजाना भारी जनहानि की खबरें आ रही हैं। जैसे जैसे युद्ध लंबा होता जा रहा है वैसे वैसे अमेरिका के हौसले पस्त होते जा रहे हैं और वह और भी अधिक आक्रामकता दिखाकर आम लोगों पर बंबारी कर अपनी खीज उतार रहा है। ठीक इसके विपरीत अपने सर्वोच्च गुरु अयातुल्लाह सै"यद अली खामनेई की शहादत जैसी बड़ी कुर्बानी देने तथा लगभग 170 स्कूली बच्चियों की शहादत के बाद भी ईरानी जनता का जज्बा-ए-शहादत और भी सर चढ़ कर बोल रहा है। अमेरिका-इस्राईल के विरुद्ध व मौजूदा ईरानी सत्ता के समर्थन में राजधानी तेहरान सहित ईरान के विभिन्न शहरों में लाखों लोग दिन रात अपने बुलंद हौसलों के साथ ईरानी सैनिकों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। लाखों प्रदर्शनकारी तो शहीद होने के जज्बे के साथ अपने शरीर पर कफन लपेटकर प्रदर्शन करते देखे गए। तेहरान में तो ऐसी ही एक बड़ी रैली पर इस्राईल द्वारा बंबारी भी की गई। परन्तु ईरानियों के हौसले और बुलंद होते जा रहे हैं।

नि:संदेह अमेरिका व इस्राईल के दबाव में पश्चिमी मीडिया दशकों से यह नरेटिव प्रसारित करता रहा है कि ईरानी सत्ता कट्टरपंथी है,यह सुन्नी जगत को निगल जाना चाहती है,अरब देशों के लिए ईरान सबसे बड़ा खतरा है, केवल अमेरिका ही ईरान से अरब देशों की रक्षा कर सकता है आदि आदि। और अरब देशों को ईरान का ही भय दिखाकर अमेरिका ने मध्य पूर्व के अरब लीग सदस्य देशों में लगभग 15 से 20 के मध्य स्थाई और प्रमुख सुविधाओं वाले सैन्य ठिकाने बना रखे हैं। यहां अमेरिकी सैनिकों की तैनाती 40,000 से 50,000 के आसपास है। कतर,बहरीन,कुवैत,संयुक्त अरब अमीरात,सऊदी अरब,जॉर्डन,इराक,मिस्र,सीरिया के अतिरिक्त कई छोटे काउंटर-टेररिज्म बेस भी शामिल हैं। जबकि ओमान जैसे कई देशों में अमेरिका की एक्सेस या पोर्ट सुविधाएं मौजूद हैं, हालांकि यहां पूर्ण अड्डे नहीं हैं। इन भारी भरकम सैन्य मौजूदगी के बल पर ही अमेरिका व इस्राईल अधिकांश खड़ी देशों को अपने कुचक्र में उलझाकर उनके तेल भंडारों का अपनी मनमर्जी से जबरदस्त दोहन कर रहे थे तथा उनकी सुरक्षा के नाम पर अरब देशों से भरी भरकम वसूली कर रहे थे। इतना ही नहीं बल्कि ईरान का भय दिखाकर ही बड़े ही नियोजित तरीके से इन्हीं देशों को अमेरिका व इस्राईल अपने हथियार बेचते रहते थे, परन्तु गत 28 फरवरी को पवित्र रमजान के महीने में अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर किए गए आक्रमण में और युद्ध छिड़ते ही ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह सैय्यद अली खामनेई की शहादत ने न केवल अमेरिका व इस्राईल के अरमानों पर पानी फेर दिया बल्कि पूरे अरब जगत की आंखें भी खोलकर रख दीं। ईरान पहले ही कह चुका था कि यदि उसपर अमे. रिका का हमला हुआ तो वह मध्य पूर्व में मौजूद अमे. रिकी सैन्य ठिकानों को सबसे पहले निशाना बनाएगा। क्योंकि इन्हीं सैन्य अड्डों का इस्तेमाल अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान के विरुद्ध किया जा रहा था। लिहाजा सामरिक .ष्टिकोण से भी यही सैन्य अड्डे ईरान के निशाने पर थे। और वही हुआ कि अमेरिका-इस्राईल के हमले के जवाब में ईरान ने इन्हीं अमेरिकी सैन्य ठिकानों को सबसे पहले निशाना बनाया। ईरान के दावों के अनुसार नहीं बल्कि द न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित उसके गत 11 मार्च के विश्लेषण के मुताबिक मध्य पूर्व में ईरान के हमलों से कम से कम 17 अमेरिकी सैन्य, राजनयिक और वायु रक्षा स्थलों को भारी नुक्सान पहुंचा है। यह हमले मुख्य रूप से बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, कतर और यूएई सहित खाड़ी देशों में स्थित ठिकानों पर किए गए। इनमें अनेक अमेरिकी सैनिक मारे गए व कई घायल हुए। इसके बाद अमेरिका ने उन प्रभावित सैन्य ठिकानों से अपने तमाम सैनिकों को वापस बुला लिया। और जिन अरब देशों की सुरक्षा के नाम पर गत 4 दशकों से गलतफहमी का शिकार बना रखा था उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका ने अपने नागरिकों को एक एडवाइजरी जारी कर उन्हें सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,कुवैत,कतर,बहरीन,ओमान,जॉर्डन,मिस्र,लेबनान,यमन,इराक तथा सीरिया जैसे देशों को तत्काल छोड़ने की सलाह भी दे दी।

अमेरिका द्वारा पीठ दिखाने के बाद पूरा इस्लामी जगत यह सोचने के लिए मजबूर हो गया कि वास्तव में अमेरिका द्वारा जिस ईरान को अरब देशों के लिए खतरा बताया जा रहा था वह ईरान नहीं बल्कि खुद अमेरिका ही उनके लिए सबसे बड़ा खतरा है। खामनेई की शहादत के बाद जिस तरह पूरे विश्व की अनेक सांसदों व विधानसभाओं में सड़कों व बाजारों में खामनेई को श्रद्धांजलि पेश की गई और साथ ही पूरे विश्व में शिया सुन्नी एकता के जो लहर दिखाई दे रही है उसकी तो अमे. रिका ने कल्पना भी नहीं की होगी। आज केवल दुनिया के मुसलमान ही नहीं बल्कि क्रूर व शुद्ध व्यवसाई मान. सिकता रखने वाले अमेरिकी साम्राजयवाद से त्रस्त आ चुकी पूरी दुनिया आयतुल्ला खामनेई की शहादत को इसी लिए सलाम कर रही है कि उन्होंने शहीद होकर न केवल विश्वसतर पर शिया सुन्नी की उस खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो अमेरका व इस्राईल द्वारा ही गहरी की गई थीं बल्कि उन्होंने अमेरिकी के आगे घुटने टेकने से इंकार कर यह भी बता दिया कि ब्रह्माण्ड में सर्वशक्तिमान कोई अमेरिका जैसा देश या उसका कोई सनकी राष्ट्रपति नहीं बल्कि वही है जो श्सबका मालिकश है और वह एक है और वही सबके लिए श्सर्वशक्तिमानश है। आयतुल्लाह खामनेई की शहादत पर श्रद्धांजलि स्वरूप कुंवर महेंद्र सिंह बेदी सहर द्वारा कही गई यह पंक्तियां सटीक बैठती हैं - जी के मरना तो सब को आता है। मर के जीना सीखा दिया तूने।

-तनवीर जाफरी

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जयपुर। आपूर्ति संकट के बीच एलपीजी सिलेंडर लेकर कतार में इंतजार करते लोग।

पाकिस्तान में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में 30 प्रतिशत तक कटौती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ते फ्यूल संकट के बीच सरकार ने खर्च कम करने के लिए कई बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि सरकारी कंपनियों और सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थानों के कर्मचारियों की सैलरी में 5 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक कटौती की जाएगी। सरकार का कहना है कि इन कदमों से जो पैसा बचेगा, उसे लोगों को राहत देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि अगले दो महीनों तक सरकारी गाड़ियों के लिए फ्यूल का इस्तेमाल 50 प्रतिशत तक कम किया जाएगा और करीब 60 प्रतिशत सरकारी वाहनों को सड़कों से हटा दिया जाएगा। इसके अलावा नई सरकारी गाड़ियां खरीदने पर रोक लगा दी गई है।

पश्चिमी तट में इजरायली हमले में चार फलस्तीनी मारे गए: रेड क्रिसेंट

रामल्लाह। पश्चिमी तट के तम्मून शहर में इजरायली विशेष बलों की गोलीबारी में दो बच्चों सहित चार फलस्तीनियों की मौत हो गई है। फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने यह जानकारी दी है। रेड क्रिसेंट के अनुसार, इजरायली बलों ने एक गाड़ी पर गोलीबारी की, जिसमें ये लोग मारे गए। रेड क्रिसेंट ने एक प्रेस बयान में कहा कि उसके कर्मचारियों ने गोलीबारी का शिकार हुई गाड़ी से चारों पीड़ितों के शव बरामद कर लिए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि पीड़ित एक ही परिवार के थे। सूत्रों ने कहा कि इजरायली विशेष बल शहर के एक इलाके में दो युवकों का पीछा कर रहे थे, जिसके बाद उन्होंने वहां से गुजर रही गाड़ी पर गोलीबारी कर दी। इस घटना के संबंध में इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

ईरान में सत्ता परिवर्तन की उम्मीदें धूमिल

इजरायली पीएम नेतन्याहू के सामने नई राजनीतिक चुनौती

■ इजरायल ने कई बार ईरानी जनता से मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ उठ खड़े होने की अपील भी की

तेल अवीव। ईरान के खिलाफ युद्ध में सैन्य हमलों और शीर्ष नेतृत्व पर हमले के बावजूद तेहरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना कमजोर पड़ती दिख रही है। ऐसे में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अब एक नई राजनीतिक चुनौती का सामना कर रहे हैं।

इजरायली सैन्य और राजनी. तिक नेतृत्व अब इस युद्ध को मध्य पूर्व की रणनीतिक तस्वीर बदलने वाली कार्रवाई के रूप में पेश कर रहा है, जबकि तेहरान में शासन परिवर्तन का लक्ष्य पूरा होता नहीं दिख रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के सैन्य व राजनीतिक नेतृत्व की ओर से ईरान के खिलाफ युद्ध को मधय पूर्व की शक्ति संतुलन को बदल देने वाली कार्रवाई बताया जा रहा है। तेल अवीव स्थित पत्रकार और यूएस-इजरायल थिंक टैंक इजरायल पालिसी फोरम से जुड़े नीति सलाहकार नेरी जिलबर के अनुसार, नेतन्याहू इस युद्ध को ऐतिहासिक जीत बताने की को. शिश कर रहे हैं। यदि तेहरान की मौजूदा सत्ता कमजोर या समाप्त हो जाती, तो लेबनान में हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास जैसे समूहों को मिलने वाली वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और हथियारों की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ सकता था। इजरायल का मानना रहा है कि इससे क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण पूरी तरह बदल सकता है। इजरायल ने कई बार ईरानी जनता से मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ उठ खड़े होने की अपील भी की। इजरायल के भीतर कुछ लोग नेतन्याहू के इन संकेतों को इस रूप में देख रहे हैं कि संभवत: युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बढ़ रहा है। तेजी से बढ़ती तेल कीमतों के कारण अमे. रिका की सरकार पर भी संघर्ष समाप्त करने का दबाव बताया जा रहा है। जून 2025 के बाद सिर्फ आठ महीने में ही इजरायल फिर युद्ध में लौट आया। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान मिसाइल कार्यक्रम फिर खड़ा कर रहा था और उसे तथा अपने परमाणु कार्यक्रम को गहराई में भूमिगत ले जाने की योजना बना रहा था। इजरायल के अखबार येदियोथ अहरोनोथ के रक्षा संवाददाता ने लिखा है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के भीतर आंतरिक तनाव व कुछ मामलों में सैनिकों के पलायन जैसी घटनाएं सामने आई हैं। नेतन्याहू का संकेत है कि इजरायल युद्ध के जरिए परिस्थितियां बदल पीछे हट सकता है। हालांकि तेहरान में सत्ता बरक. रार रहने की स्थिति नेतन्याहू के लिए जोखिम भी पैदा कर सकती है। विश्लेषक नेरी जिलबर के अनुसार, नेतन्याहू की पूर्ण विजय की घोषणाएं वास्तविकता में नहीं बदलतीं हैं तो यह उनके खिलाफ जा सकता है।

US को पश्चिम एशिया छोड़ देना चाहिए: पेजेशकियान

अगर इस इलाके को सुरक्षित बनाना है, तो अमेरिका की मौजूदगी यहां नहीं होनी चाहिए: ईरान

■ होर्मुज जलडमरूमध्य सिर्फ हमारे दुश्मनों के जहाजों के लिए बंद, ईरान के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

तेहरान। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और शांति के लिए अमेरिका को पश्चिम एशिया से बाहर चले जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि अगर इस इलाके को सुरक्षित बनाना है, तो अमेरिका की मौजूदगी यहां नहीं होनी चाहिए। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब काफी बड़ा रूप ले चुका है। अमेरिका, इजरायल और ईरान एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बना रहे हैं।

इसकी वजह से पूरी दुनिया में तेल और गैस की सप्लाई पर संकट पैदा हो गया है। शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा बंदरगाह पर ड्रोन से हमला हुआ, जिससे वहां आग लग गई। खाड़ी मामलों के एक जानकार ने बताया कि यूएई की रक्षा प्रणाली ने ड्रोन को बीच में ही रोक दिया था। ड्रोन के मलबे के गिरने से आग लगी, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। जानकारों का कहना है कि यह घटना बताती है कि क्षेत्र में तनाव को रो. कना अब बहुत जरूरी है। यूएई को उसकी कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि व्यापार, कूटनीति और पैसे के लेनदेन में उसकी बड़ी भूमिका की वजह से बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स' (आईआरजीसी) ने कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के बैंकिंग ढांचे पर हमले जारी रखे, तो खाड़ी देशों में चल रही अमे. रिकी बैंकों की शाखाओं पर हमले और तेज हो सकते हैं। ईरानी अधिकारी नायनी ने बताया कि पड़ोसी देशों में अमेरिकी बैंकों पर हालिया हमले दरअसल ईरान की संपत्तियों पर हुए हमलों का जवाब थे।

इन हमलों की वजह से कुछ समय के लिए बैंकिंग कामकाज में रुकावट भी आई। समुद्री रास्तों पर भी खतरा काफी बढ़ गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो हफ्तों में फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमधय और ओमान की खाड़ी में कम से कम 17 जहाजों पर हमले हुए हैं। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। ओमान में भारतीय दूतावास ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। यह पूरा विवाद 28 फरवरी को शुरू हुआ था। तब अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों में ईरान के कई बड़े अधिकारी और कमांडर मारे गए थे। इसके बाद से ईरान की सेना हर दिन इजरायल इलाकों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रही है। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमधय खुला है और यह रणनी. तिक मार्ग सिर्फ अमेरिका और इजरायल के जहाजों के लिए बंद है। ईरानी विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनिया की प्रमुख शक्तियों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने नौसैनिक जहाज तैनात करने की अपील की है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका किसी भी हाल में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को खुला रखेगा। अराघची ने एक बातचीत के दौरान कहा कि होर्मुज जलडमरू खुला है। यह केवल हमारे दुश्मनों, अमेरिका और उसके सहयोगियों के टैंकरों और जहाजों के लिए बंद है। बाकी सभी के लिए आवागमन पर कोई रोक नहीं है। होर्मुज में ईरानी नाकेबंदी को लेकर किए गए सवाल पर अराघची ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं के चलते ये नाक. बंदी की गई है। रूस और चीन को लेकर अराघची ने कहा कि रूस और चीन हमारे रणनीतिक साझेदार हैं। अतीत में हमारा घनिष्ठ सहयोग रहा है, जो अभी भी जारी है। इसमें सैन्य सहयोग भी शामिल है। ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया है कि दुनिया में तेल ले जाने का एक बहुत महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता होर्मुज स्ट्रेट अभी भी खुला है और उस पर ईरान का नियंत्रण बना हुआ है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका द्वारा किए जा रहे दावे सही नहीं हैं। अमेरिका कह रहा है कि उसने ईरान की नौसेना को नष्ट कर दिया है और तेल के जहाजों को सुरक्षित रास्ता दे सकता है, लेकिन ये बातें गलत हैं। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट को सैन्य रूप से बंद नहीं किया गया है, बल्कि यह सिर्फ ईरान के नियंत्रण में है।

बिना गारंटी और हर्जाने के युद्ध का अंत संभव नहीं: अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा युद्ध का अंत तभी संभव है जब इस बात की पुख्ता गारंटी दी जाए कि हमले दोबारा नहीं दोहराए जाएंगे। अराघची ने एक प्रमुख अरबी समाचार पत्र 'अल-अरबी अल-जदीद' से बात. चीत के दौरान स्पष्ट किया कि युद्ध का अंत तभी संभव है जब इस बात की पुख्ता गारंटी दी जाए कि हमले दोबारा नहीं दोहराए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने संघर्ष के दौरान हुए नुकसान के लिए हर्जाने या मुआवजे के भुगतान की मांग भी उठाई है। अराघची ने क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाने का प्रस्ताव भी दिया है जो क्षेत्र में हुए हमलों की बारीकी से जांच कर सके। ईरानी विदेश मंत्री ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि तेहरान की सैन्य कार्रवाइयां केवल इस क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और हितों तक ही सीमित रही हैं। उन्होंने इस बात का पुरजोर खंडन किया कि ईरान ने पड़ोसी देशों के किसी भी नागरिक या आवासीय क्षेत्र को निशाना बनाया है। अराघची ने आशंका जताई कि अरब देशों के नागरिक ठिकानों पर हुए हमलों के पीछे इजरायल का हाथ हो सकता है, जिसका उद्देश्य ईरान और उसके पड़ोसी अरब देशों के मधुर संबंधों में दरार पैदा करना है। अराघची ने यह भी सनसनीखेज दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के 'शाहिद' की तरह ही 'लुकास' नामक एक नया ड्रोन बनाया है, जिसका उपयोग अरब देशों में ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया है।

जंग की वजह से लेबनान में 2 लाख बच्चे बेघर

दुबई में पर्यटकों की कमी, रेस्त्रां-कैफे में कुर्सियां खाली

तेल अवीव/तेहरान। अमे. रिका-इ जरायल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस बीच इजरायल लगातार लेबनान पर भी हमले कर रहा है। इस वजह से करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

अल जजीरा के मुताबिक इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं। दुबई के बाजार, समुद्र तट और वाटरफ्रंट इलाके आमतौर पर पर्यटकों से भरे रहते हैं, लेकिन इस बार पर्यटन के व्यस्त मौसम में भी यहां असामान्य सन्नाटा दिखाई दे रहा है। ईरान के साथ चल रहे युद्ध का असर अब पूरे क्षेत्र पर पड़ रहा है। ईरान ने यूएई में कई जगहों पर हमला किया है। इस वजह से देश की 'सुरक्षित पर्यटन स्थल' वाली छवि पर भी असर डाला है। इस वजह से दुबई के कई लोकप्रिय पर्यटन स्थल, जैसे दुबई क्रीक के किनारे स्थित अल सीफ वाटरफ्रंट मार्केट और बुर्ज अल अरब जैसे लक्जरी होटलों के पास के समुद्र तटों पर आम दिनों की तुलना में काफी कम पर्यटक दिखाई दे रहे हैं। दुबई क्रीक के पास ऐतिहासिक अल फहीदी इलाके में अल सीफ मार्केट के एक कैफे की मेज पर शुक्रवार को एक दुकानदार सोता नजर आया। दुबई क्रीक के पास ऐतिहासिक अल फहीदी इलाके में अल सीफ मार्केट के एक कैफे की मेज पर शुक्रवार को एक दुकानदार सोता नजर आया। दुबई क्रीक के किनारे अल सीफ बाजार लगभग खाली नजर आ रहा है। आम तौर पर पर्यटकों से भरा रहने वाली यह जगह शुक्रवार को सुनसान दिखाई दिया। वहां एक बिल्ली टहलती दिखी। अल सीफ बाजार के एक कैफे में शुक्रवार को खाली कुर्सियों के बीच कुछ ही ग्राहक बैठे दिखाई दे रहे हैं। दुबई में बुर्ज अल अरब और जुमेराह मार्सा अल अरब होटलों के आगे की बीच शुक्रवार को खाली नजर आई।

ईरान का यूक्रेन को सीधा निशाना बनाने का संकल्प: ईरानी सांसद

■ इजरायली शासन को ड्रोन सहायता प्रदान करके यूक्रेन प्रभावी रूप से इस युद्ध में शामिल हो गया

तेहरान। ईरान के एक वरिष्ठ सांसद ने सोशल मीडिया पर एक विवादित बयान देते हुए कहा है कि यूक्रेन अब ईरान के लिए एक 'वैध सैन्य लक्ष्य' बन चुका है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विद. ेश नीति संसदीय समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी के अनुसार, यूक्रेन द्वारा अमेरिका और इजरायल के पक्ष में ईरान विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

अजीजी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इजरायली शासन को ड्रोन सहायता प्रदान करके, यूक्रेन प्रभावी रूप से इस युद्ध में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत, यूक्रेन ने अब अपने पूरे क्षेत्र को ईरान के लिए एक वैध लक्ष्य में बदल दिया है। ईरान का आरोप है कि यूक्रेन अपनी ड्रोन विशेषज्ञता का इस्तेमाल इजरायल और पश्चिमी देशों को ईरान के विरुद्ध मजबूत करने के लिए कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने इस धमकी को 'हास्यास्पद' बताते हुए खारिज कर दिया है। यह स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि 10 से अधिक देशों ने ईरानी ड्रोनों से निपटने के लिए कीव से सहायता मांगी है।

ट्रम्प को झटका: प्रवासी निर्वासन सुरक्षा खत्म करने पर लगी रोक

बोस्टन। मैसाचुसेट्स की एक अमेरिकी अदालत के फैसले ने सोमालिया से आए प्रवासियों के अस्थाई संरक्षित दर्जे (टीपीएस) की समाप्ति पर अस्थाई रोक लगा दी है। गत माह ट्रम्प प्रशासन द्वारा मिनियापोलिस में आव्रजन संबंधी कार्रवाई के दौरान टीपीएस को खत्म करने का कदम उठाया था। अमेरिकी जिला जज एलिसन डी. बरोज ने कहा, यदि सोमालिया के टीपीएस को समाप्त होने दिया जाता है तो इसके गंभीर नतीजे सामने आएंगे। प्रवासियों के समर्थक समूह ने संघीय अदालत में एक आपातकालीन याचिका दायर कर इस समाप्ति पर रोक लगाने की मांग की थी।

होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए दूसरे देश वॉरशिप भेजें: ट्रम्प

कहा: ईरान की सैन्य क्षमता लगभग खत्म, चीन, जापान और ब्रिटेन से भी आगे आने की अपील

■ ट्रम्प ने कहा कि दुनिया के कई देशों को आगे आकर इसको सुरक्षित रखना चाहिए, क्योंकि कई देशों की तेल सप्लाई इसी रास्ते से होती है

तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर काफी सख्त बयान दिया है। उनका कहना है कि यह समुद्री रास्ता किसी भी हाल में बंद नहीं होने दिया जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि दुनिया के कई देशों को आगे आकर इसको सुरक्षित रखना चाहिए, क्योंकि कई देशों की तेल सप्लाई इसी रास्ते से होती है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन जैसे देश भी अपने वारशिप भेजकर इस रास्ते को खुला रखने में मदद करेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि हालिया हमलों के बाद ईरान की सैन्य क्षमता लगभग खत्म हो चुकी है, हालांकि वह अभी भी ड्रोन, समुद्री माइंस या छोटी दूरी की मिसाइलों से खतरा पैदा कर सकता है। होर्मुज स्ट्रेट ग्लोबल एनर्जी सप्लाई के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का व्यापार होता है। संयुक्त अरब अमीरात ने सोशल मीडिया पर वायरल और झूठे वीडियो क्लिप फैलाने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ जल्दी मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई ईरान से जुड़े युद्ध के कारण क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच की गई है। यूएई के अटार्नी जनरल हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि डिजिटल प्लेटफार्म की लगातार निगरानी के दौरान यह मामला सामने आया। उनके अनुसार कुछ लोग सही गलत जानक. ारी फैलाने वाले लोगों को निष्क्रिय कर रहे थे और इससे देश की सुरक्षा और स्थिरता पर असर पड़ सकता है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट बेन कोहेन ने कहा कि ईरान के आतंकवादी शासन के खिलाफ कड़ा कदम उठाना जरूरी है। उनका कहना है कि इजरायल ऐसे खतरे को सिर्फ रोक नहीं बल्कि पूरी तरह खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि इजरायल का लक्ष्य टिक-टिक करते टाइम बम को सिर्फ निष्क्रिय करना नहीं, बल्कि उसे पूरी तरह हटाना है। उनके मुताबिक इजरायल ऐसी स्थिति में नहीं रह सकता जहां कोई शासन खुलेआम इजरायल और अमेरिका के खिलाफ धमकियां देता हो। लेबनान ने इजरायल से बातचीत के लिए सीजफायर की शर्त रखी इजरायल ने संकेत दिया है कि वह 2006 के बाद लेबनान पर बड़ा जमीनी हमला कर सकता है। इसी बीच तनाव कम करने के लिए बातचीत की तैयारी भी चल रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस मामले को संभालने के लिए अपने करीबी सहयोगी रान डर्मर को जिम्मेदारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बातचीत जल्द ही शुरू हो सकती है और इसमें अमेरिका की ओर से जेरेड कुशनेर शामिल हो सकते हैं। वहीं लेबनान के नेता नबीह बेरी ने कहा है कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन उससे पहले युद्धविराम होना जरूरी है।

महासचिव गुटेरेस ने भी सुरक्षा परिषद पर उठाए सवाल

बोले: ये आज भी 1945 के समय में फंसी है

■ 'वीटो' पावर की वजह से परिषद सही समय पर जरूरी फैसले नहीं ले पाती: गुटेरेस

बेरूत। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हमें यह मानना होगा कि सुरक्षा परिषद के साथ एक बड़ी समस्या है। उनके अनुसार, आज की सुरक्षा परिषद दुनिया के मौजूदा हालात को नहीं दर्शाती। यह आज भी 1945 के समय की दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रही है जब इसे बनाया गया था।

बेरूत में एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान गुटेरेस ने बताया कि 15 देशों वाली इस परिषद में पांच स्थाई सदस्य हैं। इनमें से तीन देश यूरोप से हैं, एक एशिया से है और एक अमेरिका है। हैरानी की बात यह है कि अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे बड़े क्षेत्रों का कोई भी देश इसका स्थाई सदस्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि एशिया की आबादी और दौलत दुनिया में बहुत ज्यादा है, फिर भी यहां से सिर्फ चीन ही स्थाई सदस्य के तौर पर शामिल है। गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद की काम के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 'वीटो' पावर की वजह से परिषद सही समय पर जरूरी फैसले नहीं ले पाती। जब भी किसी युद्ध को रोकने की जरूरत होती है, कोई न कोई स्थाई सदस्य वीटो का इस्तेमाल कर देता है। इससे शांति की कोशिशें बीच में ही रुक जाती हैं। गुटेरेस को फिलहाल ऐसी उम्मीद नहीं है कि आने वाले कम समय में इन हालातों में कोई बदलाव होगा। सुरक्षा परिषद के ढांचे की बात करें तो चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के पास वीटो की ताकत है। बाकी 10 अस्थाई सदस्यों को दो साल के लिए चुना जाता है, लेकिन उनके पास वीटो का अधिकार नहीं होता। भारत पिछले कई दशकों से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है। भारत का कहना है कि 1945 में बनी यह व्यवस्था 21वीं सदी की जमीनी हकीकत और राजनी. ति से मेल नहीं खाती।

बेरुत में हिजबुल्लाह के कमांड सेंटरों को तबाह करने का इजरायल का दावा

बेरुत। इजरायली सेना ने शनिवार को लेबनान की राजधानी बेरुत में हिजबुल्लाह की विशिष्ट 'रदवान फोर्स' के कई महत्वपूर्ण कमांड सेंटरों को नष्ट करने का दावा किया है। ए इजरायली सेना का कहना है कि ए हमले 'ऑपरेशन रोरिग लायन' का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य हिजबुल्लाह की सैन्य क्षमताओं और उनके नेतृत्व ढांचे को पूरी तरह से ध्वस्त करना है। इजरायल के अनुसार, हिजबुल्लाह जानबूझकर नागरिक क्षेत्रों के बीच अपनी सैन्य बुनियादी सुविधाएं स्थापित कर रहा है, जिससे आम लोगों की जान को खतरा पैदा हो रहा है। इजरायल ने चेतावनी दी है कि चिकित्सा सुविधाओं और एम्बुलेंस का सैन्य उपयोग होने पर वह अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उन पर भी कार्रवाई करेगा।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, 7 की मौत

■ 7 घायल, मनोकामना मंदिर से दर्शन कर लौटते समय हादसा

काठमांड। नेपाल के गंडकी प्रांत के गोरखा जिले में शनिवार रात भारतीय तीर्थयात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घायल हैं। यात्री मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक माइक्रोबस मनकामना मंदिर से लौट रही थी, तभी सड़क से फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में घायल 7 यात्रियों को भरतपुर स्थित चितवन मेडिकल कालेज में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार बस में एक दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। प्रशासन के अनुसार बस मनाकामना मंदिर से तनहुन जिले के अंबुखैरेनी इलाके की ओर जा रही थी। घटना के बाद देर रात तक रेस्क्यू आपरेशन जारी रहा। पुलिस ने बताया कि हादसे की दूसरे वजहों की भी जांच की जा रही है। नेपाल में शनिवार को भारतीय यात्रियों से भरी बस खाई में पलट गई। गोरखा जिला ट्रैफिक पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज अर्याल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। सभी भारतीय नागरिक थे। जिला पुलिस प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार मृतकों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामालिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलरसी (60) के रूप में हुई है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108